वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 253 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली शनिवार 5 दिसंबर 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

किसानों ने किया भारत बंद का ऐलान, नहीं हटेंगे पीछे

कृषि कानून वापस होने से कम पर राजी नहीं किसान, कृषिमंत्री बोले, आज की वार्ता में सार्थक नतीजे की उम्मीद

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर । कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे किसान आंदोलन को खत्म कराने के लिए केंद्र सरकार आज कोई बड़ी घोषणा कर सकती है। यह घोषणा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर हो सकता है, जिसका इशारा केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने दिया। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ बातचीत सार्थक नतीजे की ओर बढ़ रही है। बैठक शनिवार को दोपहर 2 बजे से विज्ञान भवन में है।

दूसरी ओर, किसानों का कहना है कि संशोधन नहीं, तीनों कानून वापस होने चाहिए। सरकार पर दबाव बनाने को किसानों ने 8 दिसम्बर को भारत बंद का भी ऐलान कर दिया है।

कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन अब व्यापक रूप लेता दिख रहा है। इस बीच सरकार भी दबाव महसूस करने लगी है। शुक्रवार को पूरे दिन मंत्रालय में इस पर माथा पच्ची चलती रही। बताया गया कि शीर्ष स्तर पर कई दौर की बैठक हुई।

गृहमंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, रेल मंत्री पीयूष गोयल शनिवार को होने वाली पांचवें दौर की वार्ता के लिए रणनीति तय करने में लगे रहे। तोमर ने शनिवार को होने वाली बैठक में सार्थक नतीजे की उम्मीद जताई। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आपत्ति और सुझावों पर बिंदुवार विचार कर रही है। जो भी संशोधन जरूरी होंगे, उसे करने और मानने को सरकार तैयार है। हालांकि किसानों की सबसे अहम मांग एमएसपी पर खरीद की गारंटी वाला कानून बनाने, मंडी व्यवस्था को जस का तस बनाए रखने और कांट्रैक्ट फार्मिंग के प्रावधान को खत्म करने के मसले पर उन्होंने स्पष्ट जवाब नहीं दिया। दूसरी ओर सरकार पर दबाव बढ़ाने के लिए किसानों ने 8 दिसम्बर को भारत बंद का ऐलान कर दिया। गाजीपुरगाजियाबाद सीमा पर किसान नेता चौधरी राकेश टिकैत ने पत्रकारों से कहा कि आज सरकार के साथ फिर बातचीत होनी है।

हमारी मांगें नहीं मानी तो हम आंदोलन और तेज करेंगे। वहीं सिंघु बार्डर पर पत्रकारों से बातचीत में ऑल इंडिया किसान सभा के महासचिव हन्नन मौला ने कहा कि हमारी एक ही मांग है कि तीनों कानूनों को सरकार वापस ले। अगर ऐसा नहीं करती तो आंदोलन तेज होगा और दिल्ली आने वाले हर रास्ते को बंद कर दिया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन (लखवाल) के महासचिव एचएस लखवाल ने कहा कि 5 दिसम्बर को किसान प्रधानमंत्री के पुतले का दहन करेंगे और 8 दिसम्बर को भारत बंद। उन्होंने कहा कि सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेना होगा। इससे कम पर किसान तैयार नहीं हैं।

पिछले 10 दिनों से दिल्ली सीमा पर जमे किसानों का यह आंदोलन अब पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड से निकल कर देशव्यापी होता दिख रहा है। सिंघु बार्डर पर किसानों ने बताया कि शुक्रवार को तमिलनाडु और कर्नाटक के किसान उनके आंदोलन के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे थे।

उन्हें भी दिल्ली आने को कह दिया गया है। इस बीच पश्चिम बंगाल के भी किसान इस आंदोलन के समर्थन में उतर आए हैं। वहीं महाराष्ट्र और राजस्थान के किसानों का भी समर्थन मिल रहा है। देश के अन्य राज्यों के भी किसान इस आंदोलन से जुड़ते जा रहे हैं।

आंदोलनरत किसानों ने फिलहाल 10 दिनों से सिंघु और टिकरी बार्डर घेर रखा है। किसान नेताओं ने कहा कि सरकार ने उनकी मांग नहीं मानी तो दिल्ली की हर सीमा को किसान सील कर देंगे।

सर्वदलीय बैठक में पीएम ने 130 करोड़ आबादी के वैक्सीनेशन पर नहीं दिया कोई रोडमैप: अधीर रंजन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को सर्वदलीय बैठक में देशवासियों को खुशखबरी देते हुए कहा कि कोरोना का टीका अगले कुछ सप्ताह के भीतर आ जाएगा और वैज्ञानिकों की हरी झंडी मिलते ही देश में टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। इस पर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा है कि 130 करोड़ आबादी के वैक्सीनेशन पर कोई रोडमैप नहीं दिया गया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि देश में करोड़ों लोगों को दो वक़्त की रोटी मिलना मुश्किल है वो वैक्सीन के लिए पैसा कहां से लाएंगे। उनको वैक्सीन सब्सिडी में दी जाएगी या मुफ़्त में, इसके दिशा निर्देश नहीं दिए। आपको बात दें कि सर्वदलीय बैठक में पीएम मोदी ने वैक्सीन की कीमत के सवाल पर कहा कि इसकी कीमत का निधार्रण जन स्वास्थ्य को पहली प्राथमिकता मानते हुए किया जायेगा। इसके लिए केन्द्र सरकार राज्यों के साथ बात कर रही है और उनकी सलाह को भी इसमें तरजीह दी जाएगी। उन्होंने कहा कि दुनिया की नजर कम कीमत वाले सुरक्षित टीके पर है और इसलिए स्वाभाविक है कि पूरी दुनिया की नजर भारत पर भी है।

कोरोना टीके को लेकर जो विश्वास इस चर्चा में नजर आया है, वो कोरोना के खिलाफ हमारी लड़ाई को और मजबूत करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया में करीब आठ टीके विकसित किये जा रहे हैं और वे परीक्षण के अलग अलग चरणों में हैं। उनका विनिमार्ण भारत में होगा। भारत के तीन टीके भी परीक्षण के अलग अलग चरणों में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि टीका अब बहुत दूर नहीं है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकारों की टीमें टीके के वितरण के लिए निकट सहयोग से काम कर रहीं हैं। भारत के पास टीके के वितरण की क्षमता एवं विशेषज्ञता है। हमारे पास टीकाकरण का अनुभव तथा विश्व के सबसे बड़े नेटवर्कों में से एक नेटवर्क है।

राज्य सरकारों की मदद से शीत भंडारगृहों एवं अन्य टीकों को वहां से अलग अलग पहुंचाने की व्यवस्था का आकलन किया जा रहा है। टीके के भंडारण एवं वितरण की तात्कालिक स्थिति पर निगरानी के लिए एक विशेष सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है।

देश में 24 घंटे में कोरोना के 36,594 नए केस आए सामने

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस का कहर जारी है। देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 36,595 नए मामले सामने आए, जिसके बाद कुल मामलों की संख्या 95,71,559 हो गई। इसी दौरान इस वायरस से 540 मौतें हुई, जिसके बाद मौतों का आंकड़ा 1,39,188 तक पहुंच गया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। गुरुवार के मुकाबले शुक्रवार को भारत में कुल मामलों की संख्या में 3 फीसदी और मौतों की संख्या में 2.7 फीसदी की वृद्धि देखी गई। देश में फिलहाल कोरोना वायरस के 4,16,082 सक्रिय मरीज हैं, 90,16,289 मरीजों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई है। पिछले 24 घंटों में 42,916 मरीजों को देश के विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। देश में रिकवरी रेट 94.2 फीसदी, जबकि मृत्यु दर 1.45 फीसदी है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के मुताबिक, देश में एक दिन में 11,70,102 नमूनों की जांच की गई, जिसके बाद कुल नमूनों की जांच की संख्या

14,47,27,749 हो गई। महाराष्ट्र सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य बना हुआ है। यहां अब तक कोरोनावायरस के 18,37,358 मामले सामने आ चुके हैं और 47,472 मौतें हो चुकी हैं। राज्य में फिलहाल 85,535 सक्रिय मरीज हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के आंकड़ों के अनुसार, देश में 70 फीसदी मामले महाराष्ट्र, दिल्ली, केरल, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और छत्तीसगढ़ से दर्ज हुए हैं।

भाजपा ने औवैसी को दी मात 48 सीटों पर दर्ज की जीत

(विशेष संवाददाता)

हैदराबाद । हाईप्रोफाइल हैदराबाद नगर निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 48 सीटों पर जीत दर्ज करके **AIMIM** के गढ़ में औवैसी को मात दी है। वहीं, सत्तारूढ़ पार्टी टीआरएस शीर्ष पर रही है। इन चुनाव परिणामों में कांग्रेस का प्रदर्शन सबसे खराब रहा है। तेंलगाना प्रदेश अध्यक्ष ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। नगर निगम चुनाव के ताजा परिणामों के अनुसार एआइएमआइएम ने 44 सीटों पर जीत दर्ज की है और भाजपा ने 48 सीटों पर जीत दर्ज की है।

वहीं, टीआरएस 55 सीटों पर जीत दर्ज करके एक सीट पर बढ़त बनाए हुए है। शुरुआत में किसी ने यह कल्पना नहीं की थी कि भाजपा यहां इतना अच्छा परफॉर्म कर पाएगी। यहां तक कि एग्जिट पोल में भी टीआरएस को ही बढ़त दिखाई गई थी। लेकिन भाजपा को कहीं न कहीं कोई उम्मीद नजर आ रही थी, इसलिए पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। भारतीय जनता पार्टी की ओर से अमित शाह समेत कई बड़े नेताओं को प्रचार में उतारा था। भले ही यह चुनाव नगर निगम का हो लेकिन जितने जोश के साथ भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव प्रचार किया है, उसके बाद मुकाबला काफी दिलचस्प हो गया है। भाजपा ने चुनाव प्रचार के लिए हाईप्रोफाइल नेताओं को मैदान में उतारा। गृह मंत्री अमित शाह, यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के अलावा केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, प्रकाश जावड़ेकर, तेजस्वी सूर्या और देवेंद्र फडणवीस जैसे हाईप्रोफाइल नेताओं ने भी चुनाव प्रचार किया। पार्टी ने इन चुनावों के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इस बार ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम चुनाव में मतपत्रों का उपयोग किया गया था।

वहीं, कोरोना महामारी के कारण इस बार सिर्फ 35 फीसद ही मतदान हुआ। इन चुनावों में कुल 74 लाख से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 38,89,637 पुरुष वोटर और 35,76,941 महिला वोटर शामिल हैं। गौरतलब है कि इस बार चुनाव में, सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस), भारतीय जनता पार्टी और असदुद्दीन ओवैसी की एआइएमआइएम पार्टी मैदान में हैं।

चीन से तनाव के बीच 10 आकाश मिसाइलों का IAF ने किया सफल परीक्षण, हवा में ही कर देगा दुश्मनों की छुट्टी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । चीन से तनाव के बीच वायुसेना ने साबित किया है कि वो किस तरह से दुश्मन के ठिकानों को तबाह करने में सक्षम है। भारतीय वायुसेना ने 10 आकाश मिसाइलों का सफल परीक्षण किया है। आकाश एक मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रक्षा प्रणाली है, जिसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा विकसित किया गया है। आंध्र प्रदेश के सूर्यलंका टेस्टफायरिंग रेंज में पिछले हफ्ते जो टेस्ट किए गए थे वो अपने निशाने पर सटीक बैठे थे। जानकारी के मुताबिक अभ्यास के दौरान करीब दस मिसाइल दागी गईं और इनमें सभी ने अपने लक्ष्य को निशाना बनाया। टकराव की स्थिति में आकाश मिसाइल हवा में दुश्मन के विमान को निशाना बनाने में सक्षम है। आकाश मिसाइल को पूरी

तरह स्वदेशी और इसे महत्वपूर्ण सर्फेस टू एयर मिसाइल सिस्टम माना जाता है। इसमें बेहतरी लाने के लिए डीआरडीओ की तरफ से कड़ी मेहनत की जाती रही है। डीआरडीओ ने हाल में चल रहे तनाव के बीच कुछ खास बदलाव भी किए थे। इसे खासतौर जे 20 फिफ्ट जेनरेशन फाइटर मिसाइल के तौर पर अपग्रेड किया गया है। वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर मार्शल एचएस अरोड़ा ने मंगलवार को यह अभ्यास देखा। वायु योद्धाओं को संबोधित करते हुए भाग लेने वाले लड़ाकू स्क्वाड्रन को उनके कौशल के लिए शाबाशी दी। इस मिसाइल सिस्टम को दूसरे सिस्टम के साथ जोड़ा गया है ताकि दुश्मनों के फाइटर प्लेन पर आकस्मिक तौर पर हमला किया जा सके। बता दें, हाल ही में कैबिनेट कमेटी ऑन सेक्यूरिटी ने मिसाइल सिस्टम के लात स्क्वाड्रन के लिए वायुसेना को 55 सौ करोड़ रुपए देने का फैसला किया है।

मुस्लिमों को बहुविवाह की इजाजत देने वाले कानून को चुनौती, सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हुई याचिका

नई दिल्ली। मुसलमानों को बहुविवाह की इजाजत देने वाले कानूनी प्रावधानों को सुप्रीम कोर्ट मे चुनौती दी गई है। याचिका में मुसलमानों को बहुविवाह की इजाजत देने वाली मुस्लिम पर्सनल ला (शरीयत) अप्लीकेशन एक्ट 1937 की धारा 2 को रद करने की मांग की गई है। कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट बहुविवाह को अतार्किक, महिलाओं के साथ भेदभाव पूर्ण और अनुच्छेद 14 तथा 15(1) का उल्लंघन घोषित करे। याचिका में कहा गया है कि धर्म के आधार पर दंड के प्रावधान भिन्न नहीं हो सकते। वकील हरिशंकर जैन और विष्णु शंकर जैन के जरिए यह याचिका जनउद्घोष संस्थान और पांच महिलाओं ने दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि आइपीसी की धारा 494 कहती है कि अगर कोई व्यक्ति पति या पत्नी के जीवित रहते दूसरी शादी करता है तो वह शादी शून्य मानी जाएगी और ऐसी शादी करने वाले को सात साल तक की कैद और जुर्माने की सजा हो सकती है। इस धारा के मुताबिक पति पत्नी के जीवित रहते दूसरी शादी करना दंडनीय अपराध है और दूसरी शादी शून्य मानी जाती है। इसका मतलब है कि दूसरी शादी की मान्यता पर्सनल ला पर आधारित है। कहा गया है कि हिन्दू, ईसाई और पारसी कानून में बहुविवाह की इजाजत नहीं है जबकि मुसलमानों में चार शादियों तक की इजाजत है। कहा गया है कि अगर हिन्दू, ईसाई या पारसी जीवनसाथी के रहते दूसरी शादी करते हैं तो आईपीसी की धारा 494 में दंडनीय है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता अब भी 'बेहद खराब' श्रेणी में

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 04 दिसंबर । दिल्ली में शुक्रवार को भी वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में दर्ज की गई और इसमें सुधार के भी अभी कोई संकेत नहीं हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक सुबह नौ बजे 364 दर्ज किया गया। बृहस्पतिवार को शहर में 24 घंटे का औसत एक्यूआई 341 था। यह बुधवार को 373, मंगलवार को 367, सोमवार को 318 और रविवार को 268 था। एक्यूआई शून्य से 50 के बीच 'अच्छा', 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'सामान्य', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बेहद खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार

शुक्रवार को हवा की दिशा मुख्य रूप से पूर्व की ओर रहेगी और अधिकतम 10 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलेगी। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं अधिकतम तापमान के 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की अनुमान है। इस मौसम में न्यूनतम तापमान अधिकतर दिन बादल नहीं होने के कारण सामान्य से दो से तीन डिग्री कम ही रहा है। ठंडी हवाओं और कम तापमान के कारण प्रदूषक धरातल के निकट बने रहते हैं जबकि अनुकूल तेज हवाएं इन्हें छितरा कर अपने साथ उड़ा ले जाती हैं। केंद्र सरकार की दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली ने बताया कि वायु गुणवत्ता के शनिवार तक 'बेहद खराब' श्रेणी में बने रहने की आशंका है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 11 रन से हराया

चहल और नटराजन ने दिलाई शानदार जीत

(विशेष संवाददाता)

कैनबरा । भारत के पहले कन्कशन सब्स्टीट्यूट लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल (25 रन पर तीन विकेट) और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन (30 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी से टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टी20 मुकाबले में शुक्रवार को 11 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 10 की बढ़त बना ली। भारत ने सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल (51) रन की अर्धशतकीय पारी और रवींद्र जडेजा (नाबाद 44) रन की ताबड़तोड़ पारी की बदौलत 20 ओवर में सात विकेट पर 161 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया और ऑस्ट्रेलिया की चुनौती को सात विकेट पर 150 रन पर रोक दिया। भारत ने कैनबरा के मानुका ओवल मैदान में ऑस्ट्रेलिया को तीसरे और आखिरी वनडे में 13 रन से हराकर

वनडे सीरीज में अपना सम्मान बचाया था और इसी मैदान पर पहले टी20 मुकाबले में जीत के साथ टी 20 सीरीज की शानदार शुरुआत की। हालांकि दोनों टीम टी 20 सीरीज के आखिरी दोनों मैच खेलने अब सिडनी लौटेगीं जहां भारत ने पहले दो वनडे गंवाए थे। दूसरा और तीसरा टी 20 छह और आठ दिसम्बर को खेले जाएंगे। भारत ने राहुल के 40 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन और जडेजा के 23 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के के सहारे नाबाद 44 रन की तेज तर्रार पारी की बदौलत चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया जो अंत में मैच विजयी साबित हुआ। जडेजा ने सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक रन बनाने का पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का 38 रनों का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ा। जडेजा अपनी पारी के दौरान सिर में चोट लगने के कारण फील्डिंग करने नहीं उतरे और भारत ने कन्कशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर लेग स्पिनर चहल को लिया जिन्होंने मैच विजयी स्पैल डाला। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को मिशेल स्टार्क ने बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। शिखर ने छह गेंदों में एक रन बनाया। शिखर के बाद कप्तान विराट कोहली भी ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सके और नौ गेंदों में एक चौके की मदद से नौ रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

पीएम मोदी ने कहा- चंद हफ्ते दूर है वैक्सीन

देश ने सस्ते और सुरक्षित वैक्सीन पर जताया भरोसा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। कोरोना के खिलाफ लड़ाई के अंतिम चरण में पहुंचने का साथ ही जल्द ही इसके अंत की शुरूआत के साफ संकेत मिल लगे हैं। फरवरीमार्च में आशंका और डर भरे माहौल से दिसंबर के विश्वास और उम्मीदों से भरे वातावरण के बीच भारत की लंबी यात्रा को याद करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में आठ वैक्सीन ह्यूमन ट्रायल के विभिन्न फेज में है और विशेषज्ञों की हरी झंडी मिलते ही इस उपलब्ध करा दिया जाएगा। सर्वदलीय बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने विभिन्न दलों के नेताओं को भरोसा दिया कि राज्यों के साथ विचारविमर्श के बाद ही वैक्सीन की कीमत तय की जाएगी। कोरोना महामारी की शुरूआत के बाद प्रधानमंत्री ने दूसरी बार सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। बैठक में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित

शाह, स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन के साथ साथ कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी और गुलाम नवी आजाद, एनसीपी के शरद पवार, टीएमसी के सुदीप बंद्योपाध्याय और एसपी के राम गोपाल यादव समेत विभिन्न दलों के नेता मौजूद थे। बैठक में विभिन्न नेताओं ने कोरोना वैक्सीन की स्थिति, उसकी उपलब्धता, कीमत जैसे मुद्दों को उठाया। बाद में प्रधानमंत्री ने कहा कि वैक्सीन को लेकर जो विश्वास इस चर्चा में नजर आया है, वो कोरोना के खिलाफ हमारी लड़ाई को और मजबूत करेगा। मोडेरना और फाइजर का नाम लिए बगैर प्रधानमंत्री ने संकेत दिया कि भारत अपनी वैक्सीन पर ज्यादा भरोसा कर रहा है और उसके उपलब्ध होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। ध्यान देने की बात है कि ब्रिटेन ने फाइजर की वैक्सीन के उपयोग की अनुमति दे दी है और अगले हफ्ते से वहां यह लगने भी लगेगा, लेकिन प्रधानमंत्री के अनुसार वैक्सीन को लेकर पूरी दुनिया में हो रही तमाम चर्चाओं के बीच दुनिया की नजर कम कीमत वाली सबसे सुरक्षित वैक्सीन पर है और भारत इसमें पूरी तरह सक्षम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्यों के सहयोग के साथ लोगों को कम कीमत पर सस्ती वैक्सीन उपलब्ध कराया जाएगा और इसके लिए बातचीत चल रही है।

एक नजर

दिल्ली सरकार निजी स्कूलों की बकाया राशि जारी करेः बिधूड़ी

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दिल्ली सरकार से मांग की है कि वह राजधानी के निजी स्कूलों की बकाया राशि का भुगतान शीघ्र करे। बिधूड़ी ने कहा है कि इन स्कूलों को राशि नहीं मिलने से आर्थिक रूप से गरीब वर्ग (ईडब्ल्यूएस) से ताल्लुक रखने वाले लाखों बच्चों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। वहीं, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल पा रहा है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लिखे पत्र में बिधूड़ी ने कहा है कि विभिन्न निजी स्कूलों के प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों ने उनसे मिलकर उन्हें बताया कि निजी स्कूलों में ईडब्ल्यूएस के बच्चों के लिए आरक्षित 25 प्रतिशत सीटों के बदले दी जानेवाली राशि के भुगतान में दिल्ली सरकार देरी कर रही है। इससे गरीब बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है।

वजीराबादः बोरे में मिली युवती की अर्धनग्न लाश

नई दिल्ली । वजीराबाद थाना इलाके में एक अर्धनग्न युवती की बोरे में लाश मिली है। सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, पूछताछ जारी है। वजीराबाद थाना इलाके के गली नंबर12 में 25 गज के मकान का निर्माण कार्य चल रहा है। मकान मालिक सुबह जब मकान का काम कराने के लिए पहुंचा। देखा कि निर्माणाधीन मकान के अंदर एक बोरा रखा हुआ था, इसमें से हाथ बाहर निकल हुआ था। शक होने पर सूचना पुलिस को दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव के बारे में पता करने की कोशिश की, लेकिन शिनाख्त नहीं हो पाई। पुलिस युवती की पहचान के लिए आसपास के लोगों की मदद ले रही है। अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। बताया जा रहा है कि मृतका की उम्र करीब 25 वर्ष है। उसे पहले कभी इलाके में नहीं देखा गया। फिलहाल पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। वहीं, इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उससे पूछताछ के बाद ही साफ हो पाएगा कि युवती की हत्या किन कारणों से की गई।

पेट्रोल और डीजल के दाम लगातार बढ़े

नई दिल्ली । चीन की मांग में इजाफे से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सुर्खी से सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी की है। आज देश के चार बड़े महानगरों में डीजल में 21 से 24 पैसे और पेट्रोल दाम 17 से 20 पैसे प्रति लीटर तक बढ़े हैं। दिल्ली में आज डीजल के दाम 23 पैसे बढ़कर 73 रुपये प्रति लीटर से ऊपर निकल गये। अगस्त के बाद डीजल की कीमत फिर 73 रुपये प्रति लीटर के पार गई है। पेट्रोल के दाम में 20 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। दोनों ईंधन के दाम आज यहां क्रमशः 82.86 रुपये और डीजल 73.07 रुपये प्रति लीटर हो गये। तेल विपणन कंपनियों ने पिछले एक पखवाड़े के दौरान 12 बार में पेट्रोल के दाम 1.80 रुपये प्रति लीटर बढ़ाये है। डीजल भी 2.61 रुपये महंगा हुआ है वाणिज्यिक नगरी मुंबई में पेट्रोल 19 पैसे बढ़कर 89.52 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 24 पैसे बढ़कर 79.66 रुपये प्रति लीटर हो गया। कोलकाता में पेट्रोल के भाव 19 पैसे बढ़कर 84.37 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 23 पैसे बढ़कर 76.64 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। चेन्नई में पेट्रोल के दाम 17 पैसे बढ़कर 85.76 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 21 पैसे बढ़कर 78.45 रुपये प्रति लीटर पहुंच गए।

आम आदमी पार्टी पूरी तरह से किसानों के साथ

हम किसानों की सेवा के लिए 24 घंटे उपलब्ध हैं: सतेंद्र जैन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 04 दिसम्बर । दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन आज सिंघु बॉर्डर पहुंचे और कृषि बिल के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए पंजाब व हरियाणा से आए हुए किसानों से मुलाकात की। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने किसानों के लिए किए गए बुनियादी जरूरतों के इंतजामों का जायजा लिया। स्वास्थ्य मंत्री ने सत्ताधारी केंद्र की भाजपा सरकार से परेशान किसानों को आश्वासन दिया है कि दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार उनकी हर तरह से सहायता करेगी और उनके आंदोलन में दिल्ली सरकार का पूरा सहयोग है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार की ओर से पीने के पानी, खाना और मोबाइल शौचालय की व्यवस्था कर दी गई है। उन्होंने कहा कि किसानों की परेशानी कम करने के लिए दैनिक आवश्यकता वाली सभी सुविधाएं मुहैया कराई गई है। साथ ही स्वास्थ्य आपदा को ध्यान में रखते हुए डॉक्टर्स की टीम और एंबुलेंस का विशेष प्रबंध किया गया है, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति से निपटने में आसानी हो।

स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन ने बताया कि दिल्ली सरकार हर वह प्रयास कर रही है, जिससे किसानों को सुविधा मिल सके और उन्हें अपने इस आंदोलन को जारी रखने में कम से कम तकलीफ हो। उन्होंने बताया कि हमारे किसान भाई जो अपने घर परिवार से 400-500 किलोमीटर दूर, कड़ाके की ठंड में अपनी तकलीफ बताने के लिए यहां तक आए हैं, वे यहां धरने पर बैठकर बहुत खुश नहीं है, उन्हें परेशान किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन ने कहा कि यह बीजेपी और पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की मिलीभगत है। वह दोनों मिलकर किसान भाइयों को परेशान कर रहे हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह के पास इन कानूनों को रोकने के लिए कई बार मौके आए थे, लेकिन उन्होंने कभी इसका विरोध नहीं किया, जबकि वे कमेटी के सदस्य भी थे। कैप्टन ने भाजपा की केंद्र सरकार के साथ मिलकर यह कानून बनाया है। सतेंद्र जैन ने कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह चुपचाप दिल्ली आए और अमित शाह से मिलकर चले गए।

उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री हो या देश के गृहमंत्री, किसानों की सामस्याओं को लेकर उनके बीच जो भी बात होती है, उसे किसानों के सामने रखनी चाहिए थी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अगर कैप्टन जी किसानों के हितैषी होते तो, वे सिर्फ अमित शाह से मिलकर वापस नहीं चले जाते, बल्कि यहां किसानों के साथ धरना स्थल पर आ कर उनकी बात सुनते। जैन ने कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह का इस तरह से किसानों से बिना मिले चले जाना, उनकी मंशा को बताता है कि वह किसानों के साथ नहीं हैं और इससे यह साफ हो जाता है कि पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन और बीजेपी आपस में मिले हुए हैं।

सतेंद्र जैन ने कहा कि दिल्ली और दिल्ली के लोगों को किसानों और किसान के इस आंदोलन से कोई दिक्कत नहीं है। मंत्री ने कहा कि जो लोग दिक्कत होने की बात कर रहे हैं, उनको सोचना चाहिए कि हमारे किसान भाई अपने घर, खेत खलिहान छोड़ कर 500 किलोमीटर दूर यहां आए हैं और इस ठंड में सिर पर बिना छत के बैठे हुए है। यहां आए सभी किसान हमारे मेहमान हैं, हम उनका स्वागत करते हैं।

दिल्ली की केजरीवाल सरकार की तरफ से किसानों को मुहैया कराई जा रही सुविधा के बारे में बताते हुए मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने धरना स्थल पर किसानों के लिए 300 से ज्यादा टॉयलेट की व्यवस्था की है। साथ ही, 40 से ज्यादा पानी के टैंकर भी यहां पर है। उन्होंने कहा कि हम कोशिश कर रहे हैं कि यहां पर फायर और वाटर प्रूफ टेंट की व्यवस्था बढ़ाई जा सके, जिससे लोगों को और सुविधा मिले।

स्वाति मालीवाल ने बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत को लिया आड़े हाथ

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों अपने ट्वीटस को लेकर खूब ट्रोल हो रही हैं। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने भी अभिनेत्री को आड़े हाथ लिया है। स्वाति ने अपने ट्वीटर अकाउंट से कंगना पर करारे कटाक्ष किए हैं। बता दें कि कंगना ने किसान आंदोलन में शामिल एक बुजुर्ग महिला किसान को शाहीन बाग वाली दादी करार दे दिया था। इसके बाद वह ट्रोल हो गई थीं, बाद में अभिनेत्री को सफाई भी देनी पड़ी। स्वाति मालीवाल ने अपने ट्वीट में लिखा, असली शेरनी देखनी है ना? ऐसी दिखती है असली शेरनी, इस देश की करोड़ों महिलाएं शेरनियां हैं। गंदी भाषा में अभद्रता करके कोई शेरनी नहीं कहलाता। अपने दूसरे ट्वीट में स्वाति लिखती हैं, खुद बंदूकधारी Y security में चलती हो और खुद को शेरनी समझती हो? हिम्मत है तो एक दिन खेत में काम करके देखो,

एक दिन आम लड़की की तरह बिना सुरक्षा के घूमो, एक दिन गरीब मज़दूर की तरह दिन भर बोझा ढोने के बाद घर का काम करके दिखाओ। खुद क्या हो जो दादी की उम्र की महिला को बिकाऊ बताती हो? अपने एक और ट्वीट में दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष लिखती हैं, चंद फ़िल्में करके दिन भर ट्विटर पर गंदगी फैलाके खुद को बब्बर शेरनी और झाँसी की रानी समझने वाली @KanganaTeam, इस देश की असली शेरनी इस देश की मेहनतकश महिलाएँ हैं जो किसानी कर देश का पेट भरती हैं, सीमाओं पर देश की रक्षा करती हैं। Y security लेके हवाबाज़ी करने से कुछ नहीं होता!

कोरोना वैक्सीन मिलने पर कुछ ही हफ्तों में पूरी दिल्ली को लगाने की है क्षमताः सत्येंद्र जैन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार दावा कर रही है कि जैसे ही वैक्सीन उन्हें मिल जाती है तो उनके पास इतनी क्षमता है कि कुछ ही हफ्तों में वो पूरी दिल्ली को कोरोना का टीका लगा सकते है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा है कि हमारे पास मुहल्ला क्लीनिक, पॉलीक्लिनिक्स, औषधालय, अस्पताल के माध्यम से कुछ हफ्तों में दिल्ली की आबादी का टीकाकरण करने की क्षमता है। बताया जा रहा है कि दिल्ली सरकार ने वैक्सीन आने से पहले ही उसे लगाने की अपनी तैयारी लगभग पूरी कर ली है। राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में वैक्सीन का भंडारण होगा। वहीं मोहल्ला क्लीनिक से लेकर पॉलीक्लीनिक तक में इसका टीकाकरण किया जाएगा। दिल्ली में 2 करोड़ की आबादी बसती है, ऐसे में यहां पहले चरण में लगभग 50 लाख लोगों को कोरोना का टीका लगाया जाएगा। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग से

मिली जानकारी के अनुसार यहां सब कुछ मिलाकर करीब 745 चिकित्सा केंद्र हैं, जहां पर एक दिन में करीब 10 लाख लोगों को टीका लगाया जा सकता है। केंद्र सरकार का मानना है कि सभी लोगों को कोरोना वैक्सीन की जरूरत नहीं है, वहीं इसके उलट दिल्ली सरकार वैक्सीन आने के बाद सभी लोगों को इसे देना चाहती है। सरकार का कहना है कि वैक्सीन आने के 23 सप्ताह के भीतर ही पूरी दिल्ली को कोरोना का टीका लगा दिया जाएगा। ऐसा इसलिए संभव हो पाएगा क्योंकि दिल्ली के पास एक मजबूत चिकित्सकीय ढांचा है। यहां पर्याप्त मात्रा में चिकित्सा केंद्र है। वहीं टीकाकरण के काम में दिल्ली सरकार के कर्मचारियों के साथसाथ आशा, एएनएम, नगर निगम और आंगनबाड़ी कर्मचारियों को भी लगाया जा सकता है। गुरुवार को 3734 नए केस सामने आने के बाद यहां संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 5,82,058 हो गई है। कोरोना के कुल मामलों में सक्रिय मामलों की संख्या 29,120 है। वहीं 5,43,514 लोग कोरोना को मात देकर ठीक हो चुके हैं। यहां अब तक 9,424 लोगों की जान जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन ने दिल्लीवालों को वैक्सिन का जवाब देते हुए कहा कि जैसे ही वैक्सिन आएगी, हम इसे कुछ ही हफ्तों में सभी दिल्लीवासी तक पहुंचा देंगे। हमारे पास सभी जरूरी साधन मौजूद है, हम उन सभी साधनों का कोरोना के टीकाकरण के लिए इस्तेमाल करेंगे।

कोरोनाः स्कूली छात्रों की मदद के लिए आगे आई कई संस्थाएं, स्मार्टफोन भी कराया मुहैया

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (वेबवार्ता)। कोरोना महामारी के चलते शैक्षणिक संस्थान बंद हैं और छात्रों की ऑनलाइन मोड से पढ़ाई चल रही है। ऐसे में कई छात्र ऐसे हैं जो आर्थिक परेशानी के चलते न ही सीबीएसई की फीस दे पा रहे थे और न ही उनके पास ऑनलाइन क्लास लेने के लिए तकनीकी संसाधन मौजूद है।

ऐसे में आर्थिक परेशानी उठा रहे इन छात्रों की मदद के लिए कई संस्थाएं आगे आ रही हैं। इसी कड़ी में दिल्ली के लाजपत नगर में स्थित शहीद हेमू कलानी सर्वोदय बाल विद्यालय, लाजपत नगर के जरूरतमंद छात्रों की सीबीएसई फीस और उन्हें ऑनलाइन क्लास लेने के लिए तकनीकी साधन मुहैया कराने के लिए आरडब्ल्यू लाजपत नगर 3 और कई सामाजिक कार्यकर्ता आगे आए हैं। वहीं शहीद हेमू कलानी सर्वोदय बाल विद्यालय के प्रिंसिपल बृजेश शर्मा ने सभी मददकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि सभी के सहयोग से फंड इकट्ठा कर करीब 70 जरूरतमंद छात्रों की सीबीएसई फीस दे दी गई है और कई छात्रों को स्मार्टफोन भी दिए जा रहे हैं। बता दें कि इस सत्र दिल्ली सरकार द्वारा सरकारी स्कूल में पढ़ रहे 10वीं और 12वीं के छात्रों की सीबीएसई फीस न दिए जाने से छात्रों पर पूरी फीस का बोझ आ गया। वहीं कोरोना महामारी के चलते उनकी आर्थिक स्थिति भी दयनीय हो गई। ऐसे में सीबीएसई की फीस जमा करना उनके लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। इसको लेकर दिल्ली के लाजपत नगर में स्थित शहीद हेमू कलानी सर्वोदय बाल विद्यालय स्कूल प्रशासन ने सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

दिल्ली में सब्जियों, फलों की आवक में सुधार से कीमतों में भी नरमी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 04 दिसंबर । किसान आंदोलन के कारण दिल्ली में प्रवेश करने वाले कई मार्ग बंद होने के बावजूद शुक्रवार को फलों और सब्जियों की आवक में वृद्धि दर्ज की गई। देश की राजधानी में सब्जियों और फलों की आवक में सुधार होने से कीमतों में नरमी आई है, हालांकि आलू के थोक भाव में थोड़ी तेजी दर्ज की गई, जबकि प्याज के दाम में गिरावट आई है। गोभी, पालक, मटर समेत तमाम मौसमी हरीशाकसब्जियों के दाम घटे हैं जबकि भिंडी, तोरई, लौकी जैसी ऑफसीजन की सब्जियों की कीमतें बढ़ी हुई हैं। दिल्ली की सीमाओं पर 26 नवंबर से किसानों का प्रदर्शन चल रहा है। शुरू में किसान आंदोलन के चलते फलों और सब्जियों की आवक घट गई थी, मगर अब सुधार देखा जा रहा है।

आजादपुर मंडी एपीएमसी की शुक्रवार की रिपोर्ट के अनुसार, मंडी में आलू की आवक 1,067.5 टन थी, जबकि एक दिन पहले मंडी में आलू की आवक 736.2 टन तक थी। इसी प्रकार प्याज की आवक 1,068 टन दर्ज की गई, जबकि एक दिन पहले 991.3 टन थी। टमाटर की आवक 491.6 टन रही जोकि एक दिन पहले 456.8 टन थी। आजादपुर मंडी के कारोबारी व पोटैटो एंड अनियन मर्चेंट एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी राजेंद्र शर्मा ने कहा कि फलों और सब्जियों की गाड़ियां उन मार्गों से आने लगी हैं जो खुले हुए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की सीमाएं हरियाणा और उत्तर प्रदेश से लगी हुई हैं और इन सीमाओं पर कई मार्ग खुले हैं, इसलिए अब सब्जियों की आवक की समस्या नहीं है। उन्होंने बताया कि आलू का थोक भाव घटकर 20 से 27 रुपये प्रति किलो, जबकि प्याज का भाव 15 रुपये से 35 रुपये प्रति किलो है।

सुप्रीम कोर्ट ने लॉटरी, सट्टेबाजी, जुए पर GST लगाने को सही ठहराया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एक अहम फैसले में लॉटरी, जुआ और शर्त के खेल पर माल एवं सेवाकर (जीएसटी) की वसूली को सही करार दिया। न्यायालय ने कहा कि यह संविधान के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं करता और ना ही प्रतिकूल भेदभाव करता है। जस्टिस अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्किल लोटो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की याचिका को खारिज करते हुए केंद्रीय जीएसटी अधिनियम2017 के तहत सरकार को लॉटरी पर कर लगाने के लिए सशक्त बनाने वाले प्रावधान को बरकरार रखा।

इस पीठ में जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी और एम. आर. शाह भी शामिल हैं। कंपनी ने अपनी याचिका में केंद्रीय जीएसटी कानून की धारा2(52) के तहत माल की स्पष्ट व्याख्या करने की मांग की थी। साथ ही लॉटरी पर कर लगाने के संदर्भ में जारी की गयी अधिसूचनाओं पर भी स्पष्टीकरण देने का आग्रह किया था। कंपनी ने अपनी याचिका में इसे संविधान के तहत व्यापार करने और समानता के अधिकार के संदर्भ में विभेदकारी और उल्लंघन करने वाला बताने की घोषणा करने की मांग की थी। न्यायालय ने कहा, '' अधिनियम की धारा2(52) के तहत माल की परिभाषा संविधान के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन नहीं करती। ना ही यह अनुच्छेद 366(12) के तहत माल की परिभाषा से टकराव पैदा करती है। अनुच्छेद366 के 12वें उपखंड के तहत बतायी गयी माल की परिभाषा में धारा2(52) की परिभाषा निहित है।'' पीठ ने कहा, ''संसद के पास माल एवं सेवाकर के संदर्भ में कानून बनाने की पूरी शक्ति है।''

वर्क फ्रॉम होम पर आप की सरकार का नया फरमान

अफसरों को दिल्ली न छोड़ने और वॉट्सऐप पर उपलब्ध रहने का निर्देश

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने घर से काम कर रहे अपने अधिकारियों को फोन और वॉट्सऐप पर उपलब्ध रहने तथा बिना पूर्व अनुमति के शहर से बाहर नहीं जाने का निर्देश दिया है। कोरोना संक्रमण के मामलों में हुई वृद्धि के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने गैर जरूरी सेवाएं देने वाले 50 प्रतिशत कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति दी है, जिसके बाद महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक कल्याण विभाग की ओर से यह आदेश जारी किया गया है।

आदेश में कहा गया है कि घर से काम करने की अनुमति पा चुके अधिकारी जरूरत के समय फोन, वॉट्सऐप और ईमेल पर उपलब्ध रहें। घर से काम कर रहे किसी भी अधिकारी को जरूरत पड़ने पर किसी भी समय ऑफिस बुलाया जा सकता है।

आदेश में यह भी कहा गया है कि घर से काम कर रहे अधिकारी संबंधित प्राधिकरण की लिखित पूर्वानुमति के बिना शहर से बाहर न जाएं और आकस्मिक परिस्थितियों में बाहर जाने से पहले संबंधित अधिकारी को सूचित करें। विभागों ने कहा कि यह व्यवस्था 31 दिसंबर अथवा अगले आदेश तक बनी रहेगी। दिल्ली में कोरोना की थर्ड वेव का असर पहले के मुकाबले अब कम होता दिख रहा है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली में अब पॉजिटिविटी रेट 5% से कम हो गया है। आज दिल्ली में 12,000 से ज्यादा बेड और 2,013 ICU बेड खाली है। इसके साथ ही सत्येंद्र जैन ने कहा कि दिल्ली कोविड 19 टीकाकरण कार्यक्रम के लिए पूरी तरह तैयार है, जब भी हमें टीके प्रदान किए जाएंगे तो हम मोहल्ला क्लीनिक, पॉलीक्लिनिक्स, डिस्पेंसरियों और अस्पतालों के माध्यम से कुछ हफ्तों में दिल्ली की पूरी आबादी का टीकाकरण करने सक्षम हैं। इससे पहले बीते माह दिल्ली के टीकाकरण अधिकारी सुरेश सेठ ने कहा था कि कोविड19 टीकाकरण कार्यक्रम में अगर अस्पताल के कर्मचारियों और नर्सों को भी शामिल कर लिया जाए तो एक महीने में समूची आबादी का टीकाकरण हो सकता है।

RBI ने बैंकों को मुनाफा अपने पास रखने और लाभांश नहीं देने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने कोरोना वायरस महामारी के कारण आये आर्थिक व्यवधान को देखते हुए वाणिज्यिक बैंकों और सहकारी बैंकों से शुक्रवार को कहा कि वे मार्च 2020 में समाप्त हुए वित्त वर्ष का मुनाफा अपने पास रखें। रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंकों को 201920 के लिये लाभांश का भुगतान करने की जरूरत नहीं है। केंद्रीय बैंक ने महामारी के चलते कायम दबाव तथा बढ़ी अनिश्चितता का हवाला देते हुए कहा कि ऐसे समय में अर्थव्यवस्था को सहारा देने और कोई हानि होने की स्थिति में उसे संभाल लेने के लिये बैंकों के द्वारा पूंजी को संरक्षित रखना जरूरी है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि महामारी की प्रतिक्रिया में केंद्रीय बैंक ने कर्जदारों के बीच दिक्कतों का समाधान करने और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करते हुए अर्थव्यवस्था में ऋण का प्रवाह बनाये रखने पर ध्यान दिया है। उन्होंने कहा, ''इस प्रयास को आगे बढ़ाते हुए तथा नये कर्ज वितरण की गुंजाइश बनाते हुए बैंकों को पूंजी संरक्षण में मदद करने के लिये एक समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया है कि वाणिज्यक व सहकारी बैंक वित्त वर्ष 201920 के लिये लाभ अपने पास ही रखेंगे और वे किसी प्रकार का लाभांश नहीं देंगे।'' रिजर्व बैंक ने अप्रैल में कहा था कि विनियमित वाणिज्यिक बैंक और सहकारी बैंक 31 मार्च 2020 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिये अगले आदेश तक लाभ से किसी तरह के लाभांश का भुगतान नहीं करेंगे।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी वेब वार्ता
पल-पल की ख़बर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

जासूसी मामलाः पत्रकार राजीव शर्मा को सशर्त मिली जमानत

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने चीन को खुफिया सूचनाएं देने के आरोप में गिरफ्तार स्वतंत्र पत्रकार राजीव शर्मा को सशर्त जमानत प्रदान कर दी। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि पुलिस 60 दिन में आरोपपत्र दायर नहीं कर सकी। ऐसे में आरोपी जमानत पाने का हकदार है। अदालत ने पुलिस के उस तर्क को खारिज कर दिया कि आरोपी पर गंभीर आरोप है और मामले में 10 वर्ष से अधिक की सजा का प्रावधान है।

ऐसे में आरोप पत्र 90 दिन में दायर किया जा सकता है। न्यायमूर्ति योगेश खन्ना ने अपने फैसले में कहा कि आरोपी पर जिन धाराओं में मामला दर्ज किया गया है उसमें सजा 14 वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है लेकिन न्यूनतम सजा का कोई उल्लेख नहीं है। अदालत ने कहा ऐसे में आरोपपत्र 60 दिन में दायर किया जाना चाहिए था और ट्रायल कोर्ट ने याची के आवेदन को खारिज कर गलत निर्णय दिया है। अदालत ने आरोपी की जमानत एक लाख रुपये के निजी मुचलके व एक अन्य जमानत राशि पर स्वीकार कर ली। अदालत ने याची को निर्देश दिया कि वह संबंधित थानाध्यक्ष को अपना संपर्क नंबर / पता प्रदान करे। साथ ही वह अपने मोबाइल में अपना लोकेशन एप हर समय खुला रखेगा और अनुमति प्राप्त किए बिना दिल्लीएनसीआर को नहीं छोड़ेगा। पुलिस के मुताबिक इस मामले में चीनी महिला और उसके नेपाली सहयोगी को भी गिरफ्तार किया गया था।

किसानों के सम्मान में सेवा दल मैदान में- सुनील कुमार

नई दिल्ली । आंदोलनकारी किसानो की सेवा में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस सेवा दल की पूरी टीम प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार के नेत्रत्व में कांग्रेस रसोई के माध्यम से जुटी है। और उनकी जरूरत की तमाम वस्तुएं उपलब्ध कराई जा रहीं है। चाय नाश्ते से ले अन्य आवश्यक सामान किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस सेवादल सोशल मिडिया विभाग के प्रमुख इलियास खान बोबी नें बताया अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल जी देसाई के आदेश अनुसार व दिल्ली एनसीआर प्रभारी दिनेश कौशिक प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार राजवीर सिंह व महिला अध्यक्ष राजकुमारी गुप्ता और सेवा दल की पूरी दिल्ली की टीम बुराड़ी मैदान में उपस्थित रही।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष सुनील कुमार के नेतृत्व में बुराड़ी ग्राउंड पर अन्नदाताकिसानों की सेवा में कांग्रेस की रसोई लगातार जारी रही। दिल्ली सेवा दल के यंग युवा व वरिष्ठ और महिला टीम कांग्रेस सेवा दल साथियों के साथ सुविधाओं का जायजा लिया और जल्द ही कम्बलों का इंतजाम कराया जायगा। सुनील कुमार नें कहा विपरीत परिस्थितियों में देश के हक की लड़ाई लड़ रहे अन्नदाताओं का साथ देना और हर सम्भव मदद करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा किसानों के सम्मान में सेवा दल मैदान में हैं।

दिल्ली सरकार ने मजदूरों का महंगाई भत्ता बढ़ाया

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाई

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली, 04 दिसंबर । उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आज दिल्ली के अकुशल, अर्द्धकुशल और अन्य श्रमिकों का महंगाई भत्ता बढ़ाने का आदेश जारी किया है।

उन्होंने कहा है कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने अपनी मजदूरपरस्त नीतियों के तहत यह कदम उठाया है। सिसोदिया के अनुसार गरीब और मजदूर वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए कोरोना महामारी के दौर में यह बड़ा कदम उठाया गया है। इसका लाभ लिपिक और सुपरवाइजर किस्म के कर्मचारियों को भी मिलेगा।उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने

अर्थव्यवस्था पर कोविड19 के प्रभाव के कारण नियमित सरकारी कर्मचारियों के लिए जनवरी से जून 2020 तक महंगाई भत्ते के अंक जोड़ने पर रोक लगा रखी है। सिसोदिया ने कहा असंगठित क्षेत्र के ऐसे श्रमिकों के महंगाई भत्ते पर रोक नहीं लगाई जा सकती, जिन्हें सामान्यतः केवल न्यूनतम मजदूरी मिलती है। खासकर कोरोना संकट के दौरान ऐसा करना मजदूरों के हित में नहीं है। इसीलिए दिल्ली सरकार ने महंगाई भत्ते जोड़कर नया न्यूनतम वेतन की घोषणा की है। यह दरें 01.10.2020 से लागू होंगी। सिसोदिया ने बढ़ी हुई दर से सभी श्रमिकों और कर्मचारियों को भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। अकुशल मजदूरों के लिए मासिक 15,492 रुपये (दैनिक 596 रु.), अर्द्धकुशल श्रमिकों के लिए मासिक 17,069 रुपये (दैनिक 657 रु.) तथा कुशल श्रमिकों के लिए मासिक 18,797 रुपये (दैनिक 723 रु.) तय की गई है।

इसके अलावा, लिपिक और सुपरवाइजर किस्म के कर्मचारियों की भी न्यूनतम मजदूरी की दरें बढ़ाई गई हैं। इनमें गैर मैट्रिक को मासिक 17,069 रुपये (दैनिक 657 रु.), मैट्रिक से गैरस्नातक तक को मासिक 18,797 रुपये (दैनिक 723 रु.) तथा स्नातक और उससे अधिक शैक्षणिक योग्यता वाले को मासिक 20,430 रूपये (दैनिक 786 रु.) मिलेंगे। सिसोदिया ने कहा कि औसत अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक संख्या के समायोजन के बाद श्रम विभाग द्वारा महंगाई भत्ता का निर्धारण किया जाता है। इसे हर दो बार अप्रैल और अक्टूबर में संशोधित किया जाता है। सिसोदिया ने कहा कि कोरोना से उत्पन्न आर्थिक मंदी के कारण इस साल अप्रैल में महंगाई भत्ते को संशोधित नहीं किया जा सका।

सीबीआई ने बीजेपी निगम पार्षद को घूस लेते किया गिरफ्तार, पार्टी ने किया सस्पेंड

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (वेबवार्ता)। बीजेपी निगम पार्षद मनोज महलावत को सीबीआई ने ₹5 लाख घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जिसकी पुष्टि अब सीबीआई ने कर दी है।

जहां बीजेपी लगातार भ्रष्टाचार मिटाओ की बात करती है तो वहीं बीजेपी का एक निगम पार्षद घूस लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। हालांकि पार्टी ने इस मामले के सामने के बाद मनोज महलावत को पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

मनोज महलावत दिल्ली के वसंत कुंज से भाजपा के टिकट से निगम पार्षद चुने गए हैं। मनोज पर कंस्ट्रक्शन मामले में घूस लेने का आरोप है। दिल्ली स्थित रॉउज एवेन्यू कोर्ट में थोड़ी देर के बाद आरोपी को पेश किया जाएगा। सूत्र बताते हैं कि पूछताछ में बीजेपी निगम पार्षद मनोज महलावत और भी कई बड़े बड़े खुलासे कर सकते हैं। क्योंकि जिस तरीके से वसंत कुंज में निर्माण कार्य हो रहा है उसमें अवैध निर्माण करवाने के कई आरोप बीजेपी निगम पार्षद मनोज मेहलावत पर लगा है।

कपिल मिश्रा ने लिखा राष्ट्रपति को पत्र, कहा- केजरीवाल सरकार बैनर लगाकर दिल्ली में बुला रही भीड़

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । दिल्ली में नए कृषि कानूनों के खिलाफ एक ओर जहां किसान आंदोलनरत हैं तो वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल केंद्र की मोदी सरकार को घेर रहे हैं। ऐसे में केंद्र का बचाव करते हुए दिल्ली बीजेपी के नेता कपिल मिश्रा ने केजरीवाल सरकार पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति को पत्र लिखा है। राष्ट्रपति को लोंखे अपने पत्र में कपिल मिश्रा ने कहा है कि कई राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता दिल्ली को बंधक बना रहे हैं। दिल्ली के लिए आवश्यक सब्जी, दूध, फलों, ऑक्सीजन सिलेंडर, दवाओं की स्पालई इत्यादि को प्रभावित किया जा रहा है। कोरोना महामारी के इस दौर में सुप्रीम कोर्ट के तमाम आदेशों का उल्लंघन करके दिल्ली में जगहजगह भीड़ एकत्र की जा रही है। ये सीधे सीधे हम दिल्ली वालों के बुजुर्ग माता पिता औओर छोटेछोटे बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ की स्थिति है। कपिल मिश्रा ने अपने पत्र में लिखा है कि छठ के महापर्व में भी हम दिल्ली वालों ने संयम का परिचय दिया। सरकारी दिशा निर्देशों का पालन किया। लेकिन आज दिल्ली को चारों तरफ से बंद कर दिया गया है। शहर में बिना किसी टेस्टिंग के लोगों

की भीड़ इकट्ठा की जा रही है। दिल्ली सरकार को आड़े हाथों लेते हुए मिश्रा ने लिखा है कि दुखद तथ्य ये है कि हमारी दिल्ली की चुनी हुई सरकार ही दिल्ली वासियों के जीवन को सस्ता समझकर बैठी है और जगहजगह होर्डिंग पोस्टर बैनर लगाकर भीड़ को सरकार के लोगों द्वारा दिल्ली बुलाया जा रहा है। इस साल की शुरुआत में दिल्ली में संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ हुए प्रदर्शनों को लेकर मिश्रा ने लिखा है कि दिल्ली में इस प्रकार का प्रदर्शन कोई पहली बार नहीं हो रहा है। इससे पहले शाहीन बाग में भी सड़क घेरकर कई महीनों तक लोग धरने पर बैठे थे। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रकार सड़क बंद करने को गैर कानूनी घोषित किया था। अपने पत्र में दिल्लीवासियों के मौलिक अधिकारों की ओर राष्ट्रपति का ध्यान आकर्षित करते हुए कपिल मिश्रा ने लिखा है कि हम दिल्ली वालों का जीवन भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना किसी भी अन्य राज्य के नागरिकों का। हमारे मुल अधिकारों को भी संविधान का उतना ही संरक्षण प्राप्त है जितना किसी भी अन्य राज्य के नागरिकों को। कपिल मिश्रा ने राष्ट्रपति से निवेदन किया है कि राष्ट्रीय राजधानी के निवासियों की जिंदगी को इस प्रकार मौत के मुंब में बारबार फेंके जाने के खिलाफ ठोस और निर्णायक निर्णय लीजिए।

हिट एंड रन मामले में आरोपी गिफ्तार, एक कार बरामद

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्व जिला के साकेत थाने की पुलिस ने हिंट एंड रन के मामले में एक आरोपी कार चालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक कार जब्त की गई है। आरोपी की पहचान पंकज सुधाकर के रूप में की गई है। जो दिल्ली का रहने वाला है। बता दें कि घटना 17 नवंबर की है। जहां तेज रफ्तार कार ने एक महिला का एक्सीडेंट कर दिया। जिसके बाद कार चालक मौके से फरार हो गया, घायल महिला को एम्स में भर्ती कराया गया जहां पर इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक गुड़गांव में एक्सीस बैंक में काम करती थी और वह लाडो सराय में पीजी में रह रही थी। साकेत पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ हिट एंड रन का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। गंभीरता को देखते हुए एसीपी रजनीश ने साकेत थाने के एसएचओ अनिल मलिक के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया जिसमें एसआई विक्रम सिंह एसआई अमन कॉन्स्टेबल विनोद को शामिल किया गया। टीम ने जांच करते हुए मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों को स्कैन किया।

रोग से हर इंसान की सुरक्षा के लिए दिल्ली सरकार कृतसंकल्प

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 04 दिसंबर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा है कि हेपेटाइटिस के खतरे से हर दिल्लीवासी की सुरक्षा के लिए दिल्ली सरकार कृतसंकल्प है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौर में हमें स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक होना पड़ेगा। सिसोदिया ने स्कूलों के नए पाठ्यक्रम में स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हमें भौतिक और आर्थिक विषयों के साथ ही अपने शरीर और मन पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है। दिल्ली सचिवालय में आज हेपेटाइटिस दिवस का ईसमारोह का आयोजन हुआ। इसमें विभिन्न अस्पतालों के डॉक्टर्स और मेडिकल स्टाफ के अलावा 31 स्कूलों के 700 बच्चों ने ऑनलाइन हिस्सा लिया। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से इंस्टिट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलियरी साइंसेस ने यह आयोजन किया। आईएलबीएस के वसंत कुंज स्थित परिसर के स्टाफ भी इस ईसमारोह में शामिल हुए। सिसोदिया ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और आईएलबीएस की टीम ने 23

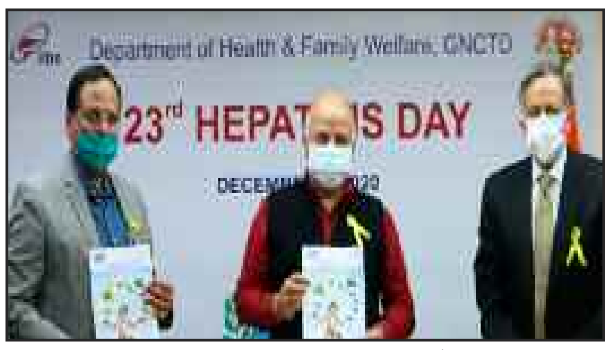

साल से हेपेटाइटिस के खिलाफ जोरदार लड़ाई चलाई है। इसके लिए मेडिकल साइंस संबंधी महत्वपूर्ण कार्यों के साथ स्कूलों में जागरूकता के जरिये एक मिशन के रूप में अभियान चलाया है। इसके कारण काफी लोगों की जिंदगी बचाने में सफलता मिली है। ईसमारोह में स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि लीवर हमारे शरीर का प्रमुख अंग है। लेकिन खानपान में लापरवाही से लीवर खराब होता है जो अन्य बड़े रोगों का कारण है। जैन ने दुनिया का पहला प्लाज्मा बैंक स्थापित करने के लिए आईएलबीएस टीम को बधाई दी। कार्यक्रम में दिल्ली के मुख्य सचिव विजय कुमार देव, स्वास्थ्य एवं वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार, परिवार कल्याण निदेशक डॉ. मोनिका राणा तथा आईएलबीएस के निदेशक एसके सुरीन भी शामिल हुए।

विश्वस्तरीय कौशल केंद्र का निर्माण कार्य रुका, जल्द शुरू कराने की मांग

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (वेबवार्ता)। दक्षिण दिल्ली के छतरपुर विधानसभा में स्थित गांव जौनापुर में सिंगापुर सरकार के सहयोग से एक विश्वस्तरीय कौशल केंद्र को स्थापित किया जाना था। जिसके लिए एक प्रस्ताव दिया गया था। इस प्रस्ताव को दिल्ली सरकार के मंत्रीमंडल ने 2 जुलाई को हुई बैठक में मंजूरी दी। वहीं इस समझौते के बीच दोनों देशों के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में 11 जुलाई 2012 को एक समझौता पर हस्ताक्षर किए गए, उक्त परियोजना के लिए छतरपुर विधानसभा के गांव जौनापुर की ग्राम सभा की 37।01 एकड़ को विभाग प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत आवंटित किया गया। जिसके बाद इस जमीन को कब्जा के लिए 18 सितंबर 2012 को तकनीकी शिक्षा विभाग के लिए लोक निर्माण विभाग को सौंप दिया। इसके बाद शहरी विकास मंत्री भारत सरकार के द्वारा इस पर संबधित अधिसूचना जारी कर दी गई और कहा गया कि इस भूमि के प्रयोग ग्राम सभा जौनापुर के खाते में 30।28 करोड़ रुपये जमा कर दिए गए हैं। साल 2015 में दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार चुनकर आई। जिसके बाद दिल्ली सरकार के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अधिकारियों को इस परियोजना में चाहर दिवारी का निर्माण करवाने के लिए 2।74 करोड़ अनुमोदित करवाया। इस परियोजना के भवन निर्माण कार्य के लिए दिसम्बर 2017 में 254 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। साल 2019 में दिल्ली सरकार के वन विभाग ने इस परियोजना पर यह कहकर रोक लगा दी कि यह जमीन वन विभाग की है, लेकिन अभी तक इस इस परियोजना पर दिल्ली सरकार की तरफ से कोई भी कदम नहीं उठाया गया है।

डीयूः एनसीवेब की स्पेशल कटऑफ जारी, 5 दिसंबर तक कर सकेंगे आवेदन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 04 दिसंबर । दिल्ली विश्वविद्यालय ने नॉन कॉलेजिएट वूमेन एजुकेशन बोर्ड एनसीवेब में दाखिले के लिए स्पेशल कटऑफ जारी कर दी है। जारी की गई स्पेशल कटऑफ में मिरांडा हाउस कॉलेज में बीकॉम की कट ऑफ सामान्य वर्ग की छात्राओं के लिए 85 फीसदी है जो कि सबसे अधिक है। वहीं अदिति महाविद्यालय में 58 फीसदी निर्धारित की गई है। बता दें कि इसके अलावा एनसीवेब की छठी और सातवीं कटऑफ का शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। बता दें कि नॉन कॉलेजिएट वुमन एजुकेशन बोर्ड की विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई स्पेशल कट ऑफ के मुताबिक मिरांडा हाउस कॉलेज बीकॉम में सामान्य वर्ग की छात्राओं के लिए कट ऑफ 85 फीसदी निर्धारित की गई है जो कि सबसे अधिक है। जिससे मैरी कॉलेज में बीकॉम 78 फीसदी आदित्य

महाविद्यालय 58 फीसदी कट ऑफ निर्धारित की गई है। वहीं बी।ए कॉन्बिनेशन इकोनॉमिक्स व पॉलिटिकल साइंस भारती कॉलेज में 75।5 फीसदी, अदिति महाविद्यालय 57 फीसदी कट ऑफ निर्धारित की गई है। वहीं बीए हिस्ट्री और पॉलिटिकल साइंस कांबिनेशन में अदिति महाविद्यालय में 57 फीसदी, भारती कॉलेज, विवेकानंद कॉलेज 75 फीसदी कटऑफ निर्धारित की गई है। बता दें कि एनसीवेब में केवल दिल्ली की छात्रा ही एडमिशन के लिए आवेदन कर सकती हैं। आवेदन प्रक्रिया 4 दिसंबर से शुरू होगी और 5 दिसंबर तक आवेदन किए जा सकेंगे। वहीं कॉलेज उनका दाखिला 7 दिसंबर तक मंजूर कर सकेंगे। छात्राओं के पास फीस जमा करने के लिए 9 दिसंबर रात 11:59 तक समय होगा लेकिन स्पेशल कटऑफ में उन्हें ही दाखिले का मौका मिलेगा जिन्होंने पहली से पांचवी कटऑफ में किसी भी कारणवश से दाखिला नहीं लिया है।

वकीलों के ऑनलाइन पंजीकरण शुरू करने की मांग पर बीसीडी से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (वेबवार्ता)। उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को दिल्ली विधिज्ञ परिषद (बीसीडी) से यह बताने के लिए कहा है कि कोरोना महामारी के दौरान विधि स्नातकों द्वारा वकालत शुरू करने के लिए उनके पंजीकरण की ऑनलाइन प्रक्रिया है या नहीं। न्यायालय में बीसीडी में ऑनलाइन पंजीकरण की मांग को लेकर याचिका दाखिल की गई है।

जस्टिस नवीन चावला ने मामले में बीसीडी के अलावा अखिल भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) को भी नोटिस जारी कर इस बारे में बताने को कहा है। उन्होंने कानून की पढ़ाई पूरी कर चुके चार युवकों की ओर से दाखिल याचिका पर यह आदेश दिया है। याचिकाकर्ताओं ने वकालत शुरू करने के लिए बीसीडी में ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली शुरू करने की मांग करते हुए कहा है कि वे मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं और पंजीकरण के लिए भौतिक प्रक्रिया में शामिल होने के लिए दिल्ली नहीं आ सकते।

याचिकाकर्ता, अनुराग यादव, अभिषेक आनंद, गौरव कुमार और प्रिय रंजन ने कहा है कि पंजीकरण के बगैर वे न तो वकालत शुरू कर सकते हैं और न ही इसके लिए बीसीआई द्वारा आयोजित होने वाली जरूरी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। जस्टिस चावला ने सभी पक्षों को मामले की अगली सुनवाई 19 दिसंबर से पहले जवाब देने को कहा है। याचिका में कहा गया है कि केरल, तामिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक सहित कई राज्यों के विधिज्ञ परिषद ने ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली को अपनाया है।

लिवर दान कर बेटे ने बचाई पिता की जान

(नीरज पांडेय)

नई दिल्ली। होशियारपुर पंजाब के रहने वाले 62 वर्षीय एक किसान, रशपाल सिंह के बेटे ने अपना लिवर दान कर उनकी जान बचाई। जलंधर निवासी मरीज का फोर्टिस अस्पताल, गुरूग्राम में सफलतापूर्वक लिवर ट्रांसप्लान्ट किया गया। पिछले साल जलंधर के एक स्थानीय अस्पताल में

मरीज में लिवर कैंसर का निदान हुआ। लेकिन हाल ही में उसकी तबियत बिगड़ने लगी। उल्टी के साथ खून आने लगा, जिसके बाद उसे फोर्टिस अस्पताल, गुरूग्राम में रेफर किया गया। गहन जांच के बाद पता चला कि मरीज को लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर है, जिसके लिए तुरंत लिवर ट्रांसप्लान्ट सर्जरी करना जरूरी था। ऐसा नहीं करने पर मरीज की जान जा सकती थी। मरीज का बेटा, जो विदेश में रहता है, उसने अपना लिवर दान करने का फैसला किया। लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लान्टेशन (एलडीएलटी) एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें सर्जरी की मदद से खराब लिवर की जगह पर किसी जीवित व्यक्ति का स्वस्थ लिवर लगा दिया जाता है। एलडीएलटी लिवर के आख़िरी चरणों की सभी बीमारियों के लिए एक प्रसिद्ध इलाज है, जिसमें लिवर कैंसर भी शामिल है। दिल्ली एनसीआर स्थित फोर्टिस अस्पताल के एलटीपी एवं एचबीपी सर्जरी के चेयरमैन, डॉक्टर विवेक विज ने बताया कि, ÷मरीज को गंभीर स्थिति में भर्ती किया गया था। उसे तुरंत लिवर ट्रांसप्लान्ट की जरूरत थी वर्ना कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैल सकता था। मरीज की हालत का सबसे बड़ा कारण शराब का सेवन था, जो वह 30 सालों से करता आ रहा था। लिवर सिरोसिस फाइब्रोसिस का आख़िरी चरण है, जिसमें लिवर लगभग पूरी तरह काम करना बंद कर देता है। भारत में, हर साल लिवर सिरोसिस के लगभग 5त्न मरीज़ों में लिवर कैंसर का खतरा बनता है। इसलिए लिवर ट्रांसप्लान्ट सर्जरी केवल उन मामलों में सफल होती है, जहां कैंसर लिवर तक ही सीमित होता है ।

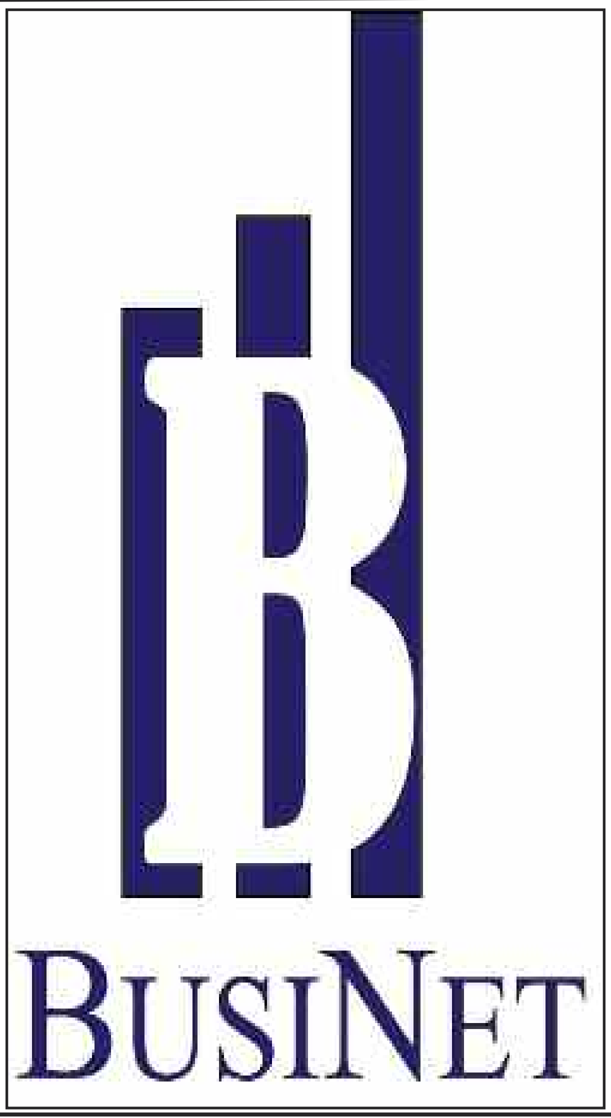

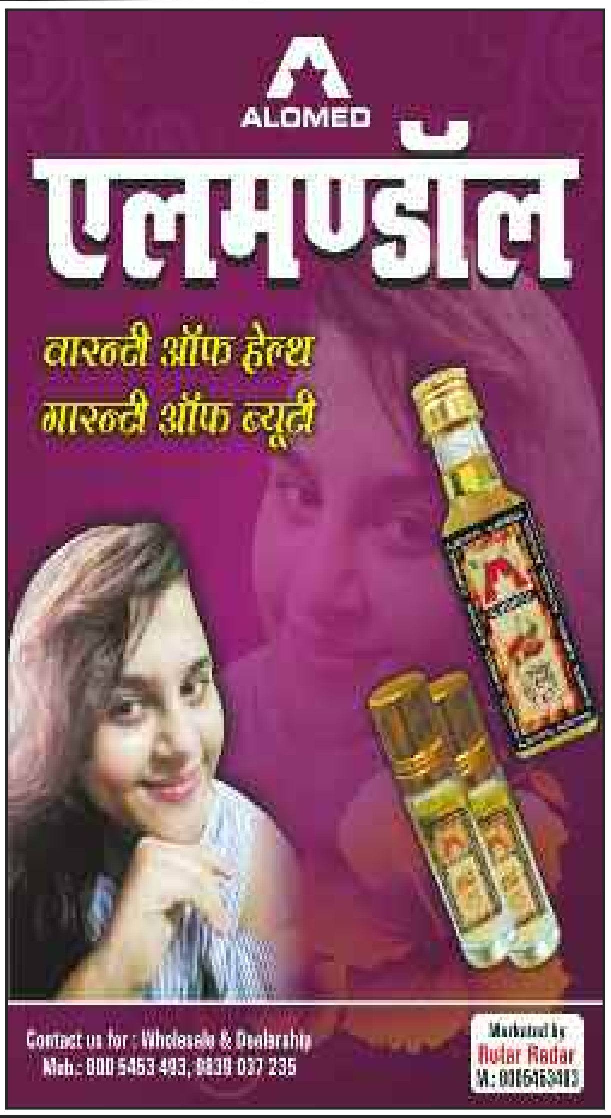

संपादकीय

आत्मनिर्भरता को चाहिए गुणवत्ता

दूसरे विश्व युद्ध के बाद जापान के महान अनुभव से सबक लेने की जरूरत है, जब इसने पुनर्निर्माण शुरू किया। आकियो मोरिता ने महान नाम सोनी स्थापित किया, जबकि मतशुशिता ने नेशनल की नींव रखी। जापानी तकनीशियनों के एक समूह ने जब अमरीका की यात्रा की तो उनसे पूछा गया कि आपको किस तरह की प्रौद्योगिकी चाहिए? जवाब यह था- 'जो हमारे राष्ट्रीय हितों को पूरा कर सके।' 70 के दशक के मध्य में जापानी राष्ट्र का पुनर्निर्माण कर रहे थे और उन्होंने अनुभव किया कि उनके उत्पादों की क्वालिटी निम्न है। पुराने समय में जब हम बाजार में कुछ खरीदने जाते थे तथा उत्पाद पर अगर 'मेड इन जापान' लिखा होता था तो हम इसे रद कर देते थे क्योंकि इसकी गुणवत्ता निम्न हुआ करती थी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिमाग नवाचार से भरपूर है और वह समयसमय पर नई परियोजनाओं और विचारों के साथ सामने आते हैं। जब कोरोना वायरस ने भारत को बुरी तरह प्रभावित किया तो उन्होंने 'घर पर रहें, सुरक्षित रहें की पैरवी की। इसका स्थानीय भाषा में अनुवाद इस तरह किया गया- जान है तो जहान है। अर्थात अगर हमारा अस्तित्व बचा रहता है तो ही संसार है। उन्होंने कई ऐसे प्वाइंटर्स और प्रोजेक्ट्स दिए हैं। इस प्रक्रिया में दो प्रोजेक्ट महत्त्वपूर्ण हैं। एक उत्पादन से संबंधित है तथा दूसरा आत्मनिर्भरता से जुड़ा है। ये दोनों एक ही सिक्के को दो पहलू हैं। कोई भी देश अंतरराष्ट्रीय बाजार में 'क्वालिटी मैन्युफैक्चरिंग के प्रोडक्शन तथा प्रयोग के बिना सफल नहीं हो सकता है। भारत को क्वालिटी आइटम उत्पादित करनी हैं तथा ऐसी उच्च विश्वसनीय सेवाएं उपलब्ध करवानी हैं जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पर्धा कर सकें।

मैं देश में निम्न क्वालिटी के कई ऐसे उत्पादों से परिचित हूं जो कि हमें स्पर्धा में लाभ की स्थिति दिलाने में सक्षम नहीं हैं। भारत में क्वालिटी कंट्रोल अपरिहार्य स्तर का नहीं है। मैं यहां निजी अनुभव बताना चाहता हूं। मैंने दो साल पहले हिमाचल में एक परचून व्यापारी से हॉटकोल्ड एयर कंडीशनर खरीदा। तीन माह में ही इसने काम करना बंद कर दिया तथा मैंने इस संबंध में शिकायत दर्ज करवा दी। मेरी शिकायत सुनी गई, किंतु तकनीशियन ने मुझे बताया कि एक पैनल को बदलना पड़ेगा। मैंने उसे बताया कि चूंकि प्रोडक्ट गारंटी पीरियड में है, इसलिए उन्हें इसे बदलना चाहिए। तकनीशियन ने मुझे बताया कि कंपनी किसी टुकड़े को बदलती नहीं है, किंतु किसी हिस्से को रिपेयर करती है, जब पैनल उपलब्ध होगा। मुझे बताया गया था कि यह नया मॉडल है तथा पैनल भी संभवतः शीघ्र ही आ जाएगा क्योंकि स्पेयर पार्ट्स का निर्माण हो रहा है। यह चलता रहा और मैंने दोबारा शिकायत दर्ज करवा दी। मैं इतना परेशान हुआ कि मैंने प्रधानमंत्री कार्यालय को एक ट्वीट भेजा। वहां से मुझे जवाब आया, कोई मेरे पास आ गया, किंतु उन्होंने मुझे बताया कि यह उत्पाद पुराना है तथा गारंटी की योजना के तहत नहीं आता है। मैंने उन्हें बताया कि उत्पाद जब गारंटी के तहत था, तभी मैंने इसकी शिकायत कर दी थी। इस संबंध में अब तक कुछ भी नहीं किया गया है, सिवाय इसके कि मुझे एक कॉल आई जिसमें मुझे कहा गया कि अगर मैं एक नया उत्पाद खरीदता हूं तो मुझे 20 फीसदी डिस्काउंट दिया जाएगा। मैंने उनसे पूछा कि वे क्या सेल कर रहे हैं अथवा एक डिफेक्टिव उत्पाद की सर्विस कर रहे हैं? फिर भी कुछ नहीं हुआ। इस तरह के उत्पाद और सेवाएं कोरिया अथवा चीन से स्पर्धा नहीं कर सकती हैं। भारत में फिर क्या बचता है? मैंने तीन साल के भीतर ही दूसरा एसी खरीद लिया है तथा वह ठीक ढंग से काम कर रहा है। यह अलग ब्रांड का है तथा इसे राजस्थान में निर्मित किया गया है। एक एसी जबकि शर्मनाक सेवा व निर्माण का उदाहरण है तथा दूसरा उत्कृष्टता का नमूना है। 'मेक इन इंडिया' को सफल बनाने का मार्ग यही है कि हम ऐसे उत्पाद और सेवाएं एजाद करें कि वे आधुनिक विश्व की शेष आइटम्स से स्पर्धा कर सकें। दूसरे विश्व युद्ध के बाद जापान के महान अनुभव से सबक लेने की जरूरत है, जब इसने पुनर्निर्माण शुरू किया।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

यूपी फिल्म सिटी से शिवसेना की बौखलाहट

फिरहाल, उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित फिल्म सिटी को लेकर सियासत तेज हो गई है। शिवसेना समेत कई दलों ने उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले पर सवाल उठाए हैं। शिवसेना को लगता है कि मुबई से फिल्म सिटी का उजाड़ हो जायेगा। मतलब साफ है उसे भय है कि फिल्म से होने वाली वसूली थम जायेगी। अंडरवर्ल्ड से उसका नाता टूट जायेगा। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही क्या शिवसेना अंडरवर्ल्ड के दबाव में है? शिवसेना कब समझेगी कि कोई किसी का हूनर नहीं छिन सकता। फिल्म उद्योग कोई खूंटा नहीं है जो एक जगह से उखाड़कर दूसरी जगह गाड़ दिया जाए। हर राज्य चाहता है कि उसके यहां पर्यटन और रोजगार बढ़े। इसी कारण उत्तर प्रदेश में फिल्म सिटी का निर्माण हो रहा है।

यूपी में अगर फिल्म सिटी बन जाएगी तो मुंबई जाने से जो घबराते हैं उनको यहीं प्रदेश में मौका मिलेगा। मेकर्स को सारी सुविधाएं एक ही जगह पर मिलेगी तो उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिलेगा। मेकर्स यूपी व मुबई दोनों का लाभ ले सकेंगे। मार्केट में कंपटीशन होगा तो उसकी गुणवत्ता बढ़ेगी। बेहतर सुविधाओं से अनुकूल माहौल बनेगा। यूपी भी तरक्की करेगा। यूपी का विदेशों के शहरों से अच्छी कनेक्टिविटी होगी। और यह सब होगा तभी तो भारत की अर्थव्यस्था 5 ट्रिलियन यूएस डॉलर बनाने का सपना साकार होगा। इसलिए फिल्म जगत से जुड़े हुए लोगों को यूपी सरकार के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में फिल्म सिटी के निर्माण में अपनी भागीदारी देनी चाहिए। क्योंकि यूपी में वर्ल्ड क्लास फिल्म सिटी की शुरुआत होने जा रही है। नोएडा के पास यमुना अथॉरिटी में जो जगह फिल्म सिटी के लिए चुनी गई है वह जेवर एयरपोर्ट से महज 6 किमी दूर है। यह एयरपोर्ट एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। इस जगह से आधे घंटे में देश की राजधानी दिल्ली, आधे घंटे में मथुरा और 45 मिनट में आगरा पहुंचा जा सकता है।

लेकिन यूपी की फिल्म सिटी शिवसेना को खल रहा है। वह धौंस दे रही है कि महाराष्ट्र से हम कुछ भी ले जाने नहीं देंगे। किसी के बाप की हिम्मत नहीं है कि वो फिल्म सिटी को यहां से ले जाए। उनकी यही खिसियाहट इस बात का संकेत दे रही है कि शिवसेना की वसूली व गुंडागर्दी खत्म होने वाली है। अगर ऐसा नहीं है तो आप इतने चिंतित क्यों हो रहे हैं?

बड़ी सोच पैदा करने के बजाय झल्लाहट दिखा रहे है। जबकि सच तो यह है कि कलाकारों को जहां बेहतर सुविधाएं मिलेगी, वहां जाएंगे। बता दें, योगी ने जब से प्रदेश में देश की सबसे बड़ी फिल्म सिटी का निर्माण करने का ऐलान किया है न जाने कितने सपनों को पंख लग गए। फिल्मी जगत में काम करने की ललक में उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों के लाखों लोग प्रतिवर्ष महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई तक सफर करते हैं और बहुत ही संघर्ष करते हैं। इनमें से कुछ ही अपने इस सपने को साकार कर पाते हैं जबकि काफी अधिक संख्या में लोग न घर के न घाट के रह जाते हैं। इनको भाषा से लेकर महंगा शहर और नजाने कितनी दिक्कतों का भी सामना करना पड़ता है।

अब योगी आदित्यनाथ की इस घोषणा के बाद प्रदेश के लाखों करोड़ों कलाकारों में खुशियों की लहर देखने को मिल रही है। यूपी में देश की सबसे बड़ी फिल्म सिटी का निर्माण होने से उत्तर प्रदेश के लोगों के साथ देश की राजधानी दिल्ली, देवभूमि उत्तराखंड, हरियाणा, बिहार जैसे राज्य के लोगों को भी पूरा फायदा मिलने वाला है। सुशांत सिंह राजपूत की मौत की मिस्ट्री के बाद नशे के मामले में भी घिरते नज़र आ रही मायानगरी मुंबई का विकल्प उत्तर प्रदेश पूरी तरह से तैयार है। फिल्म सिटी बनाने के लिए जो माहोल की दरकार होती है उसकी उत्तर प्रदेश के नोएडा या ग्रेटर नोएडा में बिलकुल भी कमी नहीं है। आगरा जैसा खूबसूरत शहर हो या लखनऊ, वाराणसी जैसा धार्मिक और सांस्कृतिक शहर. पहाड़ों से सजा उत्तराखंड भी बेहद करीब है तो देश की राजधानी दिल्ली जैसा शहर चंद ही फासलों पर होगा।

एक फिल्म को तैयार करने के लिए जिन लोकेशन की खासतौर पर ज़रूरत होती है वह सबकुछ बहुत ही करीब है। हाल ही में इस क्षेत्र के लोगों ने जिस तरह सोशल प्लेटफार्म पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है वह इसका प्लस प्वांइट है। यूट्यूब, टिकटाक जैसे प्लेटफार्म का पूरा इस्तेमाल कर अपने टैलेंट को इस क्षेत्र के लोगों ने दुनिया के सामने रखा है। अब फिल्म सिटी के करीब होने से इनका ये टैलेंट और बड़े स्तर पर लोगो के बीच जाने को तैयार है। ऐसा नहीं है कि फिल्म सिटी के बन जाने से सिर्फ फिल्म निर्माता ही उत्तर प्रदेश पधारेंगें। फिल्म निर्माताओं के साथ साथ धारावाहिक सीरियल निर्माता, रियिलिटी शो निर्माता जैसे लोगों की भी पसंद यही फिल्म सिटी होगी क्योंकि यह मुख्यमंत्री का दावा है कि यह फिल्म सिटी देश की सबसे खूबसूरत और सबसे बड़ी होगी। ऐसे में कौन निर्माता यहां पैर नहीं जमाना चाहेगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने मौके की नज़ाकत को देख कर एक बहुत बड़ा मास्टरस्ट्रोक लगा दिया है जिसका जवाब उनके विरोधीयों से देते नहीं बन रहा है। उत्तर प्रदेश को ऐसी फिल्म सिटी की ज़रूरत थी। अब यहां के कलाकारों को मुंबई जैसे मंहगे शहरों में खर्च कर संघर्ष करने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। अब वह सारे कलाकार अपने प्रदेश में ही अपने सपने को उड़ान दे सकते हैं। प्रदेश में फिल्मी जगत के आने से प्रदेश के अन्य शहरों को भी पर्दो पर जगह मिलेगी और साथ ही बड़ी संख्या में सरकार के खज़ाने में टैक्स भी आएगा। योगी आदित्यनाथ के इस फैसले से वह गुट बहुत ही खुश है जो फिल्मी जगत में जाने का सपना देखा करता था।

सुरेश गांधी
www.womenexpress.in

जायकेदार जिंदगी के हमसफर थे महाशय धर्मपाल

मसालों के बादशाह एमडीएच ग्रुप के मालिक महाशय धर्मपाल जी का गुरुवार को स्वर्गवास हो गया। वे 98 साल के थे। टीवी पर आपने एमडीएच मसाले का विज्ञापन जरूर देखा होगा और इसमें मसालों की दुनिया के बादशाह कहे जाने वाले बुजुर्ग महाशय धर्मपाल गुलाटी भी देखे होंगे। धर्मपाल गुलाटी किसी परिचय के मोहताज नहीं है। भारत में ऐसा एक भी घर नहीं है जहाँ इनकी पहुँच न हो। इनके जायकेदार मसालों से आपकी रसोई हर समय महकती मिलेगी। आज इनके बनाये एमडीएच मसाले हर घर की रसोई की पहचान है। कभी तांगा चलाकर पेट भरने को मजबूर ये महाशय आज दो हजार करोड़ रुपयों के बिजनेस ग्रुप के मालिक थे। एमडीएच की वेबसाइट के मुताबिक, धर्मपाल गुलाटी एक समय पर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से कुतुब रोड और करोल बाग से बारा हिंदू राव तक तांगा चलाते थे। उस दौरान प्रति सवारी दो आना मिलता था।

धर्मपाल गुलाटी भारत के एक सफल उद्यमी तथा समाजसेवी थे। एम डी एच (महाशिया दी हट्टी) मसाले उनके ही उत्पाद हैं। इनका जन्म सियालकोट में,हुआ था। भारत पाकिस्तान बटवारे के बाद भारत आकर इन्होंने दिल्ली में करोल बाग से अपना व्यापार प्रारंभ किया। महाशय धर्मपाल गुलाटी के पिता महाशय चुन्नीलाल की सियालकोट में महाशय दी हट्टी नाम से दुकान थी। इसी महाशय दी हट्टी से आया है एमडीएच। दुनिया को अपने सर्वश्रेष्ठ दो और सर्वश्रेष्ठ स्वमेव ही आपके पास वापस आएगा। व्यवसाय में अटूट लगन, साफ दृष्टि और पूरी ईमानदारी की बदौलत महाशयजी का व्यवसाय ऊंचाइयों को छूने लगा। भारत में एमडीएच मसालों के विज्ञापनों और डिब्बों पर उनकी तस्वीर की वजह से उन्हें काफी पहचान मिली थी। उन्हें व्यापार और वाणिज्य के लिए साल 2019 में भारत के दूसरे उच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से भी नवाजा गया था। धर्मपाल जी को गाहे बगाहे दिल्ली के करोलबाग इलाके में देखा जा सकता था। उन्हें करोलबाग में नंगे पांव घूमते बहुत से लोगों ने देखा था। इसकी वजह उन्होंने अपने एक दोस्त को बताते हुए कहा, काके, करोल बाग में जब भी आता हूं तो जूतेचप्पल पहनकर नहीं घूमता। मेरे लिए करोल बाग मंदिर से कम नहीं है। इसी करोल बाग में खाली हाथ आया था। यहां पर रहते हुये ही मैंने कारोबारी जिंदगी में इतनी बुलंदियों को छूआ। उन्होंने तांगा चलाने से लेकर मसाले कूटने के तमाम काम किए। इसे वे एक तरह से तीर्थस्थल ही मानते थैं। महाशय धर्मपाल ने जिंदगी में कई उतार चढ़ाव देखे। शुरुआती दिनों में उन्होंने सदर बाजार से पहाड़गंज तक तांगा भी दौड़ाया और उसके बाद उन्होंने धीरे धीरे अपने को स्थापित कर लिया।

वे खुद ही बताते थे कि उनका मन पढ़ाई में तो लगता नहीं था, इसलिए बचपन से ही छोटेमोटे काम करने लगे। सन 1947 में देश के बटवारे में वे 1500 रुपए लेकर भारत आ गए। वे कहते हैं कि एक दिन वे अपने पिताजी के साथ एक दूकान में गए। वहां मसालों का बड़ा काम होता। उसी दिन उन्होंने तय कर लिया कि मसाला बनाने का धंधा करेंगे। फिर उन्होंने मसाला बनाना प्रारंभ कर दिया अपने करोलबाग के घर में ही। उसे वे खुद ही बेचने लगे दुकानदुकान जाकर। उसके बाद जो हुआ उसे बताने की जरूरत नहीं है। मसाले के छोटे से काम से आज उनका काम देशविदेश में फैल चुका है। महाशय धर्मपाल ने अपने माता पिता के नाम पर कई अस्पताल और अन्य संस्थाए खोली हैं। आज उनकी कंपनी के मसालों का अमरीका , कनाडा ,ब्रिटेन ,यूरोप , जापान समेत अनेक देशों में निर्यात होता है।

एमडीएच ब्रांड मसाले अपनी शुद्धता और गुणवत्ता को लेकर पूरे भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई दूसरे देशों में भी प्रसिद्ध हो गए। वे स्वयं अपनी कंपनी के विज्ञापनों में आना पसंद करते हैं। आपने उन्हें अखबारों और टीवी पर अपने विज्ञापनों में बड़े मस्त भाव से प्रचार करते जरूर देखा होगा। आज एमडीएच कंपनी 100 से ज्यादा देशों मे अपने 60 से अधिक प्रोडक्ट्स बेच रही है। यह मसाले बनाने के लिए लगनेवाली सामग्री केरल, कर्नाटक और भारत के अलग अलग हिस्सों से आती है। कुछ सामग्री ईरान और अफगानिस्तान से भी लायी जाती है। एमडीएच की सफलता के पीछे छुपी मेहनत का नतीजा है की 95 साल की उम्र में धरम पाल जी भारत में, 2017 में सबसे ज्यादा कमाने वाले थ्डब्ळ सीईओ बने। महाशय धर्मपाल पक्के आर्यसमाजी थे। वे राजधानी और देश की अनेक संस्थाओं से भी जुड़े थे। वे कहते थे कि एमडीएच के लाभ का एक बड़ा हिस्सा सामाजिक कार्यों में खर्च होता है। उनकी मां चन्नन देवी के नाम से राजधानी के जनकपुरी में चलने वाले अस्पताल में गरीब रोगियों का मुफ्त इलाज होता है। मानवता की सेवा करने से वे कतई नही चूकते, वे हमेशा धार्मिक कार्यो के लिये तैयार रहते है। महाशय जी मानते थे कि जिंदगी में कामयाबी के लिए छह मंत्र हैं ईमानदारी , मेहनत ,ईश्वर में विश्वास, माता पिता का आशीर्वाद, मीठा बोलना और सबका प्यार पाना। वह सामाजिक कार्यक्रमों में खूब भाग लेते थे और वहां भंगड़ा भी कर लेते । सफेद कपड़े ,लाल पगड़ी और मोती की माला उनके व्यक्तित्व के हिस्से थे। बेशक महाशय धर्मपाल गुलाटी का जीवन मिसाल है उन सभी के लिए जो जीवन में अपने लिए नई इबारत लिखना चाहते हैं।

बाल मुकुन्द ओझा
मालवीय नगर, जयपुर
www.womenexpress.in

ऑनलाईन गेमिंग की ओर अग्रसर होता देश

अधिकांश हमने देखा हैं कि फिल्मों और धारावाहिकों में काल्पनिक यानि कि आभासी दुनिया में ले जाया जाता है। वो ख्वाब जो कभी पूरे नहीं हो सकते वे इनमें डिसक्लेमर के साथ पूरे होते हुए दिखाए जाते है। हम उन्हें खुशी.खुशी देखते भी हैं। क्योंकि हमें इन ख्वाबों को देखना अच्छा ही नहीं लगता वरन् हम उसके साथ एक नई ख्वाबों की दुनिया का समावेश भी अपने अंदर कर लेते हैं। चूँकि मेहनत के पैसों से इन ख्वाबों को पूरा करना संभव ही नहीं है। कुछ इसी तरह की बात करते हैं आजकल चल रहे ट्रैण्ड्स की। छोटों के लिए कोडिंग और युवा लोगों के लिए ड्रीम.11 रमी खेलने और अपने जीवन को खुषनुमा बनाने की आभासी तस्वीर विज्ञापन की दुनिया में आज अनुभव की जा रही है। कोरोना महामारी का सबसे बड़ा लाभार्थी ऑनलाइन गेमिंग व्यवसाय है। एक ओरए छह और दस वर्ष की आयु के बच्चों को कोडिंग सीखने के लिए विज्ञापित या कहें प्रेरित किया जा रहा हैए वहीं दूसरी ओरए युवाओं को ड्रीम.11 की टीमों में खेलने और ऑनलाइन रमी खेलने और बिना कुछ किए करोड़ों रुपये कमाने के लिए आकर्षित या कहें कि गुमराह किया जा रहा है। कोडिंग की नई आभासी छवि ने सचमुच पालकों को पागल कर दिया है। माता.पिता ने दस साल की उम्र तक अपने बच्चों को कोडिंग मास्टर्स बनाने के लिए आगे आ रहे है। ये माना कि अनजानए छोटे बच्चों की बुद्धि विकसित करने के लिए विभिन्न प्रकार के प्राकृतिक विकल्प प्रदान करना भी आवश्यक है। इसमें मैदानी क्षेत्र के खेल के अलावाए कुछ मस्तिष्क.उत्तेजक खेल भी होने चाहिए। लेकिन अगर कम उम्र में कोई ऐप बनाया जाता हैए तो दुनिया भर की कंपनियांए पूंजीपति इसमें निवेश करने के लिए दौड़ पड़ेंगे... वो माता.पिता/अभिभावक या कहें पालक ही क्या जो इन सपनों को साकार करने के पीछे न भागे। उनके सपने तो बाद में भी चलेंगे! कुछ इस तरह की प्रतियोगिता अभी हर जगह चल रही है।

यह इस सवाल से बाहर नहीं होना चाहिए कि निकट भविष्य मेंए

बच्चों के स्वास्थ्य और सामाजिक सरोकार विस्मयकारी होंगे क्योंकि बच्चों की दुनिया एक तरह से कोमा से गुजर रही है और प्रौद्योगिकी के लिए अवांछित इच्छा के कारण वे समय से पहले बड़े हो रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग के बढ़ते कारोबार से पता चलता है कि लगभग 83 प्रतिशत पुरुष और देश भर में 14 प्रतिशत महिलाएं ऑनलाइन गेम खेलती हैं। उनमें से अस्सी फीसदी 24 साल से कम उम्र के हैं। आभासी पैसे का उपयोग करके गेम खेलने के नए तरीके वर्तमान में विभिन्न कंपनियों के माध्यम से सिखाए जा रहे हैं। एक ओरए जुआ और सट्टेबाजी को अभी.भी अपराध माना जाता हैए जबकि दूसरी ओरए समानता वाले ऑनलाइन गेम को बढ़ावा दिया जा रहा है। कई जाने.माने खिलाड़ी और लोकप्रिय कलाकार इसे बढ़ावा दे रहे हैं। स्वाभाविक रूप सेए कोरोना अवधि के दौरान घर पर अकेले रहने वालों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है। शायद ऑनलाइन गेमिंग से प्राप्त अरबों रुपए को देखते हुएए केंद्र ने हाल ही में सट्टेबाजी को अधिक आधिकारिक बनाने के लिए कदम उठाने का फैसला किया है। अगर ऐसा हुआ तो यह कहना मज़ाक होगा कि देश भर के युवा पैसा कमाने के लिए कड़ी मेहनत करना चाहते हैं। डिजिटल मार्केटिंग रिसर्च एंड रिपोर्ट के अनुसारए वित्तीय वर्ष 2020 मेंए ऑनलाइन गेमिंग में 45 प्रतिषत की वृद्धि हुई। रियल.मनी गेम्स ;आरएमजीद्ध खिलाड़ियों की संख्या मार्च 2020 में 365 मिलियन का आंकड़ा पार कर गई। कार्ड आधारित खेलों और फंतासी खेलों की दो श्रेणियां भारतीय युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं। जैसा कि भारत पहला मोबाइल. देश हैए 90 प्रतिशत से अधिक ऑनलाइन गेमर्स अपने फोन पर गेम खेलते हैं। ऑनलाइन गेमिंग बाजारए जो अब 500 मिलियन तक पहुंच गया हैए 2021 तक 1٥1 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। 2019 मेंए भारत में लगभग 5٥6 बिलियन मोबाइल गेमिंग ऐप डाउनलोड किए गए थे। यह संख्या दुनिया में सबसे अधिक है और इसका मतलब है कि दुनिया के 13 फीसदी गेमिंग ऐप अकेले भारत में हैं। अब भारत मेंए इंटरनेट 31 प्रतिशत आबादी तक पहुंच गया है और विशेषज्ञों को उम्मीद है कि 2021 तक यह 53 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। इसका मतलब है कि देश में 700 मिलियन से अधिक लोगों के पास इंटरनेट का उपयोग होगाए साथ ही साथ गेमिंग विकल्प भी होंगे। इस तीव्र वृद्धि और आरएमजी विज्ञापनों के नकारात्मक प्रभाव ने विज्ञापन के लिए दिशा.निर्देश तैयार किए हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उपयोगकर्ता वित्तीय और गेमिंग आहार पर जाने के खतरों से अवगत हैं। सूचना और प्रसारण मंत्रालय और उपभोक्ता मामलों के विभाग के साथ.साथ इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के माध्यम से सरकार इन दिशा.निर्देशों का पूरी तरह से समर्थन कर रही हैए जिसका उद्देश्य सेक्टर में भ्रामक और हानिकारक विज्ञापनों के बारे में बढ़ती चिंता को संबोधित करना है।

धनंजय कुमार
www.womenexpress.in

आखिर राजनीतिक एजेंडे में पर्यावरण क्यों नहीं आता है?

ध्यान से देखे तो हमारे यहां पर्यावरण की हालत काफी भयावक है । इससे जुड़े आंकड़े परेशान करने वाले है , देश की हर पांच में से तीन नदियां प्रदूषित है । दोस्तों वैसे देखे तो जब कोविड़ 19 से उपजी वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के कारण पूरे देश में लॉकडॉउन हुआ तो गंगा यमुना के साथ ही और भी नदियां बिल्कुल साफ हो गई थी लेकिन फिर धीरेधीरे जब से उद्योग धंधे और मानव गतिविधियां शुरू हुई है फिर से वही हालात होने लगा है। अगर हम ध्यान से देखें तो ज्यादातर ठोस कचरो का निस्तारण नहीं किया जाता है, यहां तक की देश की समृद्ध हिस्सों में भी नहीं किया जाता है। आंकड़ों के मुताबिक मुंबई में 90 फ़ीसदी तो दिल्ली में 48 फ़ीसदी कचरे का निस्तारण किया ही नहीं जाता है। फिर दोस्तों देश की तीन चौथाई आबादी उन हिस्सों में बसती है जहां वायु प्रदूषण पीएम 2.5 का स्तर रहता है जो कि भारत के राष्टीय मानक से बहुत ही अधिक है । जबकि ध्यान से देखें तो हमारे भारत का राष्टीय मानक खुद वैश्विक मानक से 4 गुना ज्यादा है। आज आलम यह है कि देश के कुल 640 जिलों में से उत्तरी हिस्से के 72 जिलों में कार्बन उत्सर्जन वैश्विक मानक से 10 गुना ज्यादा है। अगर हम पिछले वर्ष का ही वैश्विक पर्यावरण गुणवत्ता प्रदर्शन सूचकांक में भी देखे तो 180 देशों की सूची में हमारा भारत का स्थान 177 वां है ।

दोस्तो यह तस्वीरें बुनियादी तौर पर देखा जाए तो हम इंसानी स्वास्थ्य से ही जुड़ा हुआ है । देखे तो खराब आबोहवा, दूषित जल और ठोस कचरे का उचित निपटारा ना होना देश के नागरिकों खासकर बच्चों की सेहत को प्रभावित कर रहे हैं। पिछले वर्ष में ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपने रिपोर्ट में बताया था

कि भारत में 5 वर्ष की उम्र पूरी न कर पाने वाले बदनसीब मासूमों में से 10 फ़ीसदी की मौत की वजह वायु प्रदूषण ही है।

दोस्तों देखा जाए तो पर्यावरण की गुणवत्ता विलासिता से जुड़ी है, आप ही देखो ना जब देशव्यापी लॉकडाउन किया गया तो हमारा प्रकृति किस तरह से निखर कर सामने आयी लेकिन जैसे ही फिर मानव गतिविधियां खासकर उद्योग धंधे शुरू हुए प्रदूषण बढ़ने लगा। 1972 में पर्यावरण पर हुए स्टॉकहोम सम्मेलन में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कहा था कि गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है। इसका मतलब है कि गरीबी में कमी लाने के लिए पर्यावरण संरक्षण के साथ समझौता करना पड़ेगा और भारत को गरीबी के खिलाफ अपनी लड़ाई ही आगे बढ़ानी चाहिए। लेकिन दोस्तों आज हम देख रहे हैं कि पर्यावरण के साथ तालमेल नहीं बनाकर चलने के कारण ही आज वैश्विक महामारी हम सभी को अपने चपेट में ले रही है। मेरे अनुसार विकास के काम आज करना और पर्यावरण की चिंता भविष्य पर छोड़ देना कई कारणों से गलत मुझे लगता है। आपको बता दें कि प्रदूषित पर्यावरण सबसे पहले और सबसे ज्यादा गरीबों को नुकसान पहुंचाता है। ध्यान से देखें तो किसानों मछुआरों और वन्य जीवन पर निर्भर लोगों की आजीविका इससे तुरंत प्रभावित होती है। अमीरों की तुलना में वे दूषित जल और प्रदूषित हवा की मार से खुद को बचाने में भी काफी अक्षम होते हैं, यानी कि प्रदूषण गरीबी के असर को और घातक बना देता है। दोस्तों हरियाली की ओर बढ़ना दरअसल विकास की एक ऐसे मार्ग पर चलना है जहां सभी महासागरों जलवायु और वनों का ख्याल रखा जाता है। आज देखे तो विश्व अक्षय ऊर्जा क्रांति के दौर से गुजर रहा है।इससे जुड़े मौको को अपने हित में भुनाने की प्रतिस्पर्धा सभी देशों में है । हर समस्या के निदान के लिए हमें अदालती फैसले या किसी प्रशासनिक कार्रवाई का इंतजार करना पड़ता है जबकि हमें ऐसी सोच की दरकार है जिसमें व्यवहारगत बदलाव और तकनीकी समाधान तो हो ही इसके साथ ही प्रभावी नियमन भी शामिल होना चाहिए।।

विक्रम क्रांतिकारी
दिल्ली विश्वविद्यालय ।
www.womenexpress.in

सनातन धर्म और सिक्ख-समाज

सिक्ख समाज सनातन धर्म का ही अभिन्न अंग है। वर्ष 1469 ई. में माता तृप्ति देवी और पिता मेहता कालू जी के यहाँ एक देवीय शक्ति ने जन्म लिया जिसका नाम था नानक, इन्हीं को हम आज गुरु नानक देव के रूप में जानते हैं। गुरु नानक देव ने सनातनधर्म के चरों वर्णों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र) को एक करने के उद्देश्य तथा सनातनधर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए ही सिक्ख पंथ की स्थापना की थी। ईसवी वर्ष 712 में मुहम्मद बिन कासिम के नेतृत्व में भारत पर पहला अरब आक्रमण हुआ था और उसके बाद मुग़ल लगातार भारत के किसी न किसी प्रान्त पर आक्रमण करते रहे। भारत के किसी भी हिन्दू राज्य को मुगलों की जीत का मुख्य कारण था हिन्दुओं (सतानतधर्मियों) में फूट या बौद्धिक मतभेद। ईस्वी वर्ष 1500 तक मुगलों ने भारत के कुछ प्रांतों पर अपना अच्छा खाशा बर्चस्व जमा लिया था, तथा सनातन धर्मियों को तरहतरह से यातनाएं दे रहे थे और छलबल से उनका धर्मान्तरण का उन्हें मुसलमान बना रहे थे। गुरु नानक देव द्वारा सिक्खसमाज या सिक्खपंथ की स्थापना के ऐसे कई कारण थे। सिक्ख समाज के उद्देश्यों को उनके बाद के सभी पूज्यनीय गुरु आगे बढ़ाते गए। सिक्खसमाज के दसवें व अंतिम गुरु परमपूज्य गुरु गोबिन्द सिंह ने सिक्ख समाज की परम्पराओं व नियमकायदों को 30 मार्च 1699 के दिन अंतिम रूप दिया। इसके बाद सदैव सिक्ख समाज सनातनधर्म का ही अंग रहा। सिक्खसमुदाय सनातनधर्म और अपने समुदाय के प्रति बहुत बफादार तथा कट्टर रहा है। बस इसी बात को अंग्रेज (ईसाई मिशनरी) सहन नहीं कर पा रहे थे। उस समय भारत पर अंग्रजों का राज्य था तथा अंग्रजों का पूरे देश में बहुत विद्रोह हो चुका था। अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भारत की आजादी के लिए मरनेमारने पर उतारू थे, इसलिए अंग्रजों के मन में बहुत भय था, अंग्रेज यह समझ चुके थे कि अब वो भारत पर और ज्यादा शासन नहीं कर सकेंगे तथा चर्चईसाई मिशनरी संस्कृति को नहीं फैला पाएंगे। सनातनधर्मियों को धर्मांतरण द्वारा ईसाई बनाने में सिक्खसमाज बड़ा रोड़ा भी था, क्योंकि सिक्ख समाज ने सनातन के चारों वर्णों को एक कर लिया था, अर्थात कोई किसी भी वर्ण का हो वो सिक्ख बन सकता था। इसीलिए अंग्रेजों ने अपने शासन में सनातनधर्म को तोड़ने के उद्देश्य से 1922 में गुरुद्वाराअधिनियम पारित कर सिक्खसमाज को सनातनधर्म से अलग कर दिया, तथा सिक्खपंथ को एक अलग धर्म घोषित कर दिया।

अब लोग चाहे जो भी माने या फिर संवैधानिक रूप से सिक्ख समुदाय का सिक्खधर्म के रूप में अलग अस्तित्व भले ही हो पर मन वचनकर्म से सनातनधर्म ही है और हमेशा रहेगा, क्योंकि गुरुनानक देव जी ने इसी उद्देश्य से सिक्खपंथ की स्थापना की थी।

सोनल ओमर
कानपुर, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

साथी हाथ बढ़ाना

देश कोरोना विपदा संग लड़ा है,,
सीना ताने हर कोई खड़ा है।।
एकता की मिसाल रख मिल
कोरोना विपदा पे फतह पाना है।।
साथी हाथ बढ़ाना।।

दान,पुन्य,सेवा,भाव संग
भूखों की मदद कर जाना है।।
न भेदभाव कर जातपात का
इंसानियत हमें दिखाना है।।
साथी हाथ बढ़ाना।।

इस देश की मुश्किल घड़ी में जीवों
के लिये भी करूणा रस
बरसाना है।।
लावारिस पंछियों, जानवरों को भी
मिलके भोज हमें कराना है।।
साथी हाथ बढ़ाना।।

कोरोना विपदा की इस घड़ी पे
विजय ही अपना लक्ष्य बनाना है।।
एक दिन हार जाएंगी ये कोरोना
विपदा, विजय पताका लहराना है।।
साथी हाथ बढ़ाना।।

वीना आडवानी
नागपुर, महाराष्ट्र।
www.womenexpress.in

शुचि पर्यावरण हो रहा दूषित

शुचि पर्यावरण हो रहा दूषित,
व्यथित आज अवनि कणकण ।
आज हुई प्रखर जहरीली हवाएँ,
अतिशय व्यापक आज प्रदूषण ।।

व्याकुल अति तरुवर किसलय,
मधुरिमसुरभि आज सिसकती ।
रुचिरवाटिका आंचल है घायल,
कलुषित कोहरे घिरी हर बस्ती ।।

अम्बर से सर्व अम्बुधर विलुप्त,
प्रभाकर स्वर्णिम अंशु हैं धूमिल ।
विहंग अरण्य व्यथित,अकिंचन,
है तरिणी को दृष्टिगत न साहिल ।।
दुखित हैं आज पुहुप उपवन में,
आज राहों में श्वासों पर प्रहरण ।
आज हुई प्रखर जहरीली हवाएँ,
अतिशय व्यापक आज प्रदूषण ।।

प्रदूषण अवरोध प्रयास निरर्थक,
सत्ता क्लान्त कर रही समर्पण ।
सर्वत्र कोहरे की पर्त आच्छादित,
वातावरण में बढ़ रहा प्रदूषण ।।

जीव जंतु सब व्याकुल व्यथित,
विभिन्न व्याधियों का है प्रादुर्भाव ।
धरा हरितिमा हो रही तिरोहित,
प्रकोप सम फैला प्रदूषण प्रभाव ।।

आओ हम मिलकर वृक्ष लगायें,
निर्मल शुद्ध करें निज पर्यावरण ।
आज हुई प्रखर जहरीली हवाएँ,
अतिशय व्यापक आज प्रदूषण ।।

एस पी दीक्षित
शुक्लागंज, उन्नाव, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

सारथी बन कर रहना

सारथी बन कर जिंदगी भर,
मेरा साथ निभाते रहना।
हर दुखसुख में धैर्य बन कर,
राह मुझे दिखाते रहना।

रास्ते भरे हों काँटों के,
विचलित हो न यह मन मेरा,
बढ़ता जाऊँ मैं मंज़िल तक,
हाथों में हाथ रहे तेरा।
बंधन बंधा है जीवन का,दीप
खुशी के जलाते रहना।
हर दुखसुख में धैर्य बन कर,
मुझे राह दिखाते रहना।

सारथी बनों कृष्ण से तुम,मन
भीतर ज्ञान संचार करो।
बन कर भवानी, दुर्गा तुम, हर
बाधा का संहार करो।
चक्रव्यूह रचे दुर्जनों ने, अपना
आप बचाते रहना।
हर दुख सुख में धैर्य बन कर,
मुझे राह दिखाते रहना।

काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह,
से भरा यह संसार पड़ा।
विकराल काल दुर्दिन बनके,
मुंहबाएं सभी और खड़ा।
सयंम,सत्य,अहिंसा के पथ,तुम
सदा ही चलाते रहना।
हर दुख सुख में धैर्य बन कर,
मुझे राह दिखाते रहना।

कृपा करना मेरे भगवन,सुख
समृद्धि बनी रहे घर में।
इक दूजे के बनें रहें हम, मांगूं
ईश से यही वर मैं।
हो विकट समय जीवन का,दे
संबल मुस्कुराते रहना।
हर दुख सुख में धैर्य बन कर,
मुझे राह दिखाते रहना।

शिव सन्याल
कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।
www.womenexpress.in

माँ बिन कुछ नहीं

यूँ जो गाहेबगाहे तू मुझसे रूठ
जाती है ,
मेरी ज़िंदगी से सारी खुशियाँ
गुम हो जाती है ।
कर दो न मेरी गलतियों को
आज फिर से माफ़ ,
तेरे बिन तो मेरी प्यारी माँ मैं
कुछ भी नहीं हूँ।।
याद आती मुझे आज तेरी
झिड़की प्यार की ,
जो हूँ दूर तुझसे होती तलब तेरे
प्यार की ।
सारे शिकवेगिले भूलो अब कर
दो न मुझको माफ़ ,
तेरे बिन तो मेरी प्यारी माँ मैं
कुछ भी नहीं हूँ।।
नहीं चाह दौलतें मैं पाऊँ सारे
जहां की ,
जो हो पास तुम मेरे मै पाऊँ
खुशियाँ ज़माने की।
चलो कान पकड़ती हूँ मैं अब
मान जाओ ना ,
तेरे बिन तो मेरी प्यारी माँ मैं
कुछ भी नहीं हूँ।।
हाँ गलती हुई मुझसे जो तेरी
बात न माना ,
गुस्सा तो देखा पर तेरा प्रीत न जाना ।
तेरे जैसा मेरी अच्छी मां मुझे
कौन करे प्यार ,
तेरे बिन तो मेरी प्यारी मां मैं
कुछ भी नही हूँ ।।
बहुत हुई नाराजगी, बस भी
अब करो ,
छोड़ो तुम अपना गुस्सा, मुझको
माफ़ भी करो ।
वादा दिया न तोडूंगी , तेरा
कभी विश्वास ,
तेरे बिन तो मेरी प्यारी मां मैं
कुछ भी नहीं हूँ ।।

मोनिका राज
मुरलीगंज , मधेपुरा , बिहार।
www.womenexpress.in

इश्क है

कहना तो तुमसे बहुत कुछ है लेकिन
ख़ामोशी गर तुम मेरी सुन पाओ
तो मानूँ की इश्क़ है !

सवाल तो तुमसे बहुत करने है लेकिन
आँखे गर तुम मेरी पढ़ पाओ
तो मानूँ की इश्क़ है ।

टूट कर बिखरना तुम्हारी ही
बाहों में है
लेकिन कभी गोद में गर तुम सुलाओ
तो मानूँ की इश्क़ है ।

छूना तो तुम्हें ही है
लेकिन महसूस कराओ गर
तुम्हारा अस्तित्व
तो मानूँ की इश्क़ है ।

बेख़ौफ़ में बस लिखना चाहूँ तुम्हें
लेकिन थाम लो दो पल गर
तुम मेरी कलम
तो मानूँ की इश्क़ है ।

ज़िंदगी तो कट ही जाएगी तेरे बिना
लेकिन मौत तक तुम साथ गर तुम दो
तो मानूँ की इश्क़ है ।

कंगन चूड़ी गहने झुमके श्रिंगार है
लेकिन मुस्कुराहट गर तुम ले
आओ मेरे होंठो पर
तो मानूँ की इश्क़ है ।

सपने टूटे है अरमान बिखरे है
लेकिन जज़्बात मुझसे गर तुम
मेरे छीन पाओ
तो मानूँ की इश्क़ है ।

दिल तोड़ा है, मुझे छोड़ा है
लेकिन तुम कर दिखाओ गर
वही शिद्दत से महोब्बत
तो मानूँ की इश्क़ है ।

विकास मिश्रा
गोपालगंज, बिहार।
www.womenexpress.in

रूह कांप उठे

छलक पड़ते आंखों से आँसू
यौन शोषण होने की
ख़बर पड़ती कानों में
क्रोध में हो जाती आँखे लाल।
वहशी दरिंदा मील जाए
सब वहशीपन निकाल देंगे।

बहनों के रक्षासूत्र
कब काम आएंगे
गरूड़ पुराण में लिखा दंड
यमराज से पहले हम दे जाएंगे।

कलयुग में यही देखना रह गया
माता बहनों के संग।
वीर भाइयों के सर
शर्म से झुक गए ऐसे हादसों में
मोन रहने का समय
अब नही किसी के पास
रक्त आस का बचा
बहनों कीआन बचाने को।

सोचते रहे थे
धरा स्वर्ग बने वहशियों से ही
नही बन पा रही थी।

सजा दो ऐसी दस पीढियां
ऐसा करने से सोचे
भयमुक्त जीवन जीने का
बेटियाँ सोचे।

वहशियों को मिले
ऐसी सजा रूह कांप उठे।

संजय वर्मा
मनावर धार, (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

वक्त मिले तो

कभी वक्त मिले तो बस्तियों में
रह आना।
तम्बू लगाकर बारिश में,
तुम कुछ दिन ठहर कर आना।
थोड़ी सी जगह में पूरा परिवार रखना,
बिन पैसों के जीवन की चाह रखना।
लकड़ियां इकट्ठी कर स्वयं से
तुम भोजन का जुगाड़ करना।
ठण्ड में बिन कपड़ों के कभी
रात बसर कर आना,
कभी वक्त मिले तो बस्तियों में
रह आना।
नालियों की गंध, कीड़े मकोड़ों संग,
कुछ साथ निभा आना।
बीमारी के साये में हरपल जीते
दो पल की
खुशियां बना आना।
जो मिला वह बेहतर है,
ये पाठ ज़रा पढ़ आना।
ज़रूरतमंद की मदद में तुम
खुद को जिता आना,
कभी हार मान जाओ तो
बस्तियों में रह आना।
एक दिन का जीवन बिताकर देखो,
यदि कर पाओ तुम ऐसा तो
जीवन का तुम शुक्र मना आना,
हाथ बढाकर थोड़ा सा तुम प्यार
बांट कर आना।
अभाव के साथ भी जीते हैं वे,
हरपल में डर को लिए हुए।
टुकड़ेटुकड़े को तरस रहे,
अर्धनग्न से पड़े हुए।
ना शिक्षा ना ज्ञान यहां,
हरपल है अपमान यहां
कौन अपना कौन पराया,
कौन दे किसका ध्यान यहां।
दर्द महसूस कर तुम स्वयं से उनका,
उनके प्रति थोड़ा सम्मान जगा आना।
जी कर उनका जीवन तुम,
अपने से नीचे का मान समझ आना।
दबे लोगों में एक आस जगा आना,
वक्त मिले तो बस्तियों में रह आना।
कुछ कर ना सको तो प्यार से
बोल के शब्द सीख आना।
कर इनके काम का सम्मान
इंसानियत का द्वीप जगा आना।
कभी वक्त मिले तो बस्तियों में
रह आना।

प्रिया मिश्रा
छत्रपति नगर रीवा, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

सुरमई आखों के ख्वाब

सुरमई आखों ने फिर देखे हैं
ख्वाब कुछ नए से
जो सिमटे पड़े थे
दिल के किसी कोने में
कुछ अनछुए ,अछूते से
लफ्ज़ों के बंधन में
बंधने को आतुर
ज़मीनी सतह पर उतरने को बेकरार
एक आस की डोर
मखमली धागों से गुथीं
सतरंगी रंगों से रंगी
ज़िन्दगी में छिटकने को तैयार
पूर्ण होंगे अब सभी
ये विश्वास है मेरा....

रश्मि वत्स ।

व्यक्तित्व

ना जाने कितने सपने बुने मैंने
बचपन से आज तक
निश्छल मन भोली बातें
दिल की आवाज, धड़कन
इन सब में मैंने देखी,
अपने व्यक्तित्व की छवि,

तब अंदर से आवाज आई
मेरे मुक्त विचारों से
मेरे व्यक्तित्व छवि की,
कि अभी कुछ है और, पाने बाकी है,
सृजन, प्रेरणा, आत्मविश्वास
हां यही तो है, मेरा व्यक्तित्व
जो मुझे निखारता है,
मुझे वास्तविकता से,
परिचय कराता है,

धुंधली सी बातें, धुंधली सी यादें
उन्मुक्त गगन राहों की,
साथ में हैं मेरे उद्देश्य
कर्तव्य, लक्ष्य, विश्वास
हां यही तो है मेरे व्यक्तित्व

कर्मो की आशा,
उद्देश्य का निर्माण, लक्ष्य की पूर्ति
विश्वास का परिणाम,
हां यही तो है मेरा व्यक्तित्व

डॉ. मुक्ता कान्हा कौशिक
रायपुर, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

खुशी की तलाश

खुशी की तलाश में,
आज इतने बढ़ चले।
ज़िन्दगी तो मिली हमें,
पर ज़िन्दगी मिली नहीं।

क्या थे अरमान दिल के,
आज बयाँ कर चले।
ज़िन्दगी तो मिली हमें,
पर खुदसे दूर हो चले।
खुशी पाने की चाह में,
आज अपने छोड़ चले।
थामा हाथ बचपन का,
पर बचपन छोड़ चले।

एहसास तो तब हुआ,
जब दोस्त मिले गले।
अनजानों की तलाश में,
हम अपने छोड़ चले।

खुशी की तलाश में,
आज इतने बढ़ चले।
ज़िन्दगी तो मिली हमें,
पर ज़िन्दगी नहीं मिली।

गीतिका पटेल
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)।
www.womenexpress.in

जो दोस्त हैं, वही दुश्मन तो नहीं

मत समझो कि ये घना कोहरा है
तुम्हारे ख्व्वाबों पे सख्त पहरा है
जो दोस्त हैं, वही दुश्मन तो नहीं
सियासत का राज़ बहुत गहरा है
खेल तो कोई और ही खेल रहा है
किसान बस अदना सा मोहरा है
फकीरी की हद नहीं है तो और क्या
लोकतंत्र गरीबों की लाश पे ठहरा है

चीखों से अब सत्ता नहीं हिला करते
कहने वाला गूँगा, सुनने वाला बहरा है
कैसे पहचान पाओगे इस गफलत में
आखिर सच का कहाँ अपना चेहरा है

सलिल सरोज
www.womenexpress.in

पुरूष मन

नारी तुम कब पुरुष मन समझोगी
पुरूष के मनोभाव की संगिनी हो तुम
पुरूष के सुंदरता की प्रतिक हो तुम
पुरूष के जीवन की हरियाली हो तुम
पुरूष के डगर की सहपाठीनी हो तुम
पुरूष के दुःख सुख में हाथ
बंटाती हो तुम
पुरूष के आंगन की चांदनी हो तुम
पुरूष के घर की गृह लक्ष्मी हो तुम
पुरूष के कुल के विस्तार की
पहचान हो तुम
पुरूष के मन की अनमोल
मीत हो तुम
पुरूष के पुरूषार्थ की पहचान हो तुम
पुरूष के घर परिवार का
सम्मान हो तुम
पुरूष के अधुरे पन की पूर्णता हो तुम
पुरूष के मन को अब तो
समझो तुम

विनोद कुमार
जौनपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

इन्तजार

सूरज को कभी बेरौनक ना देखा
चाँद को तन्हा नहीं
फिर ये उजाला क्यों?
अंधेरों के पलकों से खेली
क्यों मेरी रात इतनी अकेली
जो कल तक मेरी खुशी में
ही थी तेरी खुशी
वो क्या वजह तेरी बेखुदी की
जिन पर हम मिलकर कुर्बान हुए
वो नजारे कहाँ गए?
चाँद को तन्हा छोड़कर वो सितारे
कहाँ गए?
कहीं ऐसा ना हो जाए कि
जिन्दगी की गज़ल हो जाए मेरा वजूद
मेरा आज तेरे लिए गुज़रा
हुआ कल हो जाए
इसी इन्तज़ार में कि शायद वो
कभी आ जाए !!

आभा सिंह
लखनऊ, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

मेरी कलम

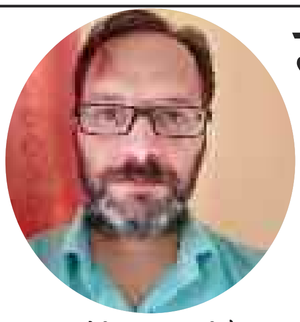

मेरी कलम कहती है
मैं कुछ यथार्थ
लिखना चाहती हूं जिसमें देशभक्ति,
अनेकता में एकता
और भाईचारे में लिपटी
दिखना चाहती हूं
ऐ कवि बताओ मुझे
कब वो दिन आएगा
या आपस में ही उठती
उंगलियों में यह स्वपन
अधूरा ही रह जाएगा
लिखने को तो लिख दूं
सब प्रेम से रहते यहां
पर नहीं मैं झूठ सी नहीं लगना
चाहती हूं
मैं उज्जवल भारत यथार्थ
लिखना चाहती हूं।

स्वामी दास
www.womenexpress.in

पीली पत्तियां

कल तक थी हरी भरी
आज मात्र हूं मैं पीली पत्तियां।
पेड़ ना हैं अब घर मेरा,
ना, सहलाता मुझे कोई हवा का
झोंका है।
पड़ी रहती हूं रास्ते पर,
बिन रंग, गंध के भी अस्तित्व मेरा हैं।

ना बंधी हूं, एक डाल से मैं,
ना उड़ने से रोकने को हैं कोई बेड़ियां,
हां मैं हूं पीली पत्तियां।

कहते हैं, सुरक्षित थी वो डाल
मेरे लिए,
तब मैं थी हरी पत्तियां,
अब जो उड़ गई डाल से,
अब ना दिखूंगी सजीली हरी पत्तियां,
अब मैं हूं पीली पत्तियां।
सुनो जवाब भी साथ ले जाओ,
सिर्फ कहो ना, कुछ सुनते
भी जाओ।

जब तक मैं सजी थी डाल पर,
तुम पेड़ भी हरे थे।
कई पक्षियों का बसेरा भी था वहां,
तुम पेड़ भी घनेरे थे।
मैं सिर्फ नहीं सजी तुम्हारे साथ,
तुम भी मुझसे ही सजीले थे।

अब हरी नहीं मुरझिली बनूं मैं,
अब ना बनना सजीली,ना
सजीली बनूं मैं,
हर रंग को जिऊं,
हर रंग में मिलूं मैं,
मिट कर भी खाद, स्वयं मिट्टी
की बनूं मैं।

पूजा कुमारी बाल्मीकि
दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल ।
www.womenexpress.in

खड़े खंडहर आज जो, कहते वे इतिहास

खड़े खंडहर आज जो, कहते
वे इतिहास।
कलाविरासत को लिए, देते
सुखअहसास।।
दिखती जिनमें श्रेष्ठता, होता गौरवबोध।
ढूँढ़ढूँढ़कर कर रहे, पढ़ने वाले शोध।।
कहीं महल,तो दुर्ग हैं, मंदिरमस्जिद रूप।
खंडहरों में हैं छिपी,बीते युग की धूप।।
नालंदा की भव्यता,संस्कार का नूर।
विश्वगुरू हम थे प्रखर, विद्या से भरपूर।।
कितना स्वर्णिम था कभी, जानें
आप, अतीत।
उसने यश, गौरव रचा, गया शरद
जो बीत।।
खंडहरों में शान है, खंडहरों में मान।
हर कोई क्यों ना करे, अपनों का
गुणगान।।
पूरबपश्चिम में चमक, उत्तर में सम्मान।
दक्षिण में है बंदगी, निज अतीत
की आन।।
सकल विश्व के पर्यटक, आते करने दर्श।
देख हमारी सभ्यता, सारे करते हर्ष।।
खंडहरों की जय सदा, कहें बहुत,
बिन बोल।
रक्षित स्थापत्य हो,सचमुच वह
अनमोल।।

प्रो. शरद नारायण खरे
मंडला (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

प्रेम प्रीत की रीत निराली

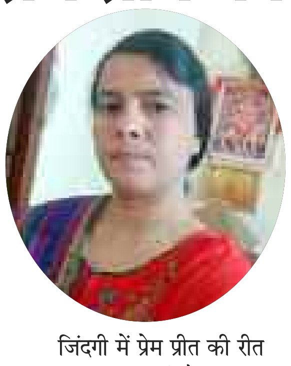

जिंदगी में प्रेम प्रीत की रीत
बहुत निराली है।
नव जीवन में ना जाने कब
प्रेम अंकुरण हो जाए।।

मिले एक अनजाने राह पर
दोनों आए।
एक छवि देखें और प्रेम की
प्रीत बन गई।।
बस मन में उनका ही ख्याल
मन को भाए।
एक बार देखें प्रेम हो गया
कैसी रीत लग गई।।
सच कहते हैं प्रेम प्रीत की रीत
बहुत निराली है।
जीवन में नव उमंग की
प्रफुल्लित मुस्कान आ जाए।।
बार बार मन में उनका ख्याल आना।
सोचना इक दूजे का जन्म
जन्म का साथ हो जाए।।
छवि देखते ही मन ही मन मुस्काना।
मिलने की चाहत होना एक
अटूट बंधन में बंध जाए।।

जिंदगी की राह में प्रेम प्रीत की
रीत बहुत निराली है।
जीवन में एक मिलन की मन
में प्रीत की रम जाए।।

बस वो पहली मुलाकात में
दोनों का मिलना।
प्रेम के बंधन में अटूट बंधना
और एक हो जाए।।
दो दिलों की धड़कन का अब
एक हो जाना।
यही वास्तविक जीवन में प्रेम
की प्रीत रीत बन जाए।।

भावना गौड़
ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

सुन्दर है वह हाथ

सुंदर है वह हाथ जो लिखते हैं
सृजन करते हैं शब्दों का,
प्रतिबद्ध रहते हैं, लिखने को सच,
बिना लाग लपेट बिना पक्षपात के
ना ही किसी स्वार्थ के लिऐ वो
लचकते हैं,
निष्पक्ष, निःसंदेह लिख देते
कथन स्पष्ट
बिना कपकपाते हुऐ, बिना डगमगाऐ
साहस से,
सलाम है उन हाथों को
जो लिखकर स्थिरता कायम रखते
समाज में संसार में,
हर क्षण, हर दिन, सालो साल तक
हर युग में,
सुंदर है वह हाथ जो श्रम करते हैं
सृजन करने में नवयुग का
पुनःजागरण का,
लिख देते जो मानवीय वेदना
कलाइयों से कलम थामकर
बढ़े जतनों से हिम्मत से,
अमर कर देते हैं
जो उन भावों को
रुह से पन्नों पर उतारकर,
सुंदर है वो हाथ
जो अस्थिरता को खत्म करते
संसार से
जब सज़ा देते मृत्युदण्ड का
फैसला लिखकर और
कलम तोड़कर सख्ती से
न्याय कायम रखने को संसार में,
सुंदर है वह हाथ
जो सफाई करते हैं
गंदगी को धरा से
फिर चाहे वह कूड़ा करकट हो
या सामाजिक कुरीतियां जग में,
हां सुंदर है वह हाथ
जो ममत्व से परिपूर्ण हैं
और सृजन कर रहे
हर क्षण, हर दिन, सालो साल तक,
हर युग में कुछ ना कुछ नया।।

दिव्या सक्सेना
ग्वालियर (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

अतुल वासन 3 सदस्यीय डीडीसीए सीएसी के अध्यक्ष नियुक्त

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 04 दिसंबर । भारत के पूर्व तेज गेंदबाज अतुल वासन को दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) की क्रिकेट सलाहकार समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

इस समिति में वासन के अलावा रोबिन सिंह जूनियर और भारत के लिए खेल चुके दिल्ली के ही खिलाड़ी परविंदर सिंह अवाना शामिल हैं। डीडीसीए के नवनियुक्त अध्यक्ष रोहन जेटली द्वारा हस्ताक्षरित एक पत्र में संघ ने कहा है कि यह समिति सर्वोच्च स्तर की पारदर्शिता के लिए जिम्मेदार होगी। साथ ही यह कोरोना हालात में राष्ट्रीय राजधानी में हो रहे टूर्नामेंट्स के बारे में डीडीसीए और बीसीसीआई को अवगत कराएंगे।

यह समिति डीडीसीए की चयन समिति के गठन, कोचों, मैनेजर्स एवं सपोर्ट स्टाफ की नियुक्ति को लेकर भी रिक्मेंडेशन देगी। बीते सप्ताह डीडीसीए ने वित्त समिति के अलावा सात और समितियों की घोषणा की थी। हालांकि आगामी घरेलू क्रिकेट सीजन को देखते हुए सबसे महत्वपूर्ण पैनल, क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) का गठन नहीं किया गया था। लीग और टूर्नामेंट समिति की भी घोषणा नहीं की गई है। सात सदस्यीय वित्त समिति की घोषणा सोमवार को की गई थी और अब समितियों की कुल संख्या आठ हो गई है। यह डीडीसीए के वित्तीय अनियमितताओं के इतिहास पर विचार करने वाली सबसे महत्वपूर्ण समिति है और इसके अध्यक्ष बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष और डीडीसीए के पूर्व उपाध्यक्ष सीके खन्ना की पत्नी शशि खन्ना हैं।

कंगना को कानूनी नोटिस, सिख संस्था ने अभद्र ट्वीट पर कहा माफी मांगो

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 04 दिसंबर । दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) ने बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत को कानूनी नोटिस भेजकर केंद्र के कृषि बिलों के खिलाफ विरोध कर रहे किसानों और कार्यकर्ताओं के खिलाफ उनके अपमानजनक ट्वीट के लिए बिना शर्त माफी मांगने की मांग की है। यह जानकारी कमेटी के अध्यक्ष ने शुक्रवार को दी।

डीएसजीएमसी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा, हमने कंगना रनौत को उनके अपमानजनक ट्वीट के लिए कानूनी नोटिस भेजा है, जिसमें उन्होंने एक किसान की वृद्ध मां को 100 रुपये में उपलब्ध होने वाली महिला के रूप में दर्शाया है। उनके ट्वीट किसानों के विरोध को राष्ट्रविरोधी बताते हैं। हम किसानों के

विरोध पर उनकी असंवेदनशील टिप्पणी के लिए उन्हें बिना शर्त माफी मांगने की मांग करते हैं। यह नोटिस अभिनेत्री के उस ट्वीट के मद्देनजर आया है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि शाहीन बाग वाली दादी राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न सीमा बिंदुओं पर नए कृषि कानूनों को लेकर विरोध कर रहे किसानों के आंदोलन में शामिल हुई हैं। अभिनेत्री ने बिलकिस बानो सहित एक और बुजुर्ग महिला की तस्वीर के साथ पोस्ट को रीट्वीट किया था और लिखा कि वही दादी जो टाइम मैगजीन में छपी थी, जो 100 रुपये में उपलब्ध थी। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा, हा हा हा वहीं दादी, जो टाइम मैगजीन में सबसे शक्तिशाली भारतीय बनी थी, और वह 100 में उपलब्ध रहती हैं। पाकिस्तानी पत्रकार ने भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय पीआर को शर्मनाक तरीके से अपहृत किया है। हमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारे लिए बोलने के लिए हमारे अपने लोगों की आवश्यकता है। इस मामले को लेकर रनौत और पंजाबी अभिनेतागायक दिलजीत दोसांझ के बीच गुरुवार को शब्दों का युद्ध भी देखा गया। गौरतलब है कि केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग को लेकर हजारों किसान एक सप्ताह से दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे हैं। इस मुद्दे को सुलझाने के लिए सरकार ने गुरुवार को किसान नेताओं के साथ चैथे दौर की वार्ता की। हालांकि, वार्ता एक बार फिर अनिर्णायक रही।

विलियम्सन का दोहरा शतक, न्यूजीलैंड ने 519 रन पर पारी घोषित की

हैमिल्टन, 04 दिसंबर । कप्तान केन विलियम्सन (251) के शानदार दोहरे शतक तथा काइल जैमिसन (नाबाद 51) के अर्धशतकों से न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन पहली पारी सात विकेट पर 519 रन बनाकर घोषित कर दी। न्यूजीलैंड की ओर से विलियम्सन ने 412 गेंदों में 34 चैकों और दो छक्कों की मदद से 251 रन बनाए। उनकी इस बेहतरीन पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने विशाल स्कोर खड़ा किया। दिन का खेल खत्म होने तक विंडीज की टीम ने बिना विकेट खोए 49 रन बनाए और क्रैग ब्रेथवेट (नाबाद 20) तथा जॉन कैंपबेल (नाबाद 22) रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले दूसरे दिन का खेल शुरु होने पर विलियम्सन ने 97 और रॉस टेलर ने 31 रन से आगे अपनी पारी की

शुरुआत की। लेकिन शेलडन गेब्रियल ने टेलर को जल्द ही आउट कर न्यूजीलैंड को तीसरा झटका दिया। टेलर ने 68 गेंदों में छह चैकों की मदद से 38 रन बनाए। न्यूजीलैंड की पारी हालांकि बीच में लड़खड़ा गयी और उसके मध्यक्रम के बल्लेबाज कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके। लेकिन विलियम्सन एक छोर से पारी को संभाले रहे तथा उनका साथ जैमिसन ने बखूबी दिया। दोनों खिलाड़ियों के बीच सातवें विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी हुई। विलियम्सन का विकेट अलजारी जोसेफ ने लिया और उनके आउट होने के कुछ देर बाद ही न्यूजीलैंड ने पारी घोषित कर दी। न्यूजीलैंड की पारी में टॉम लाथम ने 86, टॉम ब्लंडेल ने 14, हेनरी निकोल्स ने सात और विल यंग ने पांच रन बनाए जबकि जैमिसन ने 64 गेंदों में पांच चैकों और दो छक्कों की मदद ने नाबाद 51 और टिम साउथी 11 रन बनाकर नाबाद रहे।

आईएसएल-7ः चेन्नइयन की नजरें विजयी वापसी पर

गोवा, 04 दिसंबर । पूर्व चैम्पियन चेन्नइयन एफसी आज बोम्बोलिम के जीएमसी स्टेडियम में बेंगलुरु एफसी के खिलाफ होने वाले मुकाबले को जीतकर हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में एक बार फिर से जीत की पटरी पर लौटना चाहेगी। सीजन के अपने पहले मैच में जमशेदपुर एफसी के खिलाफ 21 की जीत दर्ज करने के बाद कोच कसाबा लाजलो की टीम चेन्नइयन को केरला ब्लास्टर्स के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेलकर अंक बांटना पड़ा था। जहां एक तरफ बेंगलुरु की टीम इस सीजन में लगातार दो ड्रॉ खेलकर अपनी पहली जीत की तलाश में है, तो वहीं चेन्नइयन के पास इस मैच को जीतकर तीन अंक लेने का मौका होगा। लाजलो ने भले हाल ही में ही चेन्नइयन के साथ अपने कार्यकाल की शुरुआत की हो।

वरुण धवन, अनिल कपूर और नीतू कपूर कोरोना पॉजिटिव? बंद करनी पड़ी फिल्म की शूटिंग

मुंबई, 04 दिसंबर । फिल्म 'जुगजुग जियो' की शूटिंग से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। इस फिल्म के सेट से कुछ लोगों के कोरोना पॉजिटिव आने की खबर है। फिलहाल, फिल्म की शूटिंग रोक दी गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनिल कपूर, वरुण धवन, कियारा आडवाणी और नीतू कपूर कोविड19 की चपेट में आ गए हैं। चारों कलाकारों की कोरोना टेस्ट रिपोर्ट गुरुवार शाम आई है। हालांकि, अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म से जुड़े सूत्रों की मानें तो वरुण धवन, अनिल कपूर, नीतू कपूर और कियारा अब शूटिंग छोड़कर घर के लिए निकल गए हैं। ये सभी कलाकार आइसोलेशन में

रहेंगे। हाल ही में कलाकारों ने शूटिंग के दौरान सेट पर से एक खूबसूरत तस्वीर को शेयर किया था। बता दें कि 'जुगजुग जियो' 30 अप्रैल को ऋषि कपूर के निधन के बाद नीतू कपूर की पहली फिल्म है। नीतू ने इस फिल्म की शुरुआत करते समय एक तस्वीर शेयर कर फैंस को इस बात की जानकारी दी थी। इससे पहले हिमाचल प्रदेश में छुट्टियां मनाने गए अभिनेता और भाजपा सांसद सनी देओल के भी कोरोना पॉजिटिव होने की खबर आई थी।

अंगिरा मेडे के कास्ट में बिग बी, अजय, रकुल संग शामिल

मुंबई, 04 दिसंबर । अभिनेत्री अंगिरा धर आने वाली थ्रिलर फिल्म मेडे के कास्ट में अमिताभ बच्चन, अजय देवगन और रकुल प्रीत जैसे कलाकारों संग शामिल हुई हैं। अंगिरा फिल्म में एक वकील के किरदार में नजर आएंगी। अंगिरा अब से पहले कमांडो 3 में नजर आई थीं। वह कहती हैं, अमिताभ सर और अजय सर जैसे हमारी फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गजों संग स्क्रीन साझा करने के लिए मैं वाकई में बेहद रोमांचित और उत्साहित हूं। यह एक काफी उल्लेखनीय सफर होने जा रहा है। मिस्टर देवगन द्वारा निर्देशित किए जाने का अब और इंतजार नहीं हो रहा है।

भूमि पूजन

भूमि पूजन का अवसर आया,
है यह अमूल्य धरोहर हमारी,
कठिनाइयों से इसको पाया,
राम भक्तों की कठिन तपस्या
से, यह सुनहरा अवसर आया,

हो रहा है शुभारंभ अब तो,
भव्य राम मंदिर के निर्माण का,
वर्षों के इंतज़ार के बाद, अब
आया है दिन शिलान्यास का,

भक्ति में कितना दम है, राम
भक्तों ने तो यह दिखा दिया,
सत्य का हाथ थामे आगे बढ़े,
हर चुनौती को स्वीकार किया,
भूमि के वाद विवाद से तो,
भगवान भी अछूते नहीं रह पाए,
इंसानों की अदालत में, वह भी
ना जाने कितनी बार हैं आए,

पहले वानरों को साथी बनाया,
अब इंसानों को आज़माया,
प्रभु के आशीर्वाद के दम पर,

तो आओ इस खुशी के अवसर
को, एक त्यौहार हम बना दें,
मंदिर निर्माण में भक्ति की, एक
एक ईंट हम भी लगा दें,

अद्भुत रस उत्पन्न हो जाए,
इतना अलौकिक यह स्थल हो,
आँखें वहां से हटने ही ना पायें,
जहां रामलला के दर्शन हों,

कृपा दृष्टि बनी रहे श्री राम
की, संपूर्ण धरा का कल्याण हो,
जितने मानव हैं धरती पर,
सभी के लिए सुखों का संचार हो।

रत्ना पांडे
वडोदरा (गुजरात) ।
www.womenexpress.in

माँ लिखना चाहता हूँ

माँ लिखना चाहता हूँ
चंद अक्षर तेरी शिक्षाओं के।
मिट्टी से मानव बनाने की
तेरी पाक अदाओं के।
दूध पिलाई छाती का माँ।
कसम दिलाई माटी का।

बिना पढ़े किताबें काँपी
तू थी माँ अति शिक्षित।
भोर रोज़ जगा हमें तू
पढ़ने को बैठाया प्रतिदिन।
फटे हों कपड़े,
पर नई किताबें ।
यही सदा दी
तूने शिक्षा।
खाओ आधा पेट भले तुम
कभी न मांगो किसी से भिक्षा।
न कभी भी किसी बड़े से डरो।
पर दीन दुखी का सदा मदद करो।
आज जहाँ भी हम हैं माँ।
तेरे ही शिक्षा के बल हैं माँ।

महेश वर्मा ।
www.womenexpress.in

भारत देश हमारा

हिदुस्तान हमारा प्यारा ,जन
जन का है नारा ।
भारत माँ के जयकारों से ,
गूंज रहा जग सारा ।
छटा प्रकृति की अद्भुत
बिखरी, अनुपम रूप घनेरे ।
ऋषियों, मुनियों, विद्वानों के,
सदा रहे हैं डेरे ।

गंगा, जमुना, सरस्वती की,
बहती निर्मल धारा ।
भारत माँ के जयकारों से, गूंज
रहा जग सारा ।।

लाल किला है शान देश की,
ध्वजा यहीं फहराते ।
चिह्न प्रेम का ताजमहल है,
सभी देखने आते ।
वीर सपूतों ने इस भू पर, तन
मन अपना वारा ।।
भारत माँ के जयकारों से, गूंज
रहा जग सारा ।।

नीलवर्ण परिधान पहन नभ,
करता करतब न्यारे ।
सागर में भी गहरे कितने, मोती
बिखरे प्यारे ।।
सूरज निकले बाँह पसारे, करे
दूर अँधियारा।।
भारत माँ के जयकारों से ,
गूंज रहा जग सारा ।।

सुरभित, सुंदर पुष्प निराले, नई
ताजगी देते ।
औषधियों से पूरित वन भी,
कठिन रोग हर लेते ।
इस भारत माता पर अपना,
अर्पण जीवन सारा ।।
भारत माँ के जयकारों से,गूंज
रहा जग सारा ।।

रीना गोयल
(हरियाणा)।
www.womenexpress.in

कोरोना में बेबस गरीब...!!

भगवान गर ये तेरी दुनिया है ।
तो क्यों ऐसी है ?
क्यों है की कुछ लोगों के पास
है इतना है ?
नहीं है कुल दुनिया के पास भी
जितना है ।
अब तू ही कुछ कर, गरीबों की
हालत पे रहम कर ।

हर तरफ भूख है, और फैली महामारी,
मजदूरों की हालत, बेबस और लाचारी ।
ज़िन्दगी मौत से यहाँ, मौत
ज़िन्दगी से हारी,
कोसों चल मंजिल, सफर नंगे
पाँव जारी ।

क्यों चुप है सरकार ? गरीब
पैदा होना बीमारी,
ऊपर से आसमां और बाढ़ ने
भी प्रलय मचायी ।
गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी
क्या कम थी ?
और ऊपर से नयी मुसीबत
कोरोनावायरस आयी है ।

अब तू ही कुछ ऐसा कर, तेरे
होने का भरम बना रहे ।
देर तलक रहे कुछ ऐसा की
विश्वास बना रहे ।
इंसान रहे और इंसानियत का
धर्म बना रहे ।
देखना है और कितना इम्तिहान
लेना तेरा बांकी ।
इस तरह दर्द का निशां और भी
ना दे गहरा ।
जो तेरी ये दुनिया है, तो क्यों
तेरी ऐसी दुनिया है ?

प्रिंस राज
भागलपुर (बिहार)।
www.womenexpress.in

जीवन के इस मंच पर चल रहे कई खेल

जीवन के इस मंच पर चल रहे
कई खेल,
हैं कई किरदार यहाँ, रहे एक
दूसरे को ठेल
कोई शिकारी बन जाल
बिछाता हर ओर,
भूल जाता अहं में,
किसी और के हाथ में, उसके
जीवन की डोर
बन कोई मदारी यहाँ है आया,
नाचनाचके सबको हँसाके,

जिसने खुशियों को चेहरे पर
बिखराया
कटोरा लिए हाथ में देखा,
बनकर आया कोई भिखारी,
अलग अलग कर्मों से ही,
बनी पहचान हमारी
मारोमारी में सुविधाओं की,
फिरता ये जग,
अंत समय तक,
सोना चाँदी, गाड़ीबंगले, कपड़ा
लत्ता सब छोड़,
हर कोई चढ़ता चार खूँटे की सवारी
सुखद नींद जब आती सबको,
कोई हिसाब, न आता जुलाब,
न रोज़ की तूतू न मैंमैं,
छूटती झंझटों से जान हमारी,
न ही कोई नगदी, न कोई उधारी

भावना अरोड़ा, मिलन
कालकाजी, नई दिल्ली
www.womenexpress.in

वो लम्हे जो तेरे संग बिताए

मलयज सा मेरे बदन को महकाते
फूलों की पंखुड़ियों से मुझे सहलाते
प्रीत की बूंदों से मुझको भिगो जाते
बैठकर सामने अपलक मुझे निहारते

अंतर्मन के शब्दों से गीत तुम बनाते
मैं राधिका तुम कान्हा बन जाते
मुझ पर अपना प्यार तुम लुटाते
एक आहट पर मेरे दौड़े चले आते

वो लम्हे जो तेरे संग बिताए
आज भी मुझको बहुत याद आते
मेरी आंखों में नमी दे जाते
हर पल तेरी तस्वीर दिखलाते

तुम मुझको प्यार से प्रियतमा बुलाते
चंपा चमेली की खुशबू से मुझे महकाते
मेरे संग संग प्रेम के तराने तुम
भी गाते
चांद सितारों की दुनिया में मुझे
ले जाते

सुंदर सपने मेरी पलकों पर सजाते
मेरे खूबसूरत चेहरे को चांद
तुम बुलाते

मेरी मुस्कान के लिए कुछ भी
कर जाते
कांधे पर सर रख तेरे हर गम
को भूल जाती
तेरे प्यार के रंग से सराबोर मैं
हो जाती

दिल की धड़कनों में बस गए
वो लम्हे
कितने खूबसूरत थे वो चंद लम्हे
मेरे होंठों की मुस्कान थे वो लम्हे
भूले से भुलाएं नहीं जाते वो लम्हें
वो खूबसूरत लम्हें बहुत याद आते।

प्रेमलता चौधरी
फालना, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

शून्य नयनों में लेकर

मन के मन्दिर का तुमको बना देवता,
बन पुजारन तुम्हें पूजती मैं रही।
नेह का तेल, विश्वास की
बाती संग,
नाम तेरे दिया नित जलाती रही।
शून्य नयनों में लेकर के

तस्वीर तेरी,
मूक अधरों से तुझको बुलाती रही।
मन के मन्दिर का तुमको बना देवता,
बन पुजारन तुम्हें पूजती मैं रही।
तुम रहो दूर या पास मेरे पिया,
बस तेरे नाम से ही ये धड़के जिया।
कह सकी न कभी भी मेंरी भावना,
भाव कविता में अपने सजाती रही।
नेह का तेल, विश्वास की
बाती संग,
नाम तेरे दिया नित जलाती रही।
मन के मन्दिर का तुमको बना देवता,
बन पुजारन तुम्हें पूजती मैं रही।

रश्मि पाण्डेय,
फतेहपुर, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

करूण पुकार

ग़रीबी की रेखा के नीचे कैसे
भला कोई सोचे ,
दिन रात करके मेहनत पेट पालती
नौनिहालों का , तन भी बेचा ,
मन भी बेचा , बेचा ज़मीर उस
मजबूर मां ने , ताकि मिल सके
उसके नौनिहाल को दो निवाले ।
कब सहती , कितना सहती ,
हाड मास का इन्सान ही तो थी ।
छोटा था जब तो चिपकाए रहती
सुखी छाती से , अब तो खाने को
अन्न चाहिए , करती थी मज़दूरी

साहूकार की आंखें तोलती रहती थी
उसको , सहती सब थी मज़बूरी ।
सो गई आज वो तक हार कर ,
उड़ उसके प्राण पंखेरू , नौनिहाल
बैठा देख रहा क्यो ना मां आज
उठती है , ना बोलती और ना हंसती है ।
उठो ना मां उठो तो लाल तेरा
पुकार रहा , मांग रहा टुकड़ा रोटी
का , खींच चादर तेरी उतार रहा ।
नहीं देनी ग़र मां रोटी तो मत
देना , उठ जाओ एक बार मां तुम
मुझसे यूं ना तुम रूठना ।
कौन सुनेगा करूण पुकार
मासूम की , कौन दिलाशा दिलाएगा
, मां तो मां ही होती है , अब मां
जैसा कौन भला बन पाएगा ।

प्रेम बजाज
जगाधरी (यमुनानगर)।
www.womenexpress.in

अजीब किस्से है धूप के

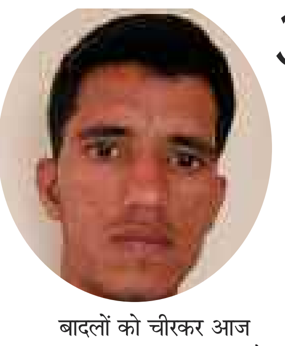

बादलों को चीरकर आज
फिर चमकीली धूप निकली है।
गुलमोहर की टहनियों को
छेदकर सुनहरी धूप खिली है।
धूप जाड़े में अच्छी लगती है।
धूप तन को तरोताज़ा करती है।

जैसे जैसे सूर्य निकलता है।
धूप का तेज़ भी बढ़ता है।
ज़ब रहता दिवाकर सर के ऊपर
तब धूप अपने चरम पे होती है।
जैसे जैसे दिनकर ढलता है।
वैसे वैसे धूप भी कम हो जाती है।

पहले माँ डांटती रहती थी
बेटे धूप में मत जाया कर
अब जाड़े में माँ धूप में
तन सेकने को कहा करती है !
अजीब किस्से है धूप के
छाँव से अच्छे किस्से है धूप के

सर्दियों में धूप से प्रेम करो।
अन्य ऋतुओं में धूप से जलो।
धूप प्रकृति का उपहार है।
कभी प्यार तो कभी इनकार है।
धूप में जले तन को छाँव की दरकार है
धूप का रंग रूप ना कोई
आकार है।
ठंड से कांपती धरा को धूप
अपनी किरणों से बचाती है।
नदी, नालों, पर्वत चोटियों,
झरनों सबको धूप चमकाती है
धूप ही बारिश को लाती है।
धूप गगन मे इंद्रधनुष बनाती है।

धूप ही पकाती है खेतों का अन्न।
मिट्टी के टीलों पे पड़े धूप तो
सोने जैसा चमकता है कण कण।
बनता मौसम सुहाना धूप से।
भीगे हुवे कपड़े सूखते है धूप से।
जीवन सम्भव नहीं बिना धूप के !!

भगवान सिंह
डीडवाना, राजस्थान
www.womenexpress.in

किसान हूँ मैं

किसी का दिया नहीं खाता हूँ
अपना परिश्रम स्वयं करता हूँ
खेतों में हल और ट्रेक्टर
चलाता हूँ
धूप में पसीना बहाता हूँ
ठंडी और गर्मी के थपेडे सहता हूँ
बारिश और तूफान का सामना
करता हूँ
प्रकृति के प्रकोप सहता हूँ
बंजर मिट्टी को उपजाऊ बनाता हूँ
मैं अन्नदाता हूँ, अन्न उगाता हूँ
पूरे संसार का पेट भरता हूँ
मैं किसी की दया नहीं,सिर्फ
अपना हक चाहता हूँ
मुझे उचित मूल्य मिले मेरी
फसल का
इसलिए उचित मुआवजा
चाहता हूँ

मैं कोई सरकार का नौकर नहीं
वेतन और बोनस नहीं लेता हूँ
मेहनत मैं करता हूँ, पर लाभ
दूसरे उठाते हैं
मुझसे टमाटर दो रूपये किलो
मे ले कर
बाजार में चालीस रूपये तक
कमाते है।
मैं व्यापारी नहीं हूँ
हाँ पर किसान जरूर हूँ
मेरी जरूरत सभी को है
मैं मिट्टी में सोना उगाता हूँ
हाँ पर सुनार नहीं हूँ
तभी तो उस सोने को औने
पौने दामों में बेच देता हूँ

अब तक तो मैं अंजान था
पर अब अपनी कीमत समझी है
अब मुझे फंसना नहीं है किसी को
पर अपना हक और उचित
मूल्य जरूर चाहिए
अब मैं चुप नहीं बैठूगा
मुझे लाचार और कमजोर न
देखा जाए
मेरी काबिलियत का मूल्यांकन
होना चाहिए

सारिका, जागृति
ग्वालियर (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

भोर का तारा

निर्मल मंदाकिनी, प्रवाहित होती
है , कल कल ध्वनियों पर।
ठंडी ठंडी हवा बह रही, तन
ढकने का करे इशारा।
बत्तख घर से निकल रहे हैं,
पंक्तिबद्ध होकर बतियाते।

निशा जा चुकी, अपने घर पर,
फैल रहा है अब उजियारा।
गूंज उठा संगीत, फिजां में,
मधुर मनोहर कितना प्यारा।
पंछी कलरव करते, उड़ते,
चहक रहे आपस में मिलकर।
अपना अपना सुख दुःख
कहकर, भूल गए हैं
दुःख वे सारा।
निशा जा चुकी, अपने घर पर,
फैल रहा है अब उजियारा।।

उनको बहुत पसंद मिले जो,
नन्हीं मछली का हो चारा।
लोग बाग , चहलकदमी के
लिए, घरों से निकल पड़े हैं,
आसमान पर दमक रहा है,
सबको देख भोर का तारा।।
निशा जा चुकी अपने घर पर,
फैल रहा है अब उजियारा।।

पद्म मुख पंडा,
रायगढ़, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

एक नजर

सुपौल में नौ दुकान में लगी आग, आठ घायल

सुपौल । बिहार में सुपौल जिले के निर्मली थाना क्षेत्र में कई दुकानों में आग लगने से आठ लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को यहां बताया कि निर्मली रेलवे स्टेशन के समीप गुरूवार की देर रात एक दुकान में आग लग गयी। देखते ही देखते आग ने आसपास के आठ अन्य दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इन दुकानों में चार रसोई गैस सिलिंडर में विस्फोट हो गया। इस दौरान आग बुझा रहे आठ लोग घायल हो गये। घायलों को निर्मली प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है। प्राथमिक उपचार के बाद दो लोगों को गंभीर अवस्था में दरभंगा चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल रेफर कर दिया गया है। इस बीच एंबुलेंस और दमकल की टीम के देर से पहुंचने पर आक्रोशित लोगों ने मौके पर पहुंची पुलिस पर पथराव किया।

पंजाब से सिंघु बॉर्डर पहुंची डॉक्टर की 70 टीमें

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 04 दिसंबर । पिछले नौ दिनों से चल रहा किसान आंदोलन अभी भी लगातार जारी है। इस बीच यहां किसानों की सेहत का भी पूरा ख्याल रखा जा रहा है। जिसके लिए कई मेडिकल टीम पंजाब से दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर आई हैं और मोबाइल सेवा की तरह अलगअलग टीमें दवाइयां लेकर पूरे एरिया में घूम रही हैं। जिससे जरूरत पड़ने पर डॉक्टर इन किसानों को दवाई मुहैया करा सकें। सिंघु बॉर्डर पर किसानों के बीच पंजाब से आए डॉक्टर्स की टीमें हैं, जो अलगअलग जगह पर जाकर किसानों को दवाइयां बांट रही हैं। सिंघु बॉर्डर पर किसानों के बीच में जो हेल्थ कैंप लगे हुए हैं। उसके अलावा बड़ी संख्या में डॉक्टर और पैरामेडिकल की टीमें दवाइयां

लेकर लोगों के बीच में और ट्रैक्टर ट्रॉलियों के पास घूम रही हैं और जिसको जो भी तकलीफ हो उसके हिसाब से दवाई दे रहे हैं। यदि किसी को ज्यादा दिक्कत है या कोई ज्यादा बीमार है तो उसको कैंप में ले जाकर ट्रीटमेंट किया जाता है। इन डॉक्टर्स का कहना है कि वे खुद किसान नहीं हैं। हल तो चलाकर किसानों की मदद कर नहीं सकते, क्योंकि हमें हल चलाना नहीं आता। हम तो डॉक्टर हैं, इसलिए आंदोलन स्थल पर जाकर उन्हें इलाज देकर उनकी मदद कर सकते हैं। बड़ी संख्या में डॉक्टर और पैरामेडिकल की टीम इस तरह से सिंघु बॉर्डर के पूरे एरिया में किसानों के बीच में अलगअलग जगह पर लगी हुई हैं। इन टीमों ने बताया कि दिल्ली के सभी आंदोलनकारी बॉर्डर्स पर उनकी इस तरह की टीमें जुटी हुई हैं। पंजाब से आए डॉक्टर्स का कहना है कि उनकी करीब 70 टीमें इसी तरीके से पूरे आंदोलन में जगहजगह दवाइयां ले जाकर जरूरतमंद किसान भाइयों की सेवा कर रही हैं। जब तक किसानों का आंदोलन चलेगा। पूरी टीम यहीं रहकर सिंघु बॉर्डर पर ही आंदोलन कर रहे किसानों की सेहत का ख्याल रखेंगी।

जम्मू-कश्मीर और लेह-कारगिल मे जल्द गठिए जाएंगे वक्फ बोर्डः नकवी

नई दिल्ली, 04 दिसंबर । केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शुक्रवार को कहा कि जम्मूकश्मीर और लेहकारगिल में जल्द वक्फ बोर्ड गठित किए जाएंगे तथा इसको लेकर प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। केंद्रीय वक्फ परिषद की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद नकवी ने यह भी कहा कि 370 के खात्मे के बाद जम्मूकश्मीर और लेहकारगिल में पहली बार गठित होने वाले वक्फ बोर्डों के द्वारा वक्फ सम्पत्तियों का सदुपयोग सुनिश्चित होगा एवं इन सम्पत्तियों के सामाजिक आर्थिकशैक्षिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल के लिए ''प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम'' के तहत भरपूर मदद की जाएगी। उन्होंने बताया, ''जम्मूकश्मीर एवं लेहकारगिल में हजारों वक्फ सम्पत्तियां हैं जिनके पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है। वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलीकरण एवं जियो टैगिंग/जीपीएस मैपिंग का काम भी शुरू कर दिया गया है जिसे जल्द ही पूरा कर दिया जाएगा। मंत्री

के मुताबिक, केंद्रीय वक्फ परिषद की बैठक में कई राज्यों में वक्फ सम्पत्तियों में हेरफेर और माफियाओं द्वारा कब्जे पर गंभीर रुख अपनाते हुए राज्य सरकारों को कहा गया है कि ऐसे वक्फ माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही सुनिश्चित कर वक्फ सम्पत्तियों की सुरक्षा और सदुपयोग सुनिश्चित कराया जाए। केंद्रीय वक्फ परिषद की टीम संबंधित राज्यों का दौरा करेगी। नकवी ने कहा कि 'प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम' के तहत देश के अन्य भागों की तरह जम्मूकश्मीर, लेहकारगिल में वक्फ सम्पत्तियों पर केंद्र सरकार द्वारा स्कूल, कॉलेज, आईटीआई, गर्ल्स हॉस्टल, आवासीय स्कूल, कौशल विकास केंद्र, बहुउदेशीय सामुदायिक केंद्र 'सद्भाव मंडप', 'हुनर हब', अस्पताल, व्यावसायिक केंद्र, कॉमन सर्विस सेंटर आदि का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जायगा। उनका कहना है कि इन ढांचागत सुविधाओं के निर्माण से समाज के जरूरतमंदों विशेषकर लड़कियों की शिक्षा के लिए बेहतर सुविधा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर मुहैया होंगे।

महाकालेश्वर मंदिर की व्यवस्थाएं होगी हाई टैकः सूर्यवंशी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

उज्जैन। यहां के विश्व विख्यात श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर की व्यवस्थाओं को हाईटेक किया जा रहा है। मंदिर प्रशासक नरेंद्र सूर्यवंशी ने बताया कि मृदा परियोजना का कार्य तेजी से चल रहा है व हम इसे समय से पूर्व ही पूर्ण करने का प्रयास करेंगे, इसके अंतर्गत महाकाल रुद्रसागर क्षेत्र का समग्र विकास होकर, उज्जैन को देश के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रयास श्रद्धालु सुविधा पर केंद्रित हैं, जिससे आम जन उज्जैन से सुखद अनुभव लेकर जावें। इसी कड़ी में मंदिर की दर्शन व्यवस्था, सुरक्षा, विभिन्न पर्व, तीज त्यौहार, सवारी, संस्कृतिक परंपरा निर्वहन व क्राउड मैनेजमेंट के हाई टेक नियंत्रण किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में एचडीएफसी बैंक की आईटी टीम ने मंदिर हेतु एक समग्रएप्प का सुझाव दिया व मंदिर अधिकारी गण के सम्मुख प्रस्तुति दी। इस एप्प से श्रद्धालु सभी सुविधाएं, व्यवस्थाएं यथा दर्शन समय, प्रवेश द्वार, पूजन स्थिति आदि सभी कुछ न सिर्फ़ स्क्रीन पर देख सकेंगे, बल्कि सभी आँकड़े भी एक क्लिक पर उपलब्ध होगे। मंदिर प्रशासक ने कहा कि हम

अर्चना, आरती, जीवंत प्रसारण, प्रसाद प्राप्ति, दान व्यवस्था, अग्रिम दर्शन, अतिथि निवास बुकिंग आदि सभी को एक क्लिक से देख व उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि यह मन्दिर प्रशासन के लिये नियन्त्रण का कार्य जैसे स्थान विशेष पर दर्शनार्थी संख्या, क्यू की सुविधाओं के विस्तार के अनुरूप ही मैनपॉवर प्लानिंग, तैनाती, प्रशिक्षण आदि पर भी सघन ध्यान दे रहे हैं। इस दौरान प्रस्तुति में एचडीएफसी बैंक प्रबंधक पाठक, आईटी विशेषज्ञ जाट, मन्दिर अधिकारी जूनवाल, आरके. तिवारी, उदेनिया आदि उपस्थित थे।

बीजेपी सरकार पूंजीपतियों से मिलकर किसानों के खिलाफ रच रही षडयंत्र

लखनऊ, 04 दिसंबर (वेबवार्ता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार दिन में किसानों से बेनतीजा वार्ता करती है और रात में पूंजीपतियों से गुपचुप बातें कर किसानों के खिलाफ षडयंत्र रचती है।अखिलेश यादव ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि, भाजपा सरकार दिन में किसानों से बेनतीजा वार्ता करती है व रात में पूंजीपतियों से गुपचुप बातें कर किसानों के खिलाफ षडयंत्र रचती है। भाजपा सरकार वार्ता को लंबा खींचकर भी आंदोलन को कमजोर न कर पायेगी क्योंकि देश किसानों के साथ है। किसानों को सता कर भाजपा सत्ता मे नहीं रह पाएगी।

इससे पहले अखिलेश यादव ने अपने एक बयान में कहा था कि भाजपा के कुशासन से अन्नदाता बर्बाद है। भाजपा राज में किसान की आय दुगुनी करने के झूठे आश्वासन से कृषि कानूनों की आड़ में किसानों की जमीन हड़पने का जो षडयंत्र है उसे खेती किसानी करने वाले अच्छे से समझते हैं। किसानों का असंतोष आक्रोश बनकर फूट पड़ा है। भाजपा शासित राज्यों के किसान भी आंदोलित हैं। किसान भाइयों के हित में समाजवादी सरकार ने एमएसपी दिलाने के लिए मंडियों की स्थापना और कृषि सुरक्षा

वाली संरचना के विस्तार पर कदम उठाए थे, भाजपा ने इनको चैपट करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि किसानों के आंदोलन को उलझाने के लिए विपक्ष पर आरोप लगाए जा रहे हैं। साथ ही भाजपा अपने किए को सही ठहराने की हठधर्मी भी पाले हुए है। समाज अब जागरूक और सजग है। उसे कोई भ्रमित नहीं कर सकता है। किसान जवाब और समाधान तत्काल चाहता है।

भू-माफियों पर चल रहा योगी सरकार का हंटर, अब तक 67 हजार हेक्टेयर से ज्यादा जमीन अतिक्रमण से मुक्त

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

लखनऊ । योगी सरकार ने 2017 से लगातार भूमाफियाओं पर हंटर चला रही है। सरकार ने अब तक प्रदेश में 67,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराया जा चुका है। सरकार ने एंटी भूमाफिया पोर्टल बनाने के साथ ही सभी जिलों में भूमाफिया टास्क फोर्स का भी गठन किया है। पोर्टल पर आई अब तक 2 लाख 87 हजार से अधिक शिकायतों को दूर किया जा चुका है।

जहां एक ओर अभियान के दौरान राजस्व विभाग से संबंधित 22,838 मामले और 814 सिविल सूट पंजीकृत किए गए हैं वहीं दूसरी ओर भूमाफियाओं के खिलाफ 4,210 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। एक अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में 2,300 से अधिक भूमि अतिक्रमणकारियों की पहचान भू माफियों के रूप में की गई और 182 भूमाफियों को जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायत मिलने पर एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स मौके पर पहुंच जमीन को अवैध अतिक्रमण से मुक्त करा के उसको संबंधित विभाग को सौंप देती है। सिंचाई, शिक्षा, पीडब्ल्यूडी, वन और अन्य सरकारी विभागों से जुड़ी जमीनें एक लंबे समय से भूमाफियों के निशाने पर रहीं हैं। लेकिन जब से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने के लिए लोगों को एक नया विकल्प मिला तब से शिकायतें दोगुनी रफ्तार से दर्ज होने लगी हैं। यूपी सरकार को 2,88,745 शिकायतें मिली हैं। सरकारी भूमि के साथसाथ टास्क फोर्स निजी भूमि पर अतिक्रमण की शिकायतों पर भी कार्रवाई करता है। शिकायतकर्ता अपनी पहचान को गोपनीय रखते हुए शिकायत कर सकते हैं। अधिकारी ने बताया कि शिकायत दर्ज कराने के अलावा शिकायतकर्ता अपनी शिकायतों पर हुई कार्रवाई की जानकारी भी पोर्टल के जरिए ले सकता है। इसके साथ ही कार्रवाई की निगरानी करने और प्रतिक्रिया देने की सुविधा भी पोर्टल पर दी गई है। इस ऑपरेशन के तहत यूपी पुलिस ने अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, योगेश भदोरा, रमेश प्रधान, बदन सिंह, सुदंर भाटी, विजय मिश्रा समेत यूपी के कई बाहुबली माफियाओं के हौसलों को पस्त करते हुए उनकी संपत्तियों को जब्त कर उन्हें गिरफ्तार किया है।

फतेहपुर सेना भर्ती रैली को लेकर बुलावा पत्रों का वितरण 07 दिसम्बर से होगा शुरू

लखनऊ । प्रदेश में वर्ष 2019 20 के लिए फतेहपुर सेना भर्ती रैली को लेकर अब बुलावा पत्र भेजा जाएगा। उम्मीदवारों के पास कोरोना की नकारात्मक रिपोर्ट होना अनिवार्य है। मध्य कमान के प्रवक्ता के मुताबिक भर्ती रैली की सामान्य प्रवेश परीक्षा 01 नवम्बर 2020 को आयोजित की गई थी। सफल उम्मीदवारों को बुलावा पत्रों का वितरण आरओ लखनऊ कैंट में 07 दिसम्बर से शुरू होगा। जिन उम्मीदवारों ने परीक्षा में मेरिट सूची बनाई है, उन्हें प्रशिक्षण केन्द्रों पर भेजने के लिए बुलावा पत्रों को प्राप्त करने के लिए सूचित किया गया है। उम्मीदवारों को सरकार की जारी कोविड19 से सम्बन्धित दिशा निर्देशों का पालन करना होगा। कार्यालय परिसर में प्रवेश करते समय मास्क पहनना अनिवार्य है। उम्मीदवारों के पास अधिकृत, नामित सरकारी अस्पताल से कोविड19 नकारात्मक रिपोर्ट हर हाल में होनी चाहिए।

खाद्यान्न वितरण से सम्बन्धित आईसीडीएस एवं एनआरएलएम की संयुक्त बैठक हुई सम्पन्न

बहराइच । पयागपुर जनपद के ब्लाक सभागार पयागपुर में बाल विकास परियोजना के सीडीपीओ अनिल कुमार पांडेय की अध्यक्षता में शुक्रवार को ड्राईफ्रूड के वितरण में आ रही समस्याओं के निवारण हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें स्वयं सहायता समूह, महिला आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से संचालित अनुपूरक पुष्टाहार वितरण कार्यक्रम के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में सीडीपीओ पांडेय ने बताया गया कि अनुपूरक पुष्टाहार कार्यक्रम के तहत ड्राई राशन स्वयं सहायता समूह की महिलाएं के सहयोग से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता वितरित करेंगी। आंगनबाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत बच्चों के साथ गर्भवती, धात्री और किशोरियों को भी ड्राई राशन वितरित किया जाना है। दाल,दूध एवं घी की व्यवस्था भी सरकार द्वारा की गई है सीडीपीओ ने

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आंगनबाड़ी केंद्रों से वितरित होने वाले ड्राई राशन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्यसेविका शिवकुमारी सिंह, स्वयं सहायता समूह के प्रभारी अधिकारी एवं सैकड़ो की संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहें।

दुनिया के नक्शे पर गंगा को अहम् स्थान दिलाने के लिए शुरु की रॉयल क्रूज सेवाः राजसिंह

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

बीकानेर। गंगा को साफ रखना बड़ा और धार्मिक महान कार्य है। हमारे बड़ेबुजुर्गों ने गंगा की पवित्रता की रक्षा की थी लेकिन आज दुःख होता है कि गंगा को साफ रखने में जितनी श्रद्धा रखनी चाहिए उस ओर ध्यान नहीं दिया जाता है।

यह बात शुक्रवार को इग्जॉटिक हैरिटेज ग्रुप के चेयरपर्सन और राजस्थान में भरतपुर राजघराने के सदस्य प्रवासी राजस्थानी उद्योगपति राजसिंह ने एक विशेष बातचीत में ऑनलाइन वर्चुअल में कही। उन्होंने कहा कि गंगा को साफ रखने के लिए आत्मिक शुद्धि का होना जरुरी है, अपने मन को शुद्ध करके ही गंगा को साफ किया जा सकता है। गंगा शब्द का उच्चारण करने मात्र से पवित्रता की अनुभूति होती है लेकिन हमारी सांस्कृतिक मान्यताओं से जुड़ी यह गंगा सिर्फ नदी नहीं है। जबकि कहते हैं कि इसमें डूबकी लगाने मात्र से हमारे द्वारा किए गए लगभग सभी पाप धुल जाते हैं लेकिन गंदगी और मैल को गंगा में प्रवाहित करना क्या उचित

है? गंगा की शुद्धिकरण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने चाहिए। पश्चिम बंगाल में खासकर गंगा के साथ यात्रा को यादगार बनाने, गंगा की पवित्रता, पुण्यता व महानता बतलाने तथा दुनिया के नक्शे पर गंगा को अहम् स्थान दिलाने के उद्देश्य से दस वर्ष पूर्व कोलकाता से वाराणसी तक इग्जॉटिक हैरिटेज ग्रुप की ओर से रॉयल क्रूज सेवा शुरु की गयी थी। इससे पहले भी वे कोलकाता से बनारस व ढाका तक गंगा में क्रूज सेवा शुरु कर चुके हैं। पर्यटन की दृष्टि से देखें तो इसमें काफी संभावनाएं देखी जा सकती है। उनके क्रूज में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, साइलेंसर, सीवरेज प्लांट भी लगे हैं जिससे गंगा प्रदूषण मुक्त रहती है साथ ही साथ शोर की ध्वनि भी नहीं होने का दावा उन्होंने किया।

राष्ट्रसंत डॉ वसंत विजय की निश्रा में अद्भुत जप-हवन

उज्जैन। कलयुग के चमत्कारिक देवता नाकोड़ा भैरव देव की विश्व इतिहास की सबसे बड़ी प्रतिमा उज्जैन के शांतम आश्रम में स्थापित हुई है। राष्ट्रसंत, सर्वधर्म दिवाकर, विद्यासागर, मंत्र शिरोमणि, कृष्णगिरी शक्तिपीठाधिपति, परम पूज्य गुरुदेवश्री डॉ वसंत विजय जी महाराज साहेब की पावन निश्रा में इस 21 फीट की विशालतम नाकोड़ा भैरव देव की प्रतिमा के समक्ष भैरव अष्टमी पर्व के मद्देनजर 8 दिवसीय जप, हवन एवं साधना शिविर के आयोजन में दुर्लभ मंत्रों का लाखोंकरोड़ों की संख्या में जाप हो रहा है। साथ ही संगीतमय भक्ति के साथ आध्यात्मिक लाभ का क्रम भी सुचारू रूप से जारी है। कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु जन भैरव भक्ति में संतश्रीजी की निश्रा में सराबोर हो रहे हैं। कार्यक्रम में महाकाल मंदिर के पुजारी दिनेश गुरुजी, रमण गुरुजी, सिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष संदीप मेहता ब्रह्मास्त्र ने भी भाग लेकर पूज्य गुरुदेव का आशीर्वाद लिया। सभी का श्री कृष्णगिरी पार्श्व पद्मावती भक्त मंडल उज्जैन द्वारा स्वागतसत्कार भी

किया गया। वहीं सेवाभावी गुरु भक्तों प्रकाश तलेरा, राकेश जैन, अजय कटारिया, उमंग कोठारी व कमलेश अग्रवाल का भी राष्ट्रसंत की मिश्रा में अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर दिनेश गुरुजी ने कहा कि एक विद्वान और दुर्लभ संत की निश्रा में उज्जैन मध्य प्रदेश तथा भारत वासियों को सौभाग्य प्राप्त हुआ है ।

राज्य स्तरीय क्रिकेट व कबड्डी चैंपियनशिप प्रतियोगिता का उद्घाटन विनीत सिंह ने किया

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। स्पोर्ट्स डेवलपमेंट एंड प्रमोशन एसोसिएशनपूर्वांचल, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में जयप्रकाश पब्लिक स्कूल, करौता में आयोजित तीन दिवसीय राज्यस्तरीय क्रिकेट व कबड्डी चैंपियनशिप का शुभांरम्भ शुक्रवार किया गया। चैम्पियनशिप का उद्घाटन पूर्व एमएलसी विनीत सिंह ने फीता काटकर किया। इस मौके पर मौजूद संस्था के अध्यक्ष व पार्षद अमित जायसवाल ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेशभर के विभिन्न जिलों से कुल 400 खिलाड़ी अपनीअपनी टीमों की तरफ से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इसमें हर टीम तीन टीमों से खलेगा और एकदुसरे को हरायेगा वह सेमीफाइनल व फाइनल में पहुंचेगा। फाइनल मैच जीतने वाले प्रतिभागी को एक लाख रुपये नगद व ट्राफी से सम्मानित किया जायेगा। प्रतियोगिता सुबह से शुरु होकर देर रात होती है। मैदान में आधुनिक बल्वों के जरिए प्रकाश की प्रयाप्त व्यवस्था की गयी है। प्रतियोगिता का संचालन संस्था के सचिव अभिषेक सिंह व महासचिव मदनमोहन यादव कर रहे है।

प्रतियोगिता के पहले दिन गाजीपुर वाराणसी, बलिया, सोनभद्र व जौनपुर के खिलाड़ियों के बीच खेला गया।

अगले दौर में महराजगंज, बलिया, देवरिया, कुशीनगर, मऊ, अयोध्या, आजमगढ़, लखनऊ, व गोरखपुर जनपद की टीम खेलेगी। स्टेट कबड्डी चैम्पियनशिप में कई स्टार खिलाड़ी खेल रहे हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन कर रहे पूर्व एमएलसी विनीत सिंह ने कहा कि यह बच्चे आने वाले भविष्य में हमारे देश का नाम रोशन करेंगे। यह आयोजन कबड्डी जैसे भारत के प्राचीन खेल को जीवित रखने का प्रयास है। कबड्डी भारत का विशेषकर पूर्वांचल का सबसे लोकप्रिय और प्राचीन खेल है। उन्होंने आयोजक अमीत जायसवाल को धन्यवाद देते हुये कहा कि पाश्चात्य खेलों के बढ़ते प्रभाव के कारण हमारे प्राचीन खेल विलुप्त होते जा रहे हैं, इस खेल को जीवित रखना क्षेत्र की संस्कृति की सेवा के समान है। कार्यक्रम के आयोजक अमीत जायसवाल ने कबड्डी के खेल को वर्तमान की आवश्यकता बताते हुये कहा कि यह हमारा प्राचीन खेल है। क्रिकेट जैसे खेल के प्रभाव के कारण यह खेला कम जाता है। खेल से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते है।

काशी के कोतवाल कालभैरव के जन्मोत्सव की तैयारी

वाराणसी । काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव के जन्मोत्सव की तैयारी मंदिर परिसर में चल रही है। दरबार को सजाने के साथ कोविड प्रोटोकाल के पालन को लेकर भी मंदिर के पुजारी सतर्क है। बाबा का जन्मोत्सव मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष की अष्टमी (भैरवाष्टमी) सात दिसम्बर को है। भैरवाष्टमी पर बाबा कालभैरव के विग्रह को भोर में पंचामृत स्नान कर सिंदूर लेपन कराया जायेगा। इसके बाद बाल स्वरूप में श्रृंगार रख बाबा को नवीन वस्त्र, चांदी का मुखौटा, मुंडमाला, छत व दण्ड धारण कराया जायेगा। भोग लगाने के बाद मंगला आरती कर मंदिर का पट आम जन के लिए खोल दिया जायेगा। मंदिर के पुजारी नवीन गिरी ने बताया कि भैरवाष्टमी पर रात में 12 बजे से अपरान्ह एक बजे के बीच बाबा का खास दर्शन वर्ष में सिर्फ एक दिन के लिए होता है। जिसमें बाबा को वस्त्र और आभूषण नही पहनाया जाता। उन्होंने बताया कि काल भैरव महाकाल के रूप में काशी में विराजते हैं। काशी नगरी में बाबा विश्वनाथ के बाद बाबा काल भैरव का ही सबसे बड़ा स्थान है। बाबा विश्वनाथ इस शहर के पुराधिपति है।

सर्दी में इम्युनिटी के प्राकृतिक स्रोत है पत्तेदार हरी सब्जियां

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। पालक, मूली के पत्ते, मेथी, बथुआ, सरसों के पत्ते, पत्तागोभी सहित पत्तेदार हरी सब्जियों में पर्याप्त मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। इनके खाने से शरीर में संक्रमण का खतरा कम हो जाता है। बीमार दूरदूर तक नहीं फटकती। इनके खाने से हड्डियां मजबूत होती है।

आंखों की रोशनी भी बढ़ती है। इसके अलावा और भी कई फायदे होते हैं। बता दें, हरी सब्जियों में पालक मुख्य रुप से खाई जाने वाली सब्जी होती है। सुबह खाली पेट खाने से हमेशा रहेंगे निरोगी। हर बीमारी के लिए रामबाण है।

इससे पाचन भी बेहतर और मोटापा घटेगा। क्योंकि इसमें सर्वाधिक फायबर होता है जो पेट की बीमारियां दूर करता है। गोभी के पत्ते, अरबी का पत्ते और मुनगा के पत्ते, मूली के पत्ते व चैराई शरीर का तापमान भी नियंत्रित रखती है। रक्त के संचार और धमनियों के विकास में सहायक होती है। चिकित्सक डा एसके जायसवाल का दावा है कि हरी पत्तेदार सब्जियां सेहत का खजाना है। खासकर इस मौसम में जरा सी

लापरवाही से सर्दीजुकाम और बुखार का खतरा बढ़ जाता है। धूप न निकलने के कारण विटमिन डी की कमी हो जाती है और रक्त कोशिकाएं संकुचित हो जाती हैं। इस कारण रक्त का संचार ठीक से नहीं हो पाता है ऐसे में चना, बथुआ, सरसों आदि के साग रामबाण साबित हो सकते है। यदि इन्हें डाइट में शामिल किया जाय तो इनके जबरदस्त फायदे है। मतलब साफ है यदि कोरोना को हराना है, इम्युनिटी बढ़ाना है और सेहतमंद रहना है तो हरी सब्जियां जरूर खाएं। हरी सब्जियां न सिर्फ आपके शरीर में खून की मात्रा बढ़ा सकती हैं बल्कि हरी सब्जियां मोटापा घटाने, दातों, कैंसर, एनीमिया और पथरी के लिए भी रामबाण हैं। हरी सब्जियों में विटामिन यानी प्रोटीन और मिनरल भरपूर होती हैं, जो आपकी डाइट में बहुत ज्यादा महत्व रखती हैं। क्योंकि इनमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर की प्रतिरोधी क्षमता को तो मजबूत करते ही हैं साथ ही त्वचा में भी निखार लाते हैं। त्वचा, आंखों और बालों से जुड़ी समस्याओं को दूर करती हैं। डा एसके जायसवाल का कहना है कि शरीर के जिस अंग को जिस तत्व की जरूरत होती है, वह इन पत्तेदार सब्जियों से पूर्ति कर लेता है। गाजर की पत्तियां, सोया व चने में एक विशेष तत्व पाया जाता है।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारीः
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

वूमेन एक्सप्रेस

किसानों ने किया भारत बंद का ऐलान नहीं हटेंगे पीछे

एक नजर

रतलाम में तिहरे हत्याकांड का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में ढेर

रतलाम/भोपाल। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में एक परिवार के तीन सदस्यों की हत्या करने के आरोपी गुजरात निवासी दिलीप देवल को पुलिस ने बीती रात मुठभेड़ में मार गिराया है। इस मुठभेड़ में पुलिस जवान भी घायल हुए है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने कहा है कि ऐसे नरपिशाचों को समाज में रहने का कोई अधिकार नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार की रात को पुलिस को पिछले दिनों हुए तिहरे हत्याकांड के आरोपी दिलीप के खाचरौद मार्ग के पास होने की सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी के निर्देश पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा। आरोपी की घेराबंदी की गई, दिलीप ने पुलिस पर फायरिंग की, जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। इस गोलीबारी में दिलीप मारा गया, वहीं पुलिस के जवान भी घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने कहा, अभी थोड़ी देर पहले रतलाम ट्रिपल मर्डर केस का मुख्य आरोपी दिलीप देवल पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया। मैंने पुलिस को सख्त निर्देश दिए थे कि ऐसे नरपिशाच को समाज में रहने का कोई अधिकार नहीं है। उसे जल्द से जल्द पकड़ा जाए।

जाली नोट मामले में 3 लोगों को 6 साल की सजा

बेंगलुरु । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने बुधवार को तीन लोगों को जाली नोट रैकेट मामले में गिरफ्तारी के तीन साल बाद दोषी करार दिया। एनआईए की विशेष अदालत ने तीनों दोषियों, मोहम्मद सज्जाद अली, एम. जी. राजू और अब्दुल कादिर को दोषी ठहराया और उन्हें 20,000 रुपये के जुमार्ने के साथ छह साल की कैद की सजा सुनाई। यह मामला मदनायकहल्ली पुलिस द्वारा मार्च 2018 में बेंगलुरु शहर के विभिन्न हिस्सों से चार आरोपियों मोहम्मद सज्जाद अली, एम. जी. राजू, गंगाधर रमप्पा कोलार और वनिता की गिरफ्तारी के साथ शुरू हुआ था। चारों पर भारतीय दंड संहिता की 489बी (जाली नोट का उपयोग करने), 489सी (जाली नोट रखने), 120बी (आपराधिक षड्यंत्र) और 34 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद इस मामले को सितंबर 2018 में एनआईए ने अपने नियंत्रण में ले लिया। उनकी गिरफ्तारी के समय, मदनायकहल्ली पुलिस ने उनसे 6,84,000 रुपये के जाली नोट बरामद किए थे, जो 2,000 के नोटों के तौर पर थे। एनआईए ने एक बयान में कहा, जांच के दौरान, कर्नाटक से विजय और सबीरुद्दीन और पश्चिम बंगाल के मालदा से अब्दुल कादिर और जहीरुद्दीन की भागीदारी सामने आई।

लखनऊ में पुलिस ने अंतरधार्मिक विवाह रोका

लखनऊ । लखनऊ में पुलिस ने एक अंतरधार्मिक विवाह को रोक दिया, जो दोनों परिवारों की सहमति से हो रहा था, जिसके बाद धर्मांतरण विरोधी कानून के खिलाफ गुस्सा भड़क गया है। विवाह की रस्में शुरू होने से ठीक पहले पुलिस ने हस्तक्षेप किया। मारूफ अली ने कहा, ये वो है जो अब होने जा रहा है। पुलिस तय करेगी कि शादी होगी या नहीं। अदालतों ने कहा है कि कोई भी वयस्कों को एक साथ रहने से नहीं रोक सकता है, लेकिन इस कानून के साथ, अब पुलिस फैसला करेगी। दुल्हन पक्ष के एक रिश्तेदार शिरीष गुप्ता भी उतने ही परेशान थे। उन्होंने कहा, शादी दोनों परिवारों की मौजूदगी में हो रही थी, लेकिन पुलिस ने समारोह रोक दिया। मेहमानों को बिना डिनर कराए वापस भेज दिया गया। कभी सोचा भी नहीं था कि ऐसी घटना आजाद भारत में होगी। एक मुस्लिम धर्मगुरु ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर कहा, हमारी आशंकाएं अपेक्षा से जल्द सामने आई हैं। पुलिस अब राज्य चला रही है और इस नए कानून द्वारा व्यक्तिगत स्वतंत्रता खत्म हो गई है। खबरों के मुताबिक, हिंदू महासभा के जिला अध्यक्ष बृजेश शुक्ला ने लिखित में शादी के बारे में शिकायत दी थी। पुलिस बुधवार रात विवाह स्थल पर पहुंची, जहां 22 वर्षीय रैना गुप्ता को अपने बचपन के दोस्त 24 वर्षीय मोहम्मद आसिफ से शादी करनी थी।

दल की बजाए राष्ट्र प्रथम होना चाहिएःनायडू

उपराष्ट्रपति ने पूर्व पीएम आईके गुजराल के सम्मान में डाक टिकट जारी किया

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर। उपराष्टपति एम वेंकैया नायडू ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री आई. के. गुजराल को श्रद्धांजलि देते हुए उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया। इस मौके पर उन्होंने गुजराल को बहुआयामी प्रतिभा का धनी व्यक्ति बताते हुए कहा कि विदेश मामलों में गुजराल सिद्धांत के लिए पूर्व प्रधानमंत्री को सदैव याद किया जाएगा। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हुए कार्यक्रम में नायडू ने कहा कि गुजराल विद्वान एवं मृदुभाषी व्यक्ति थे। वह एक भद्र राजनेता थे जिन्होंने कई चुनौतियों और मुश्किलों के बावजूद अपने मूल्यों के साथ कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा, वह एक सर्वप्रिय व्यवहार के स्वामी थे जो अपनी कमी को बताने वाले के प्रति भी विनम्र रहते थे। उन्होंने कहा कि भारत के विदेश मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान गुजराल सिद्धांत के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। उपराष्ट्रपति ने सभी राजनेताओं से अपने विरोधियों को प्रतिस्पर्धी और शत्रुता का भाव नहीं रखने की अपील करते हुए आपस में अच्छे संबंध बनाने की अपील की। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से राष्ट्र

प्रथम की नीति का पालन करते हुए मतभेदों को एक तरफ रख राष्टीय हित में विदेश नीति का समर्थन करने का आह्वान किया। उप राष्टपति ने दक्षिण एशियाई देशों में आतंकवाद के खतरों का जिक्र करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता की समृद्धि और बेहतरी के लिए दक्षेस समूह एक प्रभावी और ऊर्जापूर्ण नेटवर्क हो सकता है, लेकिन इसके लिए सभी देशों को आतंकवाद की मुसीबत को उखाड़ फेंकने के लिए गंभीरतापूर्वक एक साथ आना होगा। उन्होंने दोहराया कि भारत अपने सभी पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण ढंग से रहने में और मित्रवत संबंध कायम रखने में विश्वास करता है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से देश को बीते कई वर्षों से विदेशी सरकारों द्वारा प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद का अनवरत सामना करना पड़ रहा है। उप राष्टपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट को और अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए तथा ऐसे देशों को अलगथलग करने के अधिक प्रयास करने चाहिए जो आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं तथा ऐसे देशों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी देशों को गरीबी, अशिक्षा, भ्रष्टाचार जैसे अवरोधकों और गुणवत्तापरक शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवा के आड़े आने वाली बाधाओं को दूर करके, लैंगिक असमानता को खत्म करके तथा जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाकर लोगों के लिए बेहतर और उज्ज्वल भविष्य बनाने के अवसर तैयार करने चाहिए। नायडू ने लोगों को कोविड19 महामारी के प्रति सावधानी बरतने, सभी एहतियाती उपायों को जारी रखनें जैसे मास्क पहनना नियमित रूप से हाथ धोना और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की। उन्होंने इस बात का समर्थन किया कि मौजूदा पीढ़ियों को इंद्र कुमार गुजराल जैसे महान नेताओं के जीवन और उनके योगदान से अवगत कराया जाना है। कार्यक्रम में स्वर्गीय गुजराल के भाई नरेश गुजराल, संसद सदस्य, तरलोचन सिंह, पूर्व सांसद, बी. सेल्वाकुमार, मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल, तमिलनाडु सर्कल और सुमति रविचंद्रन, पोस्ट मास्टर जनरल, चेन्नई शहर क्षेत्र ने भी हिस्सा लिया।

किसानों को खालिस्तानी और कांग्रेसी कहकर अपमानित कर रही BJP: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

(विशेष संवाददाता)

गुरुग्राम। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने शुक्रवार को गुरुग्राम में कहा कि कांग्रेस किसानों की मांग का समर्थन करती है। किसानों की मांगें जायज हैं। सरकार को उनकी मांगें मान लेनी चाहिए। हुड्डा ने पीपली में किसानों पर हुई लाठी चार्ज का भी जिक्र करते हुए कहा कि सरकार की ओर से किसानों का अपमान किया जा रहा है और उन्हें खालिस्तानी और कांग्रेसी बताया जा रहा है।

हुड्डा ने कहा कि किसान केवल किसान हैं। वे धर्म, जाति और क्षेत्र से ऊपर उठकर अपनी जायज मांगों के साथ यहां आए हैं। वे इस ठंड में यहां डटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के राज्यपाल से मेरा आग्रह है कि वो विधानसभा का विशेष सभा सत्र बुलाएं और किसानों की समस्या पर चर्चा करें। विधानसभा में हम अविश्वास प्रस्ताव पेश करेंगे क्योंकि जो मौजूदा सरकार है वो जनता का और विधानसभा का विश्वास खो चुकी है। हुड्डा ने कहा कि हरियाणा सरकार अब बुरी स्थिति में है क्योंकि उन्होंने सबसे बड़ी गलती की है। अगर उन्होंने किसानों को रोका या वाटर कैनन का इस्तेमाल नहीं किया होता या आंसू गैस के गोले नहीं छोड़े तो उन्हें समस्या नहीं होती। देश की राजधानी में दूसरों को आने से कौन रोक सकता है? हरियाणा सरकार ने जो किया वह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि कल किसानों के साथ अगले चरण की वार्ता के बाद कांग्रेस अपनी आगे की रणनीति पर चर्चा करेगी। कृषि कानूनों के विरोध में किसानों के आंदोलन अब जोर पकड़ने लगा है। सरकार के साथ आरपार की लड़ाई लड़ रहे किसान अपनी मांगों को लेकर किसी भी सूरत में झुकने को तैयार नहीं हैं।

गौरतलब है कि केन्द्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ हजारों किसान दिल्ली से लगती सीमाओं के प्रवेश मार्गों पर शुक्रवार को लगातार नौवें दिन भी डटे हुए हैं। किसानों को आशंका है कि इन कानूनों के कारण न्यूनतम समर्थन मूल्य समाप्त हो जाएगा। बता दें कि किसान हाल ही बनाए गए तीन नए कृषि कानूनों द प्रोड्यूसर्स ट्रेड एंड कॉमर्स एक्ट, 2020, द फार्मर्स एग्रीमेंट ऑन प्राइस एश्योरेंस एंड फार्म सर्विसेज एक्ट, 2020 और द एसेंशियल कमोडिटीज (एमेंडमेंट) एक्ट, 2020 का विरोध कर रहे हैं।

अयोध्या में मस्जिद निर्माण के लिए न्यास में सरकारी प्रतिनिधि नामित करने की याचिका खारिज

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें अयोध्या में मस्जिद निर्माण के लिए 'इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन' में राज्य और केन्द्र सरकार के प्रतिनिधियों को नामित करने के निर्देश देने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति आर एफ नरीमन की अगुवाई वाली पीठ ने दो अधिवक्ताओं की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया था कि कोष के सही प्रबंधन के लिए निजी लोगों और राज्य सुन्नी बोर्ड के सदस्यों के अलावा केन्द्र और राज्य सरकार के प्रतिनिधियों की मौजूदगी जरूरी है। याचिका के अनुसार सुन्नी वक्फ बोर्ड ने मस्जिद बनाने के लिए दी गई पांच एकड़ जमीन में एक मस्जिद, सांस्कृतिक एवं अनुसंधान केन्द्र, सामुदायिक रसोई, एक अस्पताल और एक पुस्तकालय सहित जन उपयोगी केन्द्र के निर्माण के वास्ते 'इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन' नाम से एक न्यास बनाने की घोषणा 29 जुलाई 2020 को की थी।

राहुल गांधी पर एनसीपी प्रमुख शरद पवार का बड़ा बयान, कहा, उनमें निरंतरता की कमी लगती है

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 04 दिसंबर । एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को लेकर बड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि राहुल गांधी में कुछ हद तक 'निरंतरता' की कमी लगती है। शरद पवार ने ये अहम टिप्पणी उस समय की है जब एनसीपी महाराष्ट्र की सरकार में साझीदार है। हालांकि साथ ही पवार ने राहुल गांधी पर बराक ओबामा की टिप्पणियों को लेकर कड़ी आपत्ति भी जताई। पवार का साक्षात्कार गुरुवार को लोकमत मीडिया के अध्यक्ष और पूर्व सांसद विजय दर्डा ने किया। यह पूछे जाने पर कि क्या देश राहुल गांधी को नेता मानने के लिए तैयार है, तो पवार ने कहा कि इस संबंध में कुछ सवाल हैं।

पवार ने कहा, 'उनमें निरंतरता की कमी लगती है।' ओबामा ने हाल ही में प्रकाशित अपने संस्मरण में कहा था कि कांग्रेस नेता शिक्षक को प्रभावित करने के लिए उस उत्सुक छात्र की तरह लगते हैं जिसमें विषय में महारत हासिल करने के लिए योग्यता और जुनून की कमी है। इस बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि हम सभी के विचार को स्वीकार करें। उन्होंने कहा, 'मैं अपने देश के नेतृत्व के बारे में कुछ भी कह सकता हूं। लेकिन मैं दूसरे देश के नेतृत्व के बारे में बात नहीं करूंगा। किसी को उस सीमा को बनाए रखना चाहिए। मुझे लगता है कि ओबामा ने उस सीमा को पार कर लिया।' कांग्रेस के भविष्य पर पूछे गए एक सवाल और ये पूछे जाने पर कि क्या राहुल गांधी ही इस पार्टी के लिए 'बाधा' बन रहे हैं, पवार ने कहा कि किसी भी पार्टी का नेतृत्व इस बात पर निर्भर करता है कि संगठन के भीतर उसकी स्वीकार्यता कैसी है। पवार ने कहा, 'हालांकि मेरे सोनिया गांधी और परिवार से मतभेद रहे, इसके बावजूद आज भी कांग्रेस के लोगों में गांधीनेहरू परिवार के लिए एक आकर्षण है।' बता दें कि पवार ने करीब दो दशक पहले नेतृत्व को लेकर कांग्रेस पार्टी को छोड़ दिया था। पिछले साल लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी के खिलाफ लगातार दूसरी हार के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस का अध्यक्ष पद छोड़ दिया था। राहुल गांधी के खिलाफ कुछ मौकों पर हाल के महीनों में पार्टी के भीतर असंतोष की भी आवाजें उठी।

बिहार में सरकार के अपनों ने उठाया कानून व्यवस्था पर सवाल

पटना, 04 दिसंबर । बिहार में कानूनव्यवस्था की स्थिति पर एक ओर जहां विपक्ष सरकार को घेरने का कोई भी मौका नहीं चूक रही है वहीं शुक्रवार को सरकार के अपनों ने ही कानून व्यवस्था पर सवाल उठा दिया है। कानून व्यवस्था की हालत पर चिंता प्रकट करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल ने अपनी ही राष्टीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार को घेरा है। उन्होंने राज्य के पूर्वी चंपारण जिले में कानूनव्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे इस मामले में पुलिस महानिदेशक से मिलेंगे। डॉ. संजय जायसवाल ने अपने अधिकारिक फेसबुक पेज पर पोस्ट कर लिखा कि वे शुक्रवार को बेतिया से पटना की यात्रा पर हैं। रास्ते में पूर्वी चंपारण के सेमरा में जनता ने सड़क जाम कर दिया था। पता चला कि वहां आए दिन चोरियां हो रही हैं। उन्होंने आगे लिखा, आज गांव वालों ने चोर को पकड़ने की कोशिश की तो वह अपनी बाइक छोड़कर भागने में सफल रहा। स्थानीय तुरकौलिया थाना प्रभारी को फोन करने पर वह उल्टे गांव वालों को धमकाने लगा कि पुलिस आई तो उन्हें ही गिरफ्तार करेगी। बिहार भाजपा प्रमुख ने आगे लिखा, पूर्वी चंपारण के थानों में अव्यवस्था के हालात हैं। रक्सौल से

लेकर मोतिहारी तक लगातार अपराध की घटनाएं हो रही हैं और पुलिस अपराधियों को पकड़ने में नाकाम साबित हो रही है। डॉ. जायसवाल ले आगे लिखा है कि वे पटना पहुंचने पर खुद पुलिस महानिदेशक से मिलकर पूर्वी चंपारण की कानून व्यवस्था के बारे में बात करेंगे। उल्लेखनीय है कि विपक्ष लगातार कानून व्यवस्था को लेकर नीतीश सरकार पर निशाना साध रही है।

योगी सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए आज से शुरू करेगी मिशन

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ । युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए योगी सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है। राज्य सरकार शनिवार से प्रदेश में मिशन रोजगार शुरू करने जा रही है । अभियान के तहत सरकार ने 50 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य तय किया है। रोजगार के लिए प्रदेश के इतिहास में यह इकलौता और सबसे बड़ा अभियान है । प्रदेश के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए राज्य सरकार पूरे प्रदेश में 5 दिसंबर से मिशन रोजगार अभियान की शुरूआत करेगी । अभियान के तहत प्रदेश में स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण और अप्रेन्टिसशिप के जरिए युवाओं को रोजगार मुहैया कराया जाएगा । मिशन रोजगार के तहत राज्य सरकार की योजना इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 50 लाख युवाओं को रोजगार देने की है। मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने इसके लिए राजस्व परिषद, कृषि उत्पादन आयुक्त, अवस्थापना एवं औद्योगिक

विकास आयुक्त, समस्त अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, समस्त विभागाध्यक्ष, मण्डलायुक्त और जिलाधिकारियों को दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। अभियान की जानकारी देते हुए मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि इस मिशन रोजगार के अन्तर्गत प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों,संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, निगमों, परिषदों, बोर्डों और प्रदेश सरकारके विभिन्न स्थानीय निकायों, विकास प्राधिकरण और औद्योगिक विकास प्राधिकरण शामिल किया जाएगा। इसके अलावा प्रदेश में युवाओं के लिए रोजगार, स्वरोजगार के सृजन के साथ ही कौशल प्रशिक्षण और अप्रेन्टिसशिप,भूमि आवंटन, विभिन्न प्रकार के लाइसेन्स और अनुमतियों के माध्यम से अधिक से अधिक रोजगार, स्वरोजगार के अवसरों का सृजन किये जाने का अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिए हर विभाग, संगठन, प्राधिकरण के कार्यालयोंमें हेल्प डेस्क बनाई जाएगी। इस हेल्प डेस्क पर उस विभाग से संबंधितरोजगार, स्वरोजगार और कौशल विकास प्रशिक्षण से जुड़े कार्यक्रम कीजानकारी दी जाएगी।

कृषि कानूनों को वापस ले और अन्नदाता से दुर्व्यवहार के लिए माफी मांगे केंद्र सरकार

जयपुर, 04 दिसंबर (वेबवार्ता)। केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में किसान आंदोलन के बीच राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार को इन कानूनों को तत्काल वापस लेकर अन्नदाता के साथ दुर्व्यवहार के लिए माफी मांगनी चाहिए। गहलोत ने ट्वीट किया, 'केंद्र सरकार को अविलंब तीनों नए कृषि कानूनों को वापस लेना चाहिए और अन्नदाता के साथ किये गये दुर्व्यवहार के लिये माफी मांगनी चाहिए।'

मुख्यमंत्री के अनुसार, 'केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों, किसान सगंठनों, कृषि विशेषज्ञों से बिना चर्चा किये तीनों कृषि विधेयक बनाये, और इन विधेयकों को संसद में भी आनन फानन में बिना चर्चा किये बहुमत के दम पर असंवैधानिक तरीके से पास कराया जबकि विपक्ष इन्हें प्रवर समिति को भेजकर चर्चा की मांग कर रहा था।' उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार ने इन विधेयकों पर किसी से कोई चर्चा नहीं की जिसके चलते आज पूरे देश के किसान सड़कों पर हैं। विधेयकों का विरोध कर रहे मुख्यमंत्रियों को राष्टपति से मिलने का समय नहीं मिला। कांग्रेस नेता ने कहा कि किसानों की बात केंद्र सरकार ने नहीं सुनी जिसके कारण आज किसान पूरे देश में आंदोलन कर रहे हैं। गहलोत ने कहा, 'लोकतंत्र के अंदर संवाद सरकार के साथ इस प्रकार कायम रहते तो यह चक्का जाम के हालात नहीं बनते एवं आम जन को तकलीफ का सामना नहीं करना पड़ता।'

अब WhatsApp पर मिलेगी PNR, ट्रेनों की Live Location सहित सभी जरूरी जानकारी

नई दिल्ली । यूजर्स के लिए एक बड़ी खबर है। ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट की समस्या को खत्म करने के लिए मुंबई बेस्ड स्टार्टअप **Railofy** ने आज एक नया फीचर लॉन्च किया है। यह फीचर रियर टाइम पीएनआर स्टेट्स और ट्रेन की यात्रा की सभी जानकारी यात्री को **WhatsApp** पर उपलब्ध कराएगा। कंपनी की तरफ से रेल यात्रियों की सुविधा के लिए यात्रा में लगने वाले कुल समय और पीएनआर के सर्च करने और ट्रेन की देर होने की सूचना, स्टेशन अलर्ट जैसी जानकारी भी उलब्ध कराएगा। **Railofy** के नए फीचर का लुत्फ उठाने के लिए यूजर को केवल अपना 10 डिजिट का पीएनआर नंबर को **WhatsApp** नंबर 98811 93322 दर्ज करना होगा। इसके बाद लाइव स्टेशन अलर्ट, समेत कई तरह की जानकारी आपको वॉट्सएपर पर मिल जाएगी। अभी तक यात्रियों को ट्रेन की हर जानकारी के लिए अलग अलग वेबसाइट का इस्तेमाल करना पड़ता था, लेकिन **Railofy** के नए फीचर में आपको ट्रेन से जुड़ी पूरी जानकारी एक ही जगह पर मिलेगी। इस सर्विस की मदद से यूजर **WhatsApp** पर पीएनआर स्टेटस समेत हर एक रेगुलर अपडेट की जानकारी ले सकेंगे। वही ट्रेन लेटे होने पर यात्री आराम से स्टेशन पहुंचे। इसकी जानकारी भी दी जाएगी। वही अपकमिंग स्टेशन के बारे में भी सूचना मिलेगी। **Railofy** के मुताबिक करीब हर माह 60 लाख पैसेंजर **google** पर **IRCTC** ट्रेन के स्टेशन की जानकारी सर्च करते हैं। लेकिन वहां इसका जवाब नही मिलता है। ऐसे में **Railofy** का नया फीचर काफी कामगर साबित हो सकता है।

विद्यार्थियों के हाथों में देश का भविष्यः रावत

(विशेष संवाददाता)

गोरखपुर, 04 दिसंबर । भारत के चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने कहा कि हमारा देश नए भारत के रूप में उभर कर सामने आना वाला है। देश कैसे उन्नति करेगा, ये आप पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि आप सभी के हाथों में ही देश का भविष्य है, इसे सदैव ध्यान में रखे।

बिपिन रावत शुक्रवार को गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ के अवसर पर वहां के बच्चों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आर्थिक गतिविधियां, शिक्षा प्रणाली, सामाजिक उन्नति, शहरीकरण एवं तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल से उज्जवल भविष्य की ओर देश बढ़ रहा है।

इसके लिए यह भी जरूरी है कि इमानदारी एवं वफादारी के साथ कर्तव्य पालन करेंगे। आप सभी के हाथों में ही देश का भविष्य है, इसे सदैव ध्यान में रखे। आप अपनी सोच को सदैव ऊंचा रखें। आप तारों तक पहुंचने की सोच रखेंगे, तभी

चांद पर पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि देश किस तरह से उन्नति करेगा, यह देश के विद्यार्थी की कार्यशैली पर निर्भर है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था अगर आपकी रोज की दिनचर्या में आपको किसी भी मुश्किल हालात का सामना नहीं करना पड़ा, कोई मुसीबत नहीं पड़ रही है तो आप गलत रास्ते पर चल रहे हैं। क्योंकि आप जब आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे, तो आपके आगे मुश्किल हालात आएंगे और आपको इन सब से आगे बढ़ना होगा।

इसीलिए जरूरी है कि आप अपनी ताकत की पहचान करें। हम सभी में गुण होते हैं, अपने अवगुणों को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़ने की कोशिश करनी है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आए चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने कहा कि जब जब आप ऐसा करेंगे इसमें आपको मुश्किल पेश आएगी। कई बार सफलता भी मिलेगी लेकिन असफलता से कभी हताश नहीं होना चाहिए। असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो, कहां खामियां रह गई इस पर विचार करो। तुम मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़े चलो, और हर नए शिखर पर परचम लहराओ। हमारे पूर्व राष्टपति अब्दुल कलाम ने कहा था अगर आप सूरज जैसी चमक चाहते हैं तो उससे पहले सूरज के जैसे जलना भी होगा। इसका मतलब है कि कड़ी परिश्रम करके अपना पसीना बहाना होगा। अगर आप पसीना बहाते रहे तो आपको सफलता मिलेगी और आप सूर्य की तरह चमकने में सफलता प्राप्त करेंगे।

रावत ने कहा कि पिछले कई सौ सालों तक हमारे देश पर विदेशियों का कब्जा रहा, जिससे विचारधारा में बदलाव आए हैं। शिक्षण संस्थाओं को संस्कृति से जोड़ कर रखने की जरूरत है। आपसी मेल जोल के साथ अपनी शिक्षा प्रणाली को आगे रखते हैं। इस मंच पर आज पहुंचे है तो इसका श्रेय हमारे शिक्षकों को जाता है।

रावत ने शिक्षकों से कहा कि हम कोई भी सफलता अपने शिक्षकों के बूते ही हासिल करते हैं। कोई ऐसा कहता है कि वह अपने दम पर खड़ा हुआ तो वह गलत कहता है। वह किसी न किसी से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ता है। अपने विद्यार्थियों का सही मार्गदर्शन करें। सच्चा अध्यापक वह होता है जो अपने विद्यार्थियों को सही दिशा में चलने का निर्देश और आदेश देता है।